निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, शनिवार 6 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 20 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

राज्यसभा की दो सीट के लिए होने वाले चुनाव को लेकर विधायकों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

राज्यसभा चुनाव : दोनों सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारेगी झामुमो

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए होने वाले चुनाव को लेकर बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। अब तक महागठबंधन के तहत कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच एक-एक सीट पर उम्मीदवार उतारने की चर्चा चल रही थी लेकिन शुक्रवार को झामुमो विधायक दल की बैठक के बाद पार्टी ने दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में मंत्री योगेंद्र प्रसाद और मंत्री हाफिजुल हसन ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से दोनों सीटों पर चुनाव लड़ने का लगातार दबाव बनाया जा रहा था। कार्यकर्ताओं की भावना को देखते हुए पार्टी ने दोनों सीटों पर उम्मीदवार उतारने का निर्णय लिया है। इधर, कांग्रेस पहले ही प्रणव झा को अपना उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। वहीं भाजपा भी चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी में है। ऐसे में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक समीकरण और दिलचस्प हो गए हैं। यदि प्रमुख दल अलग-अलग उम्मीदवार उतारते हैं तो चुनाव में क्रॉस वोटिंग और

राजनीतिक जोड़-तोड़ की चर्चाएं भी तेज हो सकती हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस फैसले से महागठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर नई स्थिति उत्पन्न हो सकती है। पिछले कुछ समय से कांग्रेस और झामुमो के बीच कई मुद्दों पर मतभेद की खबरें भी सामने आती रही हैं। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में दोनों दल राज्यसभा चुनाव को लेकर क्या अंतिम रणनीति अपनाते हैं। राज्यसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को पुराना विधानसभा सभागार में कांग्रेस प्रभारी के राजू की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में पार्टी प्रत्याशी प्रणव झा और कांग्रेस के मंत्री और विधायक शामिल हुए। वहीं मीडिया के सवालों पर प्रभारी के राजू ने कहा कि झामुमो प्रमुख हेमंत सोरेन से इस संदर्भ में बातचीत होगी और गठबंधन में एक सीट कांग्रेस और एक सीट झामुमो के प्रत्याशी की जीत होगी। झारखंड में गठबंधन पूरी तरह से एकजुट है।

कपाली गोलीकांड का आरोपित गिरफ्तार

सरायकेला(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल स्थित कपाली ओपी क्षेत्र के इस्लामनगर में जमीन विवाद को लेकर हुई जानलेवा फायरिंग मामले में पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी अशफाक अहमद उर्फ बल्लू (42 वर्ष, इस्लामनगर निवासी) को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया रोड(बड़ाबाजार) से गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया है। शुक्रवार को चांडिल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में एसडीपीओ शिव प्रकाश कुमार ने मामले का खुलासा किया। एसडीपीओ ने बताया कि घटना 02 जून को दिन के करीब एक बजे की है। जब अफसर नवाज नामक व्यक्ति अपनी जमीन पर काम करवा रहे थे। इसी दौरान उस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गयी थी। इस संबंध में कपाली ओपी में कांड संख्या- 80/2026, धारा 115(2)/ 126(2)/ 109/ 308(5)/ 3(5) बीएनएस 2023 एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

लापता बच्चों की खोज के लिए बनाई गई एसआइटी : डीजीपी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। डीजीपी तदाशा मिश्रा ने शुक्रवार को पलामू में अपराध और नक्सल मामलों की समीक्षा की। इस बैठक में आईजी अभियान नरेंद्र कुमार सिंह, आईजी सीआईडी अजय लिंडा, पलामू डीआईजी किशोर कौशल, पलामू एसपी कपिल चौधरी, गढ़वा एसपी आशुतोष शेखर, लातेहार एसपी कुमार गौरव मौजूद रहे। डीजीपी तदाशा मिश्रा को सर्किट हाउस में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया जबकि समीक्षा बैठक पलामू एसपी कार्यालय में हुई। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए डीजीपी तदाशा मिश्रा ने कहा कि नियमित तौर पर समीक्षा चल रही है और बैठकें की जा रही हैं। एसपी नए हैं। बैठक में नक्सल और अपराध को लेकर कई निर्देश दिए गए हैं। जमीन माफिया पर पूछे गए सवाल के जवाब में डीजीपी ने कहा कि मामले में सिविल प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका है, फैसले उनके तरफ से लिए जाते हैं। नक्सल में कुछ नहीं बचा है। डीजीपी

ने कहा कि लापता बच्चों को खोजने के लिए लातेहार और गढ़वा में एसआईटी बनाई गई है। गढ़वा में दो, जबकि लातेहार में एक बच्चा लापता है। सभी को खोजने के अभियान चलाया जा रहा है। पूरे झारखंड में इस विषय पर पुलिस काम कर रही है। पलामू के रामपुर में पुलिस बल की तैनाती की गई है और नजर रखी जा रही है। दरअसल, डीजीपी ने सबसे पहले गढ़वा उसके बाद लातेहार और बाद में पलामू की समीक्षा की।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में महिला की मौत

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। मधुपुर अनुमंडल के बुढ़ई थाना क्षेत्र अंतर्गत कुसमाहा-नोनियाद मार्ग पर शुक्रवार को सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौके पर मौत हो गई। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल चारपहिया वाहन और उसके चालक को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार,हरला गांव निवासी तुसिया देवी अपने परिजनों के साथ मोटरसाइकिल से मायके जा रही थीं तभी नयाडीह के समीप विपरीत दिशा से आ रहे एक चारपहिया वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

ट्रेलर की चपेट में आने से ट्रैक्टर चालक की मौत

जामताड़ा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के सतसाल स्थित साहिबगंज बाईपास मोड़ के पास गुरुवार रात एक सड़क दुर्घटना में ट्रैक्टर चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रेलर ने पीछे से ट्रैक्टर को टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर चालक कंटेनर के नीचे आ गया और उसका सिर कुचल गया। मृतक की पहचान करीब 30 वर्षीय उमेश महतो के रूप में हुई है। हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। जिले के पालकोट प्रखंड में एक सड़क दुर्घटना में 28 वर्षीय तुरिया किंडो की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में उनका दोस्त 28 वर्षीय विमल किंडो गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना गुरुवार-शुक्रवार की मध्य रात्रि को हुई। घायल विमल किंडो ने बताया कि वे दोनों दोस्त बघिमा पाहन टोली से ढिरौली जाम टोली में एक मेहमानी से लौट रहे थे। कसीरा अंबा टोली के पास एक अज्ञात वाहन के चालक ने तेज और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

गोड्डा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के महागामा थाना क्षेत्र में सारवां के पास एक युवक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला है। मृतक की पहचान बाड़ीडीह गांव निवासी 26 वर्षीय शेख जुल्फकार अंसारी के रूप में हुई है। स्थानीय ग्रामीणों ने तालाब की ओर जाते समय झाड़ी में शव को देखा। ग्रामीणों ने तत्काल महागामा थाना को सूचित किया। सूचना पाकर महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक, महागामा पुलिस निरीक्षक उपेंद्र कुमार महतो और महागामा थाना प्रभारी मनोज पाल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

भाजपा विधायक के निजी चालक की हत्या मामले में पांच गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोडरमा। स्थानीय भाजपा विधायक डॉ. नीरा यादव के वाहन चालक राजकुमार यादव की हत्या मामले का कोडरमा पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही हत्या में प्रयुक्त किए गए कुदाल को भी बरामद कर लिया है। बता दें कि 3 जून की रात जमीन विवाद में राजकुमार यादव पर जानलेवा हमला किया गया था जिसमें उसकी मौत हो गई थी। इस मामले को लेकर मृतक की पत्नी के आवेदन पर 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे थे और विधायक डॉ. नीरा यादव ने कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान पर विवाद की सूचना दिए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया था। इस संबंध में कोडरमा एसपी कुमार

शिवाशीष ने बताया कि 8 सालों से चल रहे जमीन विवाद में राजकुमार यादव की हत्या की गई थी। घटना को लेकर 12 लोगों के खिलाफ हत्या की नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। फिलहाल पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इधर कोडरमा थाना प्रभारी पर लापरवाही के आरोपों का जवाब देते हुए एसपी ने कहा कि डीएसपी स्तर से मामले की जांच कराई जा रही है। मामले में अगर किसी भी पुलिसकर्मी की लापरवाही पाई जाती है तो उसपर भी कार्रवाई की जाएगी।

50 लाख रुपये वसूलने पहुंचे पीएलएफआई के दो सदस्य गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लेवी की रकम लेने पहुंचे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को तुपुदाना क्षेत्र के बारहमाईल चौक के पास से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, ये दोनों युवक एक कारोबारी से 50 लाख रुपये की लेवी वसूलने आए थे। मामला नगड़ी थाना क्षेत्र के साहेर गांव निवासी बजरंग महतो से जुड़ा है। पुलिस के मुताबिक, 22 मई 2026 को बजरंग महतो के मोबाइल पर व्हाट्सएप के जरिए 50 लाख रुपये की लेवी मांगी गई थी। रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई थी। इस मामले में नगड़ी थाना में कांड संख्या 84/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ग्रामीण एसपी की निगरानी में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। इस

टीम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) द्वितीय अजय आर्यन कर रहे थे। जांच के दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि लेवी की रकम लेने के लिए कुछ लोग तुपुदाना के सफायर स्कूल, बारहमाईल चौक के पास आने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया और संदिग्धों का इंतजार करने लगी। कुछ समय बाद एक लाल रंग की अपाची मोटरसाइकिल पर दो युवक वहां पहुंचे। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों को चारों तरफ से घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ में उनकी पहचान अरुण लोहरा (19 वर्ष) और सूरज लोहरा (18 वर्ष) के रूप में हुई। दोनों खूंटी जिले के बेलवादाग गांव के रहने वाले हैं। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पीएलएफआई के लिए लेवी की रकम लेने आए थे। तलाशी के दौरान अरुण लोहरा के पास से पीएलएफआई का दो पर्चा भी बरामद हुआ, जिस पर संगठन के नाम के साथ राजेश यादव का उल्लेख था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक अपाची मोटरसाइकिल, एक मोटरोला एंड्रॉयड मोबाइल फोन और पीएलएफआई के दो पर्चे जब्त किए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। रांची पुलिस का कहना है कि इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का दावा है कि उग्रवादी संगठनों और रंगदारी वसूलने वाले गिरोहों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। छापेमारी दल में नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक राय, पुअनि यशराज सिंह, भवेश कुमार खानी, बलेन्द्र कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह, हवलदार दिलीप ठाकुर, हवलदार निर्मल उरांव, आरक्षी विमल कुमार हेम्ब्रम एवं आरक्षी ललन सिंह आदि शामिल थे।

देवर ने ले ली भाभी की जान

गढ़वा(नबिटा ब्यूरो)। हरिहरपुर ओपी क्षेत्र के मझिगांव गांव अंतर्गत अकड़हवा टोले (मुसहरवा डेरा) में शुक्रवार की सुबह पारिवारिक विवाद में एक सनसनीखेज हत्याकांड को अंजाम दिया गया। यहां मामूली बात पर उपजे विवाद में एक देवर ने अपनी सगी भाभी की नुकीले हथियार से हमला कर बेरहमी से हत्या कर दी। इस खूनी संघर्ष में अपनी मां को बचाने आया 16 वर्षीय बेटा भी गंभीर रूप से घायल हो गया है। मृतका की पहचान मिर्ज़ा मुसहर की पत्नी उर्मिला मुसहर (45 वर्ष) के रूप में हुई है, जबकि उसका घायल पुत्र अर्जुन मुसहर (16 वर्ष) है। घटना की सूचना मिलने के बाद हरिहरपुर ओपी प्रभारी नसीम अंसारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फरार मुख्य आरोपी देवर उदय मुसहर को कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया है।

भंडरिया और बड़गड़ में लागू होगी पेसा नियमावली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढवा। पेसा नियमावली के प्रभावी क्रियान्वयन और जन जागरूकता को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में एक दिवसीय जिला स्तरीय राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर किया। यह महत्वपूर्ण नियमावली गढ़वा जिले के अनुसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दो प्रमुख प्रखंडों भंडरिया एवं बड़गड़ में लागू की जाएगी। सम्मेलन में मुख्य रूप से पेसा नियमावली के प्रावधानों, स्थानीय संसाधनों पर सामुदायिक अधिकार, पारंपरिक व्यवस्थाओं के संरक्षण और जनभागीदारी आधारित विकास में ग्राम सभाओं की केंद्रीय भूमिका पर विस्तृत मंथन किया गया। उपायुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा ने कहा कि पेसा नियमावली अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी और स्थानीय समुदायों के अधिकारों को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। निर्णय प्रक्रिया के केंद्र में अब ग्राम सभा होगी। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इस नियमावली को गंभीरता से समझें और दोनों प्रखंडों में इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आपसी समन्वय से काम करें। डीसी ने कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों की परंपराओं, संस्कृति, रीति-रिवाजों और प्राकृतिक संसाधनों पर उनके अधिकारों को सुदृढ़ करने का माध्यम है। उप विकास आयुक्त प्रेमलता मुर्मू ने कहा कि पेसा नियमावली ग्राम स्वशासन की अवधारणा को मजबूत करने वाली व्यवस्था है। विकास योजनाओं की सफलता तभी संभव है, जब स्थानीय समुदायों की सीधी सहभागिता हो। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे ग्राम सभाओं को अधिक सक्रिय बनाने के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करें। वहीं, अपर समाहर्ता विकास कुमार राय ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सामाजिक न्याय के लिए व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि गांव-गांव तक इसके प्रावधानों की जानकारी पहुंच सके। इस मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी (सामाजिक वानिकी), भंडरिया व बड़गड़ के बीडीओ और अंचल अधिकारी, भवन प्रमंडल व लघु सिंचाई के कार्यपालक अभियंता, जिला खनन पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक सहित कई विभागों के आला अधिकारी उपस्थित थे।

सम्पदा न्यायालय

बोकारो इस्पात संयंत्र

बोकारो

आम सूचना

सम्पदा न्यायालय, बोकारो इस्पात संयंत्र, बोकारो द्वारा पारित आदेशों के आलोक में सन्दर्भित बेदखली आदेशों(**Eviction Orders**) के तहत अनधिकृत प्लाट/ भूमि एवं आवासों को शीघ्र खाली कर सम्पदा बकाया का भुगतान भी कर दें, अन्यथा उन्हें बेदखली प्रक्रिया के तहत हटा दिया जायेगा और किसी भी क्षति के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। अनधिकृत प्लाट/ भूमि एवं आवासों को खाली कराने का कार्य दिनांक 09.06.2026 से प्रारम्भ होगा।

आदेशानुसार
सम्पदा पदाधिकारी
बोकारो स्टील सिटी

दिनांक : 04.06.2026

भारतीय हॉकी की ताकत बन रहा रांची रेल मंडल, राष्ट्रीय टीम में शामिल हैं कई खिलाड़ी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। खिलाड़ियों को रोजगार उपलब्ध कराने और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में भारतीय रेल की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे का रांची रेल मंडल आज झारखंड में खिलाड़ियों के लिए सबसे बड़े मंच के रूप में उभरकर सामने आया है। खेल कोटा के माध्यम से खिलाड़ियों को नौकरी देने के साथ-साथ उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध कराकर रांची रेल मंडल भारतीय खेल जगत, विशेषकर हॉकी में अपनी अलग पहचान बना चुका है। वर्तमान समय में भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम में शामिल कई खिलाड़ी रांची रेल मंडल से जुड़े हुए हैं, जो इस संस्थान की सबसे बड़ी

उपलब्धि मानी जा रही है। रांची रेल मंडल की पहचान आज भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे से भी जुड़ी हुई है। झारखंड के सिमडेगा से निकलकर अंतरराष्ट्रीय हॉकी में अपनी अलग पहचान बनाने वाली सलीमा वर्तमान में भारतीय महिला टीम का नेतृत्व कर रही हैं और रांची रेल मंडल में कार्यरत हैं। उनके साथ ओलंपियन निक्की प्रधान भी लंबे समय से भारतीय टीम की महत्वपूर्ण खिलाड़ी रही हैं। निक्की ने टोक्यो ओलंपिक सहित कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और आज भी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं। महिला हॉकी में रांची रेल मंडल का योगदान केवल इन दो नामों तक सीमित नहीं है। संगीता कुमारी, दीपिका सोरेंग, बेला रानी टोपनो, ब्यूटी डुंगडुंग और निराली टोपनो जैसी कई खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। इनमें से कई खिलाड़ी भारतीय टीम के कैंप और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का हिस्सा रही हैं। लगातार राष्ट्रीय टीम में खिलाड़ियों की मौजूदगी यह साबित करती है कि रांची रेल मंडल झारखंड की प्रतिभाओं को अवसर देने के साथ-साथ उन्हें शीर्ष स्तर तक पहुंचाने में भी सफल रहा है। पुरुष हॉकी में भी रांची रेल मंडल की उपस्थिति लगातार मजबूत होती जा रही है। युवा खिलाड़ी अमनदीप लकड़ा भारतीय हॉकी के उभरते सितारों में शामिल हैं। उन्हें देश के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है। पेनाल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ के रूप में उनकी पहचान तेजी से बनी है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके प्रदर्शन की चर्चा हो रही है।

Reg No. JHENG/25/A4874
Another Launching from
NAVBIHAR TIMES GROUP
THE EASTERN VOICE
'English Daily Newspaper
Regional Newspaper in whole Bihar & Jharkhand
Email Id-theeasternv@gmail.com
Bihar Office:-Satyendra Nagar,Aurangabad (BiharJharkhand)
Office:-31-Co-operative Colony,Bokaro Steel City, Bokaro (Jharkhand)
Contact:- 6206165107, 7295863300

संक्षिप्त समाचार

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा नेताओं ने किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा गिरिडीह नगर मंडल अध्यक्ष जयशंकर सिन्हा के नेतृत्व में गिरिडीह के पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी की उपस्थिति में उनके आवास पर "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण किया

गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प भी लिया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और निभाने का अवसर है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति और भाजपा कार्यकर्ता को संकल्प लेना चाहिए कि वह "एक पेड़ मां के नाम" अवश्य लगाए और पर्यावरण बचाने के अभियान से जुड़े वहीं भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष जयशंकर सिन्हा ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बूथ स्तर तक "एक पेड़ मां के नाम" अभियान चलाया जाएगा। इसके माध्यम से कार्यकर्ता पौधारोपण करेंगे और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे इस अवसर पर जिला महामंत्री संदीप डांगेच, सुभाष सिन्हा, अनूप सिन्हा, संजय सिंह, संत कुमार लल्लू, राजेश जायसवाल, सुमन सिन्हा, ओम प्रकाश गुप्ता, संजीत सिंह पप्पू, सोनू एजाज, अभय सिन्हा, नीलू सिन्हा, अमित आर्या, आदित्य यादव, मुन्ना सिंह, बम पांडे, बागीश सिंह, दिलीप राम, वीरेंद्र वर्मा, पंचम वर्मा (पिंटू साव) सहित कई भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रास्ता द्वारा पौधारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम

गोड्डा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बोआरीजोर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रास्ता (रेगुलेटरी एसोसिएशन फोर सोशल टेरिटरियल असिस्टेंट - रास्ता) द्वारा बोआरीजोर प्रखंड के देवीपुर, डुमरहिर एवं राजाभीठा पंचायत भवनों के साथ-साथ संस्था के परियोजना कार्यालय में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

किया गया। कार्यक्रम के दौरान किशोरी समूह की लड़कियों ने विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता तथा प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।किशोरी समूह के नेतृत्व में उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण दिवस की शपथ लेते हुए अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने, जल स्रोतों का संरक्षण करने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा अपने गांव और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ एवं हरित बनाने का संकल्प लिया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का भी प्रण लिया गया कार्यक्रम में राजाभीठा पंचायत के मुखिया सुखलाल सोरेन, देवीपुर पंचायत की मुखिया राजिना सोरेन, डुमरहिर पंचायत की मुखिया शांति सोरेन, पंचायत सचिव, सहीया, सेविका, सरकारी कर्मियों, किशोरियों, महिलाओं एवं समुदाय के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया कार्यक्रम को सफल बनाने में रास्ता के सचिव अजय कुमार, प्रोग्राम मैनेजर जुली कुमारी, फील्ड कोऑर्डिनेटर उषा कुमारी, मेरी किस्कू, सुनीता देवी, प्रमिला कुमारी एवं भरत कुमार सहित संस्था की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाया कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपने-अपने गांवों में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने, जल एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास करने का संकल्प दोहराया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर समाहरणालय परिसर में पौधारोपण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को समाहरणालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त रामनिवास यादव के नेतृत्व में जिले के वरीय अधिकारियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया तथा हरित और स्वच्छ वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया।एल कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार, उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, अपर समाहर्ता वैभव कुमार सिंह सहित कई जिला स्तरीय अधिकारियों ने पौधारोपण किया।

अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनके संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया इस अवसर पर उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सतत जिम्मेदारी है। वृक्ष जीवन, जल और पर्यावरण संतुलन के आधार हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारी सबसे अनमोल धरोहर है और स्वच्छ हवा, शुद्ध जल तथा हरियाली से भरा वातावरण आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अधिकाधिक पौधारोपण करने तथा लगाए गए पौधों की देखभाल करने का आह्वान किया पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकताओं में से एक है। वृक्ष हमें शुद्ध वायु प्रदान करने के साथ साथ जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवाओं एवं समाज के सभी वर्गों से पर्यावरण संरक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने कहा कि एक पौधा लगाना भविष्य की पीढ़ियों के लिए अमूल्य उपहार है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है कार्यक्रम के अंत में सभी अधिकारियों एवं कर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प लिया। अधिकारियों ने आमजनों से भी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पौधा लगाने और उसके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बिरहोर समुदाय ने पेड़ों को बांधे रक्षा सूत्र, लिया संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरिया प्रखंड के पिपराडीह बिरहोर टांडा में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह पीवीटी जी के विलुप्तप्राय बिरहोर समुदाय ने पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश दिया। बनवासी विकास आश्रम, गिरिडीह के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में बिरहोर समुदाय के महिला, पुरुष एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पेड़ों और प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लिया कार्यक्रम के दौरान समुदाय के लोगों ने अपने द्वारा लगाए गए पेड़ों एवं पौधों में रक्षा सूत्र (राखी) बांधकर उनकी सुरक्षा और संवर्धन का संकल्प लिया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन तथा वनों के महत्व को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

बिरहोर समुदाय का जीवन सदियों से जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़ा रहा है। यही कारण है कि वे प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण को अपनी संस्कृति एवं जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा मानते हैं। पेड़ों में रक्षा सूत्र बांधने की इस अनूठी पहल के माध्यम से समुदाय ने यह संदेश दिया कि वृक्ष केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन के आधार हैं और उनकी रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है इस अवसर पर बनवासी विकास आश्रम के सचिव सुरेश कुमार शक्ति ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि सतत प्रयास का विषय है। बिरहोर

समुदाय की यह पहल समाज के अन्य वर्गों के लिए भी प्रेरणास्रोत है तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का महत्वपूर्ण संदेश देती है कार्यक्रम का समापन अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ मौके पर मुकेश बिरहोर, रंजीत बिरहोर, संतोष बिरहोर, प्रकाश बिरहोर, जगनी देवी, सावणी देवी, अनीता कुमारी, बसंती देवी, बनवासी विकास आश्रम के समुदाय कार्यकर्ता कृष्णा हेब्रम, उदय कुमार सोनी सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

सीएचसी जमुआ में दवाओं का पर्याप्त भंडार, सुविधा देने की तैयारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जमुआ में आवश्यक जीवनरक्षक एवं नियमित उपयोग की दवाओं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध कराया गया है, ताकि मरीजों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार सीएचसी जमुआ में एल्बेंडाजोल, आयरन फोलिक एसिड सिरप, एम्पीसिलिन कैप्सूल, रैबेप्राजोल डोम्पेरिडोन कैप्सूल, एंटी रेबीज वैक्सीन, पैरासिटामोल टैबलेट एवं

इंजेक्शन, ओआरएस, कैल्शियम विटामिन-डी3 टैबलेट सहित विभिन्न आवश्यक दवाओं का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। इसके अलावा आयरन एवं फोलिक एसिड की लगभग 7.50 लाख गोलियां, 6,600 कैल्शियम टैबलेट, 5,000 से अधिक ओआरएस पैकेट तथा अन्य जरूरी चिकित्सा सामग्री भी उपलब्ध है।स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दवाओं की उपलब्धता पर नियमित निगरानी रखी जा रही है तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त आपूर्ति भी सुनिश्चित की जा रही है। जिला प्रशासन का लक्ष्य जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है उपायुक्त रामनिवास यादव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकीय सुविधाओं तथा मरीजों को मिलने वाली सेवाओं की नियमित समीक्षा की जाए, ताकि आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके।

भाजपा संगठनात्मक बैठक में बूथ सशक्तिकरण पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। भारतीय जनता पार्टी बरही पश्चिमी मंडल की संगठनात्मक बैठक शुक्रवार को भाजपा कार्यालय, बरही में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक ने की। इस दौरान संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की तैयारी तथा बूथ स्तर तक पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक ने कार्यकताओं से संगठन को और मजबूत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर व्यवहार न्यायालय परिसर में पौधारोपण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह की ओर से व्यवहार न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डीएलएसए मार्तंड प्रताप मिश्रा, अपर न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय अमित कुमार, जिला अधिवक्ता संघ के सचिव चुनुकांत सहित न्यायिक पदाधिकारियों ने पौधारोपण किया इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मार्तंड प्रताप मिश्रा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने अधिक से अधिक पेड़ लगाने, वनों की कटाई रोकने तथा प्रदूषण नियंत्रण के लिए जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि

बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के कारण मानव जीवन पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है, इसलिए अभी से सतर्क होकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करना आवश्यक है। डीएलएसए के सचिव सफदर अली नैयर ने पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण अत्यंत जरूरी है।

ओबीसी कॉलम जोड़ने की मांग को लेकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा का धरना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जाति आधारित जनगणना एवं जनगणना प्रपत्र में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) का अलग कॉलम जोड़ने की मांग को लेकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने शुक्रवार को गिरिडीह में धरना-प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम मोर्चा के राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आंदोलन के दूसरे चरण के तहत आयोजित किया गया।

आंदोलन के बाद महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन उपायुक्त गिरिडीह को सौंपा गया।धरना-प्रदर्शन को बहुजन मुक्ति पार्टी, भारत मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा, भारतीय विद्यार्थी, युवा एवं बेरोजगार मोर्चा तथा राष्ट्रीय अत्याचार निवारण फोर्स सहित विभिन्न संगठनों का समर्थन प्राप्त हुआ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा

कि केंद्र सरकार द्वारा रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त के माध्यम से 16वीं राष्ट्रीय जनगणना की प्रक्रिया शुरू की गई है, लेकिन इसमें ओबीसी वर्ग के लिए अलग कॉलम का प्रावधान नहीं किया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि हाउस लिस्टिंग का कार्य एचएलओ ऐप के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे जनगणना का कोई स्थायी भौतिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं रहेगा। वक्ताओं ने इसे अविश्वसनीय बताते हुए एससी, एसटी और ओबीसी समाज के साथ अन्याय बताया मोर्चा नेताओं ने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो सभी जातियों की जाति आधारित जनगणना की मांग को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर रैली और प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने राजनीतिक दलों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद पिछड़े वर्गों की वास्तविक गणना नहीं कराई गई।धरना-प्रदर्शन के दौरान विनोद कुमार स्वर्णकार को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, गिरिडीह का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं नेतृत्व जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार पटवा ने किया इस अवसर पर प्रवीण कुमार, भीखी राम पासवान, संतोष प्रसाद यादव, अरविंद नागवंशी, गुलाम शाकिर, रामदेव रविदास, कुंजलाल साव, जयनारायण दास, मो. असलम, रिंकी कुमारी, पोखन दास, नागेश्वर रजक, विनोद कुमार स्वर्णकार, प्रकाश दास, बिदेशी राम, सुभाष पासवान, रामचंद्र दास, रामदेव पासवान, बिनोद राम, बजरंगी दास, विकास कुमार दास, महेश पासवान, रघुदेव पासवान, राजेश दास, मिसरी लाल पासवान, राहुल कुमार एवं सूरज दास सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जनता दरबार में 100 से अधिक मामलों की सुनवाई, कई समस्याओं का समाधान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में उपायुक्त रामनिवास यादव ने 100 से अधिक फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कई मामलों का ऑन द स्पॉट समाधान किया गया, जबकि अन्य मामलों के निष्पादन के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए जनता दरबार में गांडेय प्रखंड की जामजोरी पंचायत निवासी रेशमी कुमारी ने अपने पति रंजीत कुमार मंडल का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं मिलने की समस्या रखी। उपायुक्त के हस्तक्षेप के बाद संबंधित

अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया। प्रमाण पत्र मिलने पर रेशमी कुमारी ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।धनवार प्रखंड के डोरंडा निवासी कृष्ण यादव ने पक्का आवास नहीं होने की समस्या उठाई।

उपायुक्त ने मामले की जांच कर पात्रता के अनुसार अंबेडकर आवास योजना का लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया।तिसरी अंचल की ममता कुमारी ने अपने पति की वज्रपात से हुई मृत्यु के बाद आर्थिक सहायता की मांग की। उपायुक्त ने अंचलाधिकारी को जांच कर आपदा प्रबंधन विभाग के तहत चार लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का निर्देश दिया जनता दरबार में धनवार की एक बच्ची के आधार कार्ड निर्माण में आ रही तकनीकी बाधाओं का मामला भी सामने आया।

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सभी त्रुटियों का निराकरण कर शीघ्र आधार कार्ड जारी कराने के निर्देश दिए, ताकि बच्ची को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में कोई परेशानी न हो वहीं गिरिडीह प्रखंड की परसाटॉड पंचायत के चंदनडीह गांव के ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी के कारण बाधित बिजली आपूर्ति की शिकायत की। उपायुक्त ने विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता को जांच कर आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा करने तथा क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।जनता दरबार में राशन कार्ड, खाद्यान्न वितरण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, कृषि, भूमि विवाद, म्यूटेशन, लगान रसीद, वन पट्टा, जमाबंदी, आवास, पेयजल, बिजली सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े मामलों पर भी सुनवाई हुई। उपायुक्त ने सभी मामलों के समयबद्ध निष्पादन और पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए इस अवसर पर उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि जिला प्रशासन आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जनता दरबार लोगों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का प्रभावी मंच प्रदान कर रहा है और जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 को लेकर राजनीतिक दलों के साथ बैठक, एसडीओ ने मांगा सहयोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर-2026 के सफल संचालन को लेकर 28-धनवार विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी खोरीमहुआ समीर रेनियर खलखो की अध्यक्षता में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए राजनीतिक दलों से सक्रिय सहयोग की अपील की गई बैठक में वर्तमान निर्वाचक नामावली की वर्ष 2003 की अंतिम गहन पुनरीक्षण सूची से मैपिंग, घर-घर सत्यापन अभियान, गणना प्रपत्रों के वितरण एवं संग्रहण, मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन, एएसडीडीडी मतदाताओं की पहचान, बीएलए-2 की नियुक्ति तथा दावा-आपत्ति प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।एसडीओ ने बताया कि धनवार विधानसभा क्षेत्र में पूर्व के 424 मतदान केन्द्रों के अतिरिक्त 48 नए मतदान केन्द्र बनाए गए हैं, जबकि एक मतदान केन्द्र का विलय किया गया है। इसके बाद क्षेत्र में कुल मतदान केन्द्रों की संख्या 471 हो गई है। उन्होंने राजनीतिक दलों से शेष मतदान केन्द्रों के लिए बीएलए-2 की नियुक्ति शीघ्र करने तथा मतदाता सत्यापन एवं मैपिंग कार्य में सहयोग देने का आग्रह किया बैठक के दौरान एएसडीडीडी एवं लॉजिकल एरर से जुड़े मामलों के सत्यापन, आवश्यक दस्तावेजों की उपलब्धता तथा गणना प्रपत्रों के वितरण एवं जमा कराने को लेकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि लॉजिकल एरर से संबंधित मामलों में नोटिस जारी कर संबंधित पक्षों को सुनवाई का अवसर दिया जाएगा और आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्रवाई की जाएगी। अंत में अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित क्रियान्वयन के लिए निरंतर सहयोग और समन्वय बनाए रखने की अपील की।

एसआईआर शुरू होने से पहले मैपिंग तथा बीएलए नियुक्ति संबंधी विषयों पर विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ उपायुक्त ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । एसआईआर शुरू होने से पहले वोटर लिस्ट से मैपिंग तथा बीएलए नियुक्ति संबंधी विषयों पर विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 की घोषणा कर दी गई है, जिसके तहत पुनरीक्षण कार्यक्रम में लगाये जाने वाले पदाधिकारियों/कर्मियों को 20 जून 2026 से 29 जून 2026 तक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक सभी

इछ्ड के द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रहण किया जायेगा। मतदाता सूची का ड्राफ्ट पब्लिकेशन 05 अगस्त निर्धारित है क मतदान केंद्र स्तर पर दावे एवं आपत्ति दर्ज करने हेतु 05 अगस्त से 04 सितम्बर 2026 तक तिथि निर्धारित की गई है क 05 अगस्त से 03 अक्टूबर 2026 तक नोटिस एवं दावे आपत्तियों का निस्तारण किया जायेगा क मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 07 अक्टूबर 2026 को

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम सम्बंधित महत्वपूर्ण तिथियां

1) तैयारी, प्रशिक्षण एवं प्रिंटिंग कार्य : 20 जून 2026 से 29 जून 2026
2) घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरण एवं संग्रहण : 30 जून 2026 से 29 जुलाई 2026
3) मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन : 29 जुलाई 2026 तक
4) ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन : 05 अगस्त 2026
5) दावे एवं आपत्तियां दर्ज करने की अवधि : 05 अगस्त 2026 से 04 सितम्बर 2026
6) नोटिस एवं दावे / आपत्तियों का निस्तारण : 05 अगस्त 2026 से 03 अक्टूबर 2026
7) अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन : 07 अक्टूबर 2026

किया जायेगा। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तैयारी के क्रम में हजारीबाग जिले के सभी चार विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में 75 प्रतिशत मतदाताओं का पिछले रक्क्र की मतदाता सूची से मैपिंग किया गया है। 05 प्रतिशत मतदाता अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं डुप्लीकेट श्रेणी के है क 20 प्रतिशत मतदाताओं का पिछले रक्क्र की मतदाता सूची से मैपिंग किया जाना शेष है क शेष बचे मतदाताओं का टंस्त्रस्त्रल्लॅ कराने के निमित्त विभाग से प्राप्त वल्लेंस्त्रस्त्रीं मतदाताओं की सूची 02 प्रति में सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियो को उपलब्ध करा दिया गया है। विभागीय निदेशानुसार 23 मई 2026 को सभी मतदान केंद्र पर मतदाता सूची की एक प्रति प्रकाशित की गई है तथा एक प्रति इछ्ड के पास कार्यकारी प्रति के रूप में अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं डुप्लीकेट मतदाताओं को चिन्हित करने हेतु रखा गया है क सभी आम नागरिकों से अपील किया गया है कि वे अपने मतदान केंद्र के इछ्ड से संपर्क स्थापित करते हुए अपना एवं अपने परिवार के सदस्यों का नाम जाँच लें, यदि अभी तक टंस्त्रस्त्रल्लॅ नहीं हुआ हो तो अविलम्ब अपना एवं अपने परिवार के सदस्यों का पिछले रक्क्र की मतदाता सूची से टंस्त्रस्त्रल्लॅ कराना सुनिश्चित करेंगे क सभी राजनितिक दलों के प्रतिनिधियों से इस आशय की सूचना अपने बूथ स्तर के कार्यकताओं को उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया।

बूथ लेवल एजेन्ट की नियुक्ति की समीक्षा

बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने बताया कि बूथ लेवल एजेन्ट की नियुक्ति अनिवार्य है। हजारीबाग जिला में राजनीतिक दलों के द्वारा अबतक नियुक्त किये गये की संख्या निम्नवत है। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा सभी मतदान केन्द्रों के लिए इङ्ङ्ङ्ङ्ङ् छ्यी’ औल्ल३ (इछ्अ) की नियुक्ति कर दी गई है तथा कांग्रेस पार्टी के द्वारा लगभग 50 प्रतिशत मतदान केन्द्रों में की नियुक्ति किया जाना शेष है। शेष सभी राजनीतिक दलों के द्वारा अबतक नियुक्त किये गये। सूची कार्यालय को उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने शेष सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि नियुक्ति कार्य में तेजी लायें तथा नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करते हुए सूची जिला निर्वाचन कार्यालय को अनिवार्य रूप से 15 जून 2026 तक उपलब्ध कराएं ताकि उन्हें प्रशिक्षित किया जा सके। विभाग द्वारा सभी को प्रखण्ड स्तर पर 24 जून एवं 25 जून 2026 को प्रशिक्षण दिये जाने हेतु तिथि निर्धारित की गई है।

संक्षिप्त समाचार

मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला की ट्रक से कुचलकर मौत

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मरांची थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 52 वर्षीय महिला की मौत हो गई। बादपुर गांव के पास एनएच-80 पर सुबह करीब 5:30 बजे लखीसराय से मोकामा की ओर आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने मॉर्निंग वॉक कर रही महिला को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।मृतका की पहचान मरांची इंग्लिश गांव निवासी बच्ची देवी, पति सुरेश साव के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बच्ची देवी रोज की तरह सुबह टहलने निकली थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर उन्हें कुचलते हुए एनएच किनारे गड्ढे में लुढ़क गया। ग्रामीणों का कहना है कि चालक को झपकी आने की वजह से वाहन बेकाबू हुआ था। हादसे के तुरंत बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए। सूचना मिलते ही मरांची थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मरांची थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसा सुबह करीब 5:30 बजे का है। चालक फरार है, पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रक को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कछुआ गति से चल रहा है रेलवे सौंदर्यीकरण का काम

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रेलवे स्टेशन के सौंदर्य करण एवं स्टेशन परिसर को अंत्य आधुनिक बनाने के लिए अमृत भारत महोत्सव योजना के तहत करीब 3 साल से विकास कार्य कछुआ गति से चल रहा है। वर्ष 2025 के दिसंबर महीने से स्वचालित सीढ़ी का निर्माण कार्य शुरू किया गया था लेकिन 6 महीना से भी ज्यादा का वक्त गुजर जाने के बाद अभी तक थोड़ा ही काम हुआ है। सिर्फ प्लेटफार्म संख्या चार के पास पिलर बनाकर छोड़ दिया गया है। दैनिक यात्रियों का कहना है कि लखीसराय रेलवे स्टेशन का काम बाढ़ से बाद में शुरू हुआ था लेकिन करीब 6 महीना पहले ही पूरा हो चुका है लेकिन बाढ़ में अभी तक कार्य प्रगति पर ही है। इससे लोगों में असंतोष बढ़ता है दानापुर मंडल रेल के अधिकारी समय-समय पर जब निरीक्षण करने आते हैं तो काम में गति लाया जाता है और फिर संवेदक सुस्त पड़ जाते है।

सियार ने आधा दर्जन लोगों को काटा

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के नदमा गांव में इन दिनों सियार का आतंक से लोग परेशान हैं। सोमवार के दिन गांव के ही 52 वर्षीय सुबोध सिंह, 40 वर्षीय राजनीतिक कुमार, 45 वर्षीय तनिक प्रसाद सिंह और 14 वर्षीय राजनंदनी कुमारी सहित आधा दर्जन लोगों को सियार ने काट कर जख्मी कर दिया। सभी को इलाज के लिए बाढ़ के अनुमंडल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां रेबीज का इंजेक्शन देकर लोगों को छुट्टी दे दी गई। ग्रामीणों ने बताया कि घर के पास खेल रहे बच्चों को भी सियार इन दोनों शिकार बन रहा है।

करंट लगने से 7 वर्षीय बच्चे की मौत

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अनुमंडल के सक्सोहरा थाना क्षेत्र के गोपाईचक गांव में 7 वर्षीय सूरज कुमार करंट की चपेट में आ गया जिससे वह बेहोश हो गया। परिजन द्वारा इलाज के लिए अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार सूरज कुमार को करंट कैसे लगा इसका पता परिजन को भी नहीं है। सभी लोग खेत में काम करने के लिए गए हुए थे। जब वह वापस लौटे तो देखा कि सूरज कुमार दरवाजे के बाहर बेहोश पड़ा है। इस घटना से घर में कोहराम मच गया है परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

नवविवाहिता की फांसी लगा कर हत्या का आरोप

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सक्सोहरा थाना क्षेत्र के अदौली गांव की रहने वाली गीता कुमारी की बेलछी थाना क्षेत्र के बटेरिया बीघा गांव में शादी हुई थी नव विवाहिता गीता देवी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई । मृतक गीता देवी के गले में फंदे का निशान पाया गया गीता के परिजनों ने बताया कि 06 महीना पहले गीता की शादी बेलछी थाना क्षेत्र के बटेरिया बीघा गांव में हुई थी और ससुराल वाले शुरू से ही दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे । यहां तक की मायके वालों से मोबाइल पर बात करने तक की अनुमति नहीं थी। लड़की का मोबाइल भी छीन कर रख लिया गया था। जबकि शादी के समय दहेज में सुख सुविधा के सारे सामान दिए गए थे । बुधवार के दिन मायके वालों को यह सूचना दी गई थी आपकी बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मायके वाले ससुराल वालों पर पुलिस से करी से करी कार्रवाई करने की बात कह रहे हैं। पुलिस ने लाश को जप्त करते हुए पोस्टमार्टम के लिए बाढ़ के अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है जांच चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

ठनका से भैंस की मौत, किसान को 65 हजार का नुकसान

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उमस भरी गर्मी के बाद शुक्रवार को हुई मूसलाधार बारिश से मौसम तो सुहावना हो गया, लेकिन इस दौरान वज्रपात ने एक किसान की जीविका छीन ली। मसौढ़ी थाना क्षेत्र के चपौर पंचायत स्थित चाननपुर गांव में खेत में चर रही भैंस पर ठनका गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ित किसान सिनोद चौधरी, पिता बिंदा चौधरी ने बताया कि बारिश के दौरान उनकी भैंस खेत में चर रही थी। तभी जोरदार आवाज के साथ ठनका भैंस पर गिरा। घटना में भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। सिनोद चौधरी ने बताया कि भैंस सुबह-शाम मिलाकर 10 किलो दूध देती थी। दूध बेचना ही उनके परिवार की जीविका का मुख्य साधन था। भैंस की मौत से उन्हें करीब 65 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। घटना के बाद पीड़ित ने मसौढ़ी स्थित पशुपालन पदाधिकारी और अंचलाधिकारी को सूचना दी है। किसान ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। गौरतलब है कि शुक्रवार को हुई बारिश के दौरान इलाके के कई जगहों पर वज्रपात की घटनाएं सामने आई हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में हल्की बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कुक्कू फाउंडेशन ने किया पौधारोपण

खुसरूपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रसिद्ध सामाजिक संस्था कुक्कू फाउंडेशन के तत्वावधान में नगर की नव निर्मित सब्जी मंडी के बाहरी मुख्य द्वार एवं चहारदीवारी के समीप वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों ने 'जल-जीवन-हरियाली' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेते हुए पौधारोपण किया। संस्था के सदस्यों ने अपने हाथों से विभिन्न प्रकार के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर वृहद स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, लेकिन इस वर्ष संस्था के सहयोगी संरक्षक पिंकू कुमार कोरांच के पिता स्वर्गीय उमेश प्रसाद साव के निधन के कारण कार्यक्रम को सादगीपूर्ण रूप में आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वर्गीय उमेश प्रसाद साव की स्मृति में विशेष रूप से पौधारोपण किया गया तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में संस्था के मुख्य संरक्षक एवं नगर अध्यक्ष मिंटू कुमार, संस्थापक दिलीप कुमार, अध्यक्ष अजय कुमार, सचिव मनोहर कुमार, कोषाध्यक्ष शैलेश कुमार, प्रबंधक एवं वार्ड-7 के पार्षद हिमांशु राज उर्फ बिट्टू, संरक्षक कौशल कुमार सिंह, राजीव कुमार टूटू, राजवीर कुमार, मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार, पूनम गुप्ता, सोनी जायसवाल, प्रीति कुमारी, संतोष कुमार, शिक्षक अजय कुमार, राधे विश्वकर्मा, गौतम कुमार, गंगा शरण गोस्वामी, रणजीत राणा, रंजीत कुमार, दीपू कुमार, संजय गोस्वामी सहित दर्जनों सामाजिक कार्यकर्ता एवं सहयोगी उपस्थित रहे।

देसी -विदेशी शराब बरामद, एक गिरफ्तार

फतुहा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। देर रात नदी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सम्सपुर के पासवान गली में छापेमारी करते हुए भारी मात्रा में देसी -विदेशी एवं के न बियर शराब बरामद किया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष सदाम हुसैन ने बताया कि समयपुर पासवान गली में छापेमारी के दरम्यान पुलिस ने 500 एमएल की 37 केन बियर, 180 एमएल की 36 पीस फ्रूटी और 500 ग्राम की महुआ शराब की 14 बोतल बरामद किया है। वहीं पुलिस ने इस मामले में सम्सपुर निवासी रामस्वरूप पासवान के पुत्र छोटू पासवान को गिरफ्तार किया है। नदी थाना पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। फिलहाल पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

100 सफल किडनी ट्रांसप्लांटः पारस हेल्थ ने रचा नया इतिहास

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पारस हेल्थ, पटना ने किडनी प्रत्यारोपण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 100 सफल किडनी ट्रांसप्लांट पूरे कर लिए हैं। यह उपलब्धि हासिल करने वाला बिहार का पहला कॉर्पोरेट हॉस्पिटल है। यह बिहार और पूर्वी भारत में उन्नत किडनी देखभाल सेवाओं के प्रति अस्पताल की प्रतिबद्धता, विशेषज्ञता और मरीज-केंद्रित उपचार का प्रतीक है। इस अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए निदेशक और विभागाध्यक्ष नेफ्रोसाइंसेज डॉ. शशि कुमार ने कहा कि 100 सफल किडनी ट्रांसप्लांट का यह सफर हमारे लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों का विषय है। अनुभवी चिकित्सकों, प्रशिक्षित ट्रांसप्लांट टीम, अत्याधुनिक तकनीक और मरीजों के विश्वास के बल पर हम इस मुकाम तक पहुंचे हैं। हमारा उद्देश्य बिहार और आसपास के राज्यों के मरीजों को विश्वस्तरीय किडनी उपचार उनके अपने क्षेत्र में उपलब्ध कराना है। पारस हेल्थ, पटना के जोनल डायरेक्टर श्री अनिल कुमार ने कहा कि 100 सफल किडनी ट्रांसप्लांट करने वाला बिहार का पहला कॉर्पोरेट हॉस्पिटल है। पारस हेल्थ की क्लीनिकल उत्कृष्टता समर्पित टीमवर्क और मरीजों के भरोसे का परिणाम है। यह उपलब्धि उन सैकड़ों परिवारों की उम्मीदों और खुशियों का प्रतीक है जिन्हें नया जीवन मिला है। पारस हेल्थ अस्पताल की नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, क्रिटिकल केयर, एनेस्थीसिया और ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेशन टीम के संयुक्त प्रयासों ने इस उपलब्धि को संभव बनाया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में कल होटल ताज सिटी सेंटर, पटना में एक विशेष समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें चिकित्सक, ट्रांसप्लांट प्राप्तकर्ता, डोनर परिवार, स्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं गणमान्य अतिथि शामिल होंगे।

एसएमडी कॉलेज पुनपुन में विश्व पर्यावरण दिवस पर एनसीसी का विशेष कार्यक्रम

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। 29 बिहार बटालियन एनसीसी, एसएमडी कॉलेज पुनपुन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल अमित कुमार, कमांडिंग ऑफिसर 29 बिहार बटालियन एनसीसी पटना के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में कैडेट्स के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। कैडेट्स ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए बताया कि मानव की लापरवाही और प्रकृति का अत्यधिक दोहन पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। एनसीसी पदाधिकारी लेफ्टिनेंट मुकेश कुमार ने कहा कि प्रकृति और जीवन एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर दिया।

दनियावां में बीडीसी की बैठक रही हंगामेदार

जनप्रतिनिधियों ने दनियावां प्रखंड में किसानों की जमीन में टाऊनशिप नहीं बनाने का मुद्दा उठाया

दनियावां/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। दनियावां प्रखंड सभागार भवन में गुरुवार को बीडीसी की बैठक प्रखंड प्रमुख विनोद कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से दनियावां प्रखंड के बांकीपुर मछरियावां, खरभैया और सिग्रियांवा और दनियावां पंचायतों के किसानों के जमीन पर सरकार द्वारा पाटलिपुत्र सेटेलाइट टाऊन बनाने की घोषणा की गई है उसका विरोध करते हुए सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पास कर संबंधित विभाग और सरकार के मंत्री के पास भेजने का निर्णय लिया गया है।प्रमुख बिनोद कुमार और दनियावां मुखिया नवनीत कुमार ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर सही ढंग से पोषाहार वितरण नहीं होने का आरोप लगाया और इसमें सीडीओ की मिलीभगत का आरोप लगाया।कुल मिलाकर बैठक हंगामेदार रही।बैठक में अनुपस्थित रहने वालों अधिकारियों से स्पष्टीकरण की मांग की गई.मौके पर दनियावां बीडीओ प्रियंका कुमारी ,सीओ गीता कुमारी, सीडीपीओ अर्चना कुमारी,पिओ मीना कुमारी,उप प्रमुख अशोक कुमार,मुखिया मनीष कुमार, श्रीमंती देवी, ज्ञानेंद्र कुमार, रितु देवी समेत कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे।

राम कृष्ण द्वारिका कॉलेज, कंकड़बाग, पटना में 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राम कृष्ण द्वारिका कॉलेज, कंकड़बाग, पटना के राष्ट्रीय सेवा योजना विंग द्वारा 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन कॉलेज के प्राचार्य प्रो दिवाकर प्रसाद के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्रों और आम नागरिकों को जागरूक करना था। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण प्राचार्य प्रो दिवाकर प्रसाद, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ के के राय, स्वयंसेवकों और शिक्षकों ने मिलकर विभिन्न औषधीय और छायादार पौधे लगाए। प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। हमें न केवल पौधे लगाने चाहिए, बल्कि उनके संरक्षण का संकल्प भी लेना चाहिए। एनएसएस के स्वयंसेवक समाज में बदलाव के अग्रदूत हैं और उन्हें पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए 'एक पेड़, एक जीवन' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। ठरर विंग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण कॉलेज परिसर और आसपास के क्षेत्रों में 50 से अधिक पौधों का रोपण, एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा 'प्लास्टिक मुक्त पृथ्वी' और 'पर्यावरण बचाओ' के नारों के साथ एक जागरूकता रैली, छात्रों द्वारा ग्लोबल वार्मिंग और जल संरक्षण के गंभीर मुद्दों पर पेंटिंग एवम सभी प्रतिभागियों का एकल उपयोग प्लास्टिक का त्याग करने और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने की शपथ थी।

युवाओं की रचनात्मकता से गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर टी.पी.एस. कॉलेज, पटना के वनस्पति विज्ञान विभाग एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण एवं परिपत्र अर्थव्यवस्था विषय पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, वृक्षारोपण तथा परिपत्र अर्थव्यवस्था से जुड़े विषयों पर आकर्षक एवं विचारोत्तेजक पोस्टर प्रस्तुत किए। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज वैश्विक चिंता का विषय है और इसके समाधान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व एवं पर्यावरणीय संवेदनशीलता को सुदृढ़ करते हैं। वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष एवं आयोजन सचिव डॉ. विनय भूषण कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और परिपत्र अर्थव्यवस्था की अवधारणा वर्तमान समय की आवश्यकता है। डॉ. विजय कुमार सिन्हा ने प्रकृति और विकास के मध्य संतुलन बनाए रखने पर बल दिया, जबकि डॉ. प्रशांत कुमार ने सतत विकास के लिए जनभागीदारी और जागरूकता को आवश्यक बताया। कार्यक्रम में डॉ. उमेश कुमार एन एस एस, कार्यक्रम पदाधिकारी तथा पर्यावरण विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रवि प्रभाकर की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. प्रशांत कुमार एवं डॉ. उमेश कुमार शामिल थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कृषि विज्ञान केन्द्र, बाढ़, पटना द्वारा बाढ़ प्रखंड के राणा बिगहा गांव विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन के फलस्वरुप वर्ष 2026 में अत्यधिक तापमान का होना मनुष्य, जीव जन्तुओं के लिए कितना नुकसानदायक है विषय पर जानकारी दी गई विश्व पर्यावरण दिवस का विषय भूमि बहाली, मरूअस्थलीकरण और सूखा सहनसहीलता पर ध्यान केंद्रित करना है। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डा. रीता सिंह, वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान ने बतलाया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता में कमी जैसी समस्याओं पर ध्यान आकर्शित किया जाता हैं। विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरणीय चुनौती पर ध्यान केन्द्रित करता है। इस दिवस पर वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, जागरूकता कार्यक्रम आदि के माध्यम से हमें अधिक से अधिक अपने आस-पास के लोगों, गांवों व कस्बों को जागरूक करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण और विकास का संतुलन को बनाए रखने पर जोर देते हैं। हमें यह प्रण लेना होगा कि हर दिन पर्यावरण के प्रति सचेत रहने और उसे बचाने के लिए जिममेदार नागरिक की भूमिका निभानी चाहिए। हम अपने स्तर से छोटे-छोटे कदम उठाकर जैसे कम पानी और बिजली का इस्तेमाल करना, कचरे को कम करना और उसका पुनर्चक्रण करना, बृहद पैमाने पर पौधे लगाना, वाहनों का कम इस्तेमाल करना आदि पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखने में योगदान दे सकते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बिहार पशु विज्ञान विवि में हुआ पौधारोपण

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के अंगीभूत संस्थानों बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय, पटना तथा बिहार स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ डेयरी टेक्नोलॉजी, पटना में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। बिहार स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ डेयरी टेक्नोलॉजी, पटना परिसर में आयोजित वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व संस्थान के अधिष्ठाता डॉ. राकेश कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने तथा भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय, पटना के पशुधन प्रक्षेत्र परिसर में भी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम निदेशक अनुसंधान डॉ. एन. के. सिंह के मार्गदर्शन मे हुआ। इस अवसर पर निदेशक आवसीय निदेश-सह-अधिष्ठाता स्नातकोत्तर शिक्षा डॉ. पंकज कुमार सिंह, निदेशक प्रसार डॉ. निर्मल सिंह दहिया, वित्त नियंत्रक श्री संजय कुमार पाठक, डॉ. रविकांत निराला, डॉ. विपिन कुमार, डॉ. ज्ञान देव सिंह, डॉ. दुष्यंत, डॉ. संजीव, डॉ. मृत्युंजय, डॉ. अंकेश, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सरोज रजक, डॉ. सूचित, डॉ. मनमोहन सहित पशुधन प्रक्षेत्र के सभी वैज्ञानिक, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। डॉ. एन. के. सिंह ने कहा कि ह्लपर्यावरण संरक्षण के लिए केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें संरक्षित कर वृक्ष के रूप में विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। यदि हम लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करें, तभी वृक्षारोपण अभियान अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त कर सकेगा।

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या का आरोपित पति गिरफ्तार

मसौढी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालवालों द्वारा विवाहिता की हत्या कर शव जला देने का सनसनीखेज मामला बिते 18.05.2026 को हुई थी, इस मामले में फरार चल रहे नामजत अभियुक्त पति गंगा बिंद पिता स्व.इंद्रदेव बिंद,तेलियनपर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। केवड़ा ओपी थानाध्यक्ष ने इस घटना के संदर्भ में बताया कि नालंदा जिले के तुगी दीपनगर के निवासी मुन्नी देवी पति स्व नरेश बिंद ने आवेदन देकर बेटी की हत्या का आरोप लगाया था,आवेदक मे बताया कि उनकी बेटी खुशबू देवी की शादी 28 फरवरी 2021 को गंगा बिंद, पिता स्व.इंद्रदेव बिंद, ग्राम तेलियनपर, थाना केवड़ा, निवासी से हुई थी। आरोप है कि शादी के समय से ही ससुरालवाले दहेज की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर खुशबू के साथ गाली-गलौज और मारपीट की जाती थी। पीड़ित मां के अनुसार, 17 मई 2025 को बेटी ने रोते हुए फोन किया था। खुशबू ने कहा था- मां, मेरे पति 39,000 रुपये के लिए बहुत मारपीट कर रहे हैं। मेरे साथ कोई भी अनहोनी हो सकती है। 18 मई 2025 को उन्हें सूचना मिली कि बेटी की तबीयत खराब है। जब वे बेटी के ससुराल पहुंचीं तो देखा कि बेटी का शव जलाया जा चुका था।

किसान मजदूर विकास संगठन का हल्ला बोल आंदोलन

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। किसानों की समस्याओं को लेकर किसान मजदूर विकास संगठन के नेतृत्व में शुक्रवार को सैकड़ों किसानों ने मसौढ़ी प्रखंड कार्यालय, कृषि कार्यालय और अंचल कार्यालय में रोष प्रगट किया गया, संगठन ने पदाधिकारियों से मिलकर खाद, बीज और दाखिल-खारिज की लंबित फाइलों को लेकर वार्ता की और जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि किसानों के सामने सबसे बड़ी समस्या खाद की है। मसौढ़ी कोऑपरेटिव में घंटों लाइन लगाकर खाद लेना पड़ रहा है। आरोप है कि खाद लेने के दौरान जबरन लिक्विड यूरिया दिया जाता है और उसकी रसीद भी नहीं दी जाती। समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज भी नहीं मिल पा रहा है।अंचल कार्यालय में दाखिल-खारिज के सैकड़ों मामले पेंडिंग हैं। इससे किसानों को जमीन संबंधी काम में भारी परेशानी हो रही है। खेतों में पटवन की समस्या भी गंभीर बनी हुई है।संगठन ने चेतावनी दी कि अगर समय रहते किसानों की खाद, बीज, पटवन और दाखिल-खारिज की समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो प्रखंड कार्यालय का कामकाज ठप कर सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

सुपर कोच के रूप में शामिल होकर श्रेयस अय्यर बढ़ाएंगे काबुनी की ग्लोबल क्रिकेट ट्रेनिंग की रफ्तार

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। क्रिकेट ट्रेनिंग को नई दिशा देने वाले एआई-संचालित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म, काबुनी ने आज भारत के सबसे दमदार बल्लेबाजों में से एक, श्रेयस अय्यर, को सुपर कोच के रूप में शामिल करने की घोषणा की। श्रेयस अय्यर अब काबुनी के सुपर कोचेस की बढ़ती सूची का हिस्सा बन गए हैं, जिसमें सौरव गांगुली, शेन वॉटसन और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गज शामिल हैं। ये चारों 7 जून को मुंबई में होने वाले काबुनी शोकेस में उपस्थित रहेंगे, जहाँ काबुनी अपने प्लेटफॉर्म और भारत में स्कूलों, अभिभावकों तथा उभरते क्रिकेटर्स के लिए उपलब्ध अवसरों को औपचारिक रूप से पेश करेगा। इस लॉन्च का प्रमुख आकर्षण "वॉन्ट टू प्ले फॉर ए लीजेंड?" नाम का नया राष्ट्रीय युवा क्रिकेट टूनामेंट होगा, जिसकी शुरूआत जून में होना निर्धारित है। 12 से 16 वर्ष आयु वर्ग के क्रिकेटर इसमें हिस्सा ले सकेंगे। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ी काबुनी की तकनीक के जरिए अपना हुनर दिखाएँगे और श्रेयस अय्यर की टीम में खेलने का मौका हासिल करने के लिए मुकाबला करेंगे। इस चयन प्रक्रिया में काबुनी के रियल-टाइम फीडबैक टूल्स अहम भूमिका निभाएँगे। काबुनी खिलाड़ियों की गतिविधियों और गेंद से जुड़े आँकड़ों को रियल-टाइम में ट्रैक करता है और उन्हें वॉइस, वीडियो तथा विजुअल गाइडेंस के माध्यम से व्यक्तिगत फीडबैक प्रदान करता है। यह प्लेटफॉर्म '1% इम्प्रूवमेंट' की सोच पर आधारित है, जहाँ छोटे-छोटे सुधार समय के साथ बड़े बदलाव में बदल जाते हैं।

वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप में मसौढ़ी के लाल दिलीप कुमार ने जीता गोल्ड

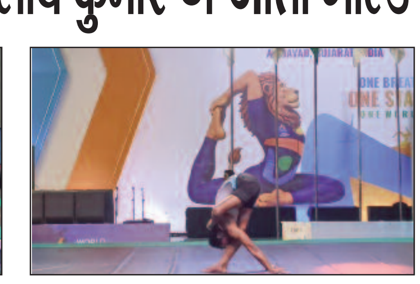

शशि तुलस्यान

अहमदाबाद में 4-8 जून तक प्रतियोगिता, बिहार से चुने गए थे 5 खिलाड़ी, 40 देशों ने लिया हिस्सा

मसौढी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार के लाल दिलीप कुमार ने प्रथम वर्ल्ड योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप-2026 में कमाल कर दिया है। मसौढ़ी निवासी दिलीप ने 'फॉरवर्ड बेंड' स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का मान बढ़ाया है। उनके इस प्रदर्शन से एक बार फिर भारत ने योगासन में विश्व गुरु होने का दम दिखाया है। यह प्रतिष्ठित वैश्विक प्रतियोगिता 4 से 8 जून तक गुजरात के अहमदाबाद स्थित ट्रांसस्टेडिया में आयोजित की गई। वर्ल्ड योगासन द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप को योगासन भारत द्वारा संपन्न कराया गया। इसमें 40 से अधिक देशों के एथलीटों ने हिस्सा लिया। वर्ल्ड योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 के लिए बिहार से पांच खिलाड़ियों का चयन हुआ था। जिसे भारतीय राष्ट्रीय योगासन टीम के लिए आधिकारिक चयन परीक्षण 1 और 2 मई, 2026 को भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र, सोनीपत, हरियाणा में आयोजित किए गए थे। यहां एथलीटों ने पारंपरिक, कलात्मक, लयबद्ध और एथलेटिक योगासन श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की थी।बहरहाल दिलीप की इस उपलब्धि पर मसौढ़ी में खुशी की लहर है। शिक्षाविद राहुल चंद्रा, रमाकांत रंजन किशोर, आचार्य विश्वरंजन, अतुल अवस्थी, पूर्व मुख्य पार्षद पंकज कुमार सिंह, वार्ड पार्षद उज्जवल कुमार, अश्विनी गोल्डी, आशीष देव, डॉ. सुधीर कुमार सिंह, मुख्य पार्षद पिंकी देवी शंभू सिंह डॉ राम जयपाल, डॉ मंगल, दीपक शर्मा, नवल भारती समेत कई लोगों ने फोन कर दिलीप को बधाई दी है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन से न केवल बिहार का मान बढ़ा है, बल्कि राज्य के अन्य युवाओं को भी योगासन जैसे पारंपरिक खेलों को पेशेवर स्तर पर अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। आगामी 8 जून को विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित कर पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

पौधारोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

नबिटा टीम

शिवाजीनगर/नगरनौसा। प्रखंड कार्यालय परिसर में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना मनरेगा के तहत एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी आलोक कुमार सिंह ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया। श्री सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान लोगों को अपनी मां के प्रति सम्मान और प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक करने का एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि पेड़ न केवल पर्यावरण को शुद्ध रखते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जीवनदायिनी भूमिका निभाते है। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड कार्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। उपस्थित कर्मियों ने भी पौधों की देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रखंड कार्यालय के सभी कर्मी मौजूद रहे।

नगरनौसा(नालंदा) से संवाददाता के अनुसार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगरनौसा प्रखंड क्षेत्र में मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी रंजु कुमारी, पीटीए दिनेश कुमार व मनोज कुमार, पीआरएस ने पौधे लगाये गए। इस क्रम में पीओ रंजु कुमारी ने बताया कि पूरे प्रखंड में योजनाबद्ध तरीके से छपन सौ पौधा लगाया जाएगा। मौके पर पीटीए दिनेश कुमार ने उपस्थित लोगों को प्रर्यावरण और पौधा के गुर रहस्य के बारे में बताया कि पौधा आकशीजन का फैक्ट्री हैं जो हम सभी के लिए बहुत जरूरी है।सिर्फ दो मिनट के लिए पिथ्वी से आकशीजन अगर हो जाता हे तो कंकृट से बने बड़े बड़े इमारत छन भर में जमिनदौश हो जाएंगे।समझ सकते हैं।इस दौरान लोगों ने पौधों की सुरक्षा व देखभाल का संकल्प किया। ऐसे लोगों ने कहा कि जीवन के लिए पेड़ों से मिलने वाली ऑक्सीजन और होने वाले पर्यावरण संतुलन बहुत जरूरी है। इस दौरान विभिन्न प्रकार के छायादार व औषधीय पौधे रोपे गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर वृक्ष वायु है तो वायु प्राण है। इसे संभाल कर रखना हर किसी की जिम्मेदारी है। पेड़ों के काटने व उसे नष्ट पहुंचाने का परिणाम आज हर कोई भुगतने को विवश है। इसलिए जिससे हमें जिंदगी को सही तरीके से जीने को मिलता है उसे कभी भी नुकसान न पहुंचाना चाहिए।इस मौके पर पीटीए मनोज कुमार, पीआरएस विजय पटेल,आलोक कुमार, संजय कुमार, कार्यपालक सहायक सत्येंद्र कुमार, सौरभ कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

लोगों से की गई पर्यावरण संरक्षण की अपील

इधर दूसरी ओर प्रखंड के कैला पंचायत पंचायत सरकार भवन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली 2026 के सफल क्रियान्वयन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आम लोगों को जन-जागरूकता हेतु मुखिया शम्भू कुमार के अध्यक्षता में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। मौके पर सरपंच मंटू ठाकुर,उप मुखिया जितेन्द्र प्रसाद, पंचायत सचिव कृष्णा रजक, पंचायत रोजगार सेवक विजय पटेल, न्यायमित्र इन्दु भुषन पाण्डेय, स्वच्छता पर्यवेक्षक पवन कुमार, विकास मित्र रेणु कुमारी, ग्राम कचहरी सचिव, वार्ड सदस्य, स्वच्छता कर्मी एवं ग्रामीण उपस्थित हुए।

बस भाड़े में हुई 18 प्रतिशत वृद्धि

बस संचालकों और चैंबर की बैठक में लिया गया फैसला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में बस यात्रियों को अब अधिक किराया चुकाना होगा। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और परिवहन संचालन लागत में लगातार हो रही बढ़ोतरी के बाद राज्य में बस किराये में 18 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गई है। झारखंड बस ऑनर्स एसोसिएशन की ओर से राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजे जाने के बाद नई दरों को लागू कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत रांची से धनबाद का बस किराया बढ़कर 425 रुपये हो गया है। इसके अलावा रांची से पटना, दरभंगा, चाईबासा और अन्य कई रूटों पर भी बस किराये में वृद्धि की गई है।

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की बस परिवहन उपसमिति की बैठक में किराया बढ़ाने का निर्णय लिया गया। बैठक में रांची, गुमला, सिमडेगा, खूंटी और लोहरदगा बस ऑनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान बस संचालकों ने राज्य परिवहन प्राधिकार द्वारा पिछले करीब 18 महीनों से बस परमिट नवीनीकरण और वाहनों के प्रतिस्थापन की प्रक्रिया बंद रहने पर भी चिंता जताई। उन्होंने सरकार से इस प्रक्रिया को जल्द शुरू करने की मांग की।

खूंटी बस ऑनर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अरुण कुमार साबू ने बताया कि वर्ष 2020 के बाद पहली बार बस किराये में बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बसों के कल-पुर्जों, रखरखाव और संचालन खर्च में लगभग दोगुनी वृद्धि हुई है। इसके बावजूद यात्रियों के हितों को ध्यान में रखते हुए केवल 18 प्रतिशत किराया बढ़ाया गया है।

सर्प दंश से किशोरी की मौत

नगरनौसा(नालंदा)। थाना क्षेत्र के सुलेमानचक गांव में शुक्रवार को सर्प दंश से एक किशोरी की मौत हो गया। मृतक की पहचान गांव निवासी विनोद चौधरी के तेरह वर्षीय पुत्री प्रीति कुमारी के रूप में किया गया।घटना के सम्बंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक घर मे साफ सफाई कर रही थी।इसी दौरान घर मे गेहूमन सर्प ने दंश लिया। आनन फानन में परिजन किशोरी को नगरनौसा हॉस्पिटल लाया जहाँ से किशोरी को बिहार शरीफ रेफर कर दिया गया। जहाँ रास्ते मे ही किशोरी की मौत हो गया।

डायन के आरोप में महिला सहित परिवार को पीटा

चारों की स्थिति गंभीर, पुलिस कर रही मामले की तफ्तीश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र के राणाबीघा गांव से अंधविश्वास और दबंगई की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला पर डायन होने का आरोप लगाकर कुछ लोगों ने न सिर्फ उसके साथ मारपीट की, बल्कि उसे बचाने पहुंचे उसके परिवार के सदस्यों को भी बेरहमी से पीट दिया। हमले में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार देर रात महिला गांव के एक मंदिर से पूजा-अर्चना कर अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने उसे रास्ते में रोक लिया और लाठी-डंडों तथा लोहे की रॉड से अचानक हमला कर दिया। महिला को अकेला पाकर आरोपियों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। महिला की चीख-पुकार सुनकर उसके परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे और उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन हमलावरों का गुस्सा इतना बढ़ा हुआ था कि उन्होंने परिवार के अन्य लोगों को भी

बीच सड़क पर लाठी-डंडे और रॉड से पीटा

निशाना बना लिया। बीच सड़क पर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से पूरे परिवार की जमकर पिटाई की गई। हमले में महिला समेत परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पीड़ितों को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

पीड़ित महिला ने बताया कि कुछ दिन पहले पड़ोस में रहने वाली एक महिला की बीमारी के कारण मौत हो गई थी। इसके बाद कुछ लोगों ने उसकी मौत के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराते हुए टोना-टोटका और डायन बिसाही करने का आरोप लगाना शुरू कर दिया। इसी बात को लेकर लगातार तनाव बना हुआ था। महिला का यह भी आरोप है कि गांव के एक व्यक्ति ने कुछ वर्ष पहले उनकी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया था। इसके बाद से अक्सर किसी न किसी बहाने परिवार को परेशान किया जाता था और मारपीट की घटनाएं होती रहती थीं।

प्रसाद हास्पिटल का लाइसेंस हुआ रद्द

मुजफ्फरपुर। शहर के चिकित्सा जगत से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है। शहर के नामचीन और सबसे बड़े निजी अस्पतालों में शुमार 'प्रसाद हॉस्पिटल' पर जिला प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार सुबह अस्पताल के आईसीयू में भड़की भीषण आग और उसमें झुलसकर छह बेगुनाह मरीजों की दर्दनाक मौत के मामले को स्वास्थ्य विभाग ने बेहद गंभीरता से लिया है। मुजफ्फरपुर के सिविल सर्जन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से प्रसाद हॉस्पिटल का लाइसेंस रद कर दिया है। अस्पताल परिसर में सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी और छह लोगों की जान जाने के बाद स्वास्थ्य महकमा पूरी तरह से एक्शन मोड में है। सिविल सर्जन कार्यालय द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, अस्पताल में हुए इस भयावह अग्निकांड और प्रबंधन की लापरवाही अक्षम्य है।

लाइसेंस रद करने के साथ-साथ सिविल सर्जन ने अस्पताल के मालिक और प्रबंधन से इस पूरी लापरवाही पर बेहद कड़ा स्पष्टीकरण भी मांगा है।

प्लंबर के खाते में दिखी करोड़ों की राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। बिहार के गया जिले के बोधगया प्रखंड से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक साधारण प्लंबर और इलेक्ट्रिकल मिस्त्री के बैंक खाते में अचानक 294 करोड़ 80 लाख रुपये का बैलेंस दिखाई देने लगा। खाते में अरबों रुपये की रकम दिखने के बाद युवक खुद हैरान है, जबकि गांव में भी इस घटना को लेकर चचाओं का दौर शुरू हो गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह तकनीकी गड़बड़ी है या इसके पीछे कोई और वजह है।

बोधगया प्रखंड के मस्तपुरा गांव निवासी विकास कुमार पेशे से इलेक्ट्रिकल और प्लंबर मिस्त्री हैं। उन्होंने बताया कि उनका जियो पेमेंट्स बैंक का खाता पिछले करीब पांच वर्षों से सक्रिय है। दो दिन पहले उन्होंने जियो फाइनेंस ऐप के जरिए अपना बैंक बैलेंस चेक किया तो स्क्रीन पर 2,94,80,00,000 रुपये की राशि दिखाई दी।

पहली बार बैलेंस देखने पर उन्हें लगा कि शायद यह कोई तकनीकी गड़बड़ी होगी, लेकिन जब गुरुवार शाम उन्होंने दोबारा बैलेंस चेक किया तो वही राशि फिर दिखाई दी। इसके बाद यह मामला और भी रहस्यमय बन गया।

गांव में बना चर्चा का विषय

विकास कुमार के अनुसार उनके खाते में अब तक अधिकतम 6 से 7 लाख रुपये तक का ही लेनदेन हुआ है। कभी भी खाते में इतनी बड़ी रकम नहीं रही। ऐसे में अचानक सैकड़ों करोड़ रुपये का बैलेंस दिखना उनके लिए भी किसी हैरानी से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि मामले को गंभीरता से देखते हुए उन्होंने खाते से पैसे निकालने या किसी तरह का कोई लेनदेन करने की कोशिश नहीं की है। उन्हें आशंका है कि यह बैंकिंग सिस्टम की किसी तकनीकी त्रुटि का परिणाम हो सकता है।

घटना की जानकारी मिलते ही मस्तपुरा गांव में लोगों का तांता लग गया। विकास के घर लगातार लोग पहुंच रहे हैं और खाते में दिख रही राशि के बारे में जानकारी ले रहे हैं। गांव के लोगों के बीच यह मामला कौतूहल और चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ लोग इसे तकनीकी गड़बड़ी मान रहे हैं, जबकि कई लोग इसे बैंकिंग सिस्टम की बड़ी चूक बता रहे हैं।

फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि खाते में दिखाई दे रही 294 करोड़ 80 लाख रुपये की राशि किसी तकनीकी गड़बड़ी का नतीजा है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

बैंक की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अब सभी की निगाहें बैंक और संबंधित अधिकारियों की जांच पर टिकी हैं। जांच के बाद ही इस रहस्यमयी करोड़ों रुपये के बैलेंस की वास्तविक सच्चाई सामने आ सकेगी।

जुलाई से शुरू होगी शैक्षणिक गतिविधियां

नगरनौसा(नालंदा)। बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राज्य के नवस्थापित राजकीय डिग्री महाविद्यालयों में 1 जुलाई 2026 से शैक्षणिक गतिविधियां प्रारंभ करने के निर्देश के आलोक में राजकीय डिग्री महाविद्यालय, नगरनौसा में सभी आवश्यक तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही हैं। महाविद्यालय प्रशासन निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी व्यवस्थाओं को पूर्ण करने के लिए सतत कार्यरत है।

यह जानकारी देते हुए राजकीय डिग्री महाविद्यालय, नगरनौसा के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार ने बताया कि राज्य सरकार, राजभवन एवं उच्च शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु आधारभूत संरचनाओं एवं सुविधाओं के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। महाविद्यालय परिसर में फर्नीचर, कंप्यूटर, पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति, ब्लैकबोर्ड, डेस्क-बेंच, इंटरनेट सहित सभी आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

पेंशन योजनाओं में रिश्वतखोरी को ले धरना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पश्चिम चंपारण। वृद्धावस्था और विधवा पेंशन योजनाओं में कथित रिश्वतखोरी तथा जनसमस्याओं की अनदेखी के विरोध में नरकटियागंज अनुमंडल कार्यालय परिसर में ग्रामीणों ने धरना-प्रदर्शन किया।

डीके शिकारपुर पंचायत के मुखिया राहुल जयसवाल के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और प्रखंड प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

धरना समाप्त होने के बाद मुखिया ने अनुमंडल पदाधिकारी को नौ सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपकर मामले की उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रखंड प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया। धरनास्थल पर बीडीओ को बर्खास्त करो और वृद्ध व विधवा पेंशन में रिश्वतखोरी बंद करो जैसे नारे लगाए गए।

प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल रहा है और शिकायतों के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा।

मुखिया राहुल जयसवाल ने कहा कि प्रखंड क्षेत्र में कई वृद्ध और विधवा पेंशनधारियों का भुगतान महीनों से लंबित है।

लाखों रुपये से निर्मित ऑक्सीजन प्लांट बना शोपीस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। कोरोना काल में सदर अस्पताल, आरा में 95 लाख रुपये की लागत से लगाया गया ऑक्सीजन प्लांट अब सिर्फ शोपीस बनकर रह गया है। तीसरी लहर के दौरान इसे जल्दबाजी में शुरू किया गया था, लेकिन कुछ ही दिनों में प्लांट बंद हो गया और तब से आज तक दुबारा चालू नहीं हो सका। नतीजा-20 करोड़ की लागत से बने नए मॉडल अस्पताल भवन का असली उद्देश्य ही अधूरा रह गया है। 20 जुलाई 2023 को तत्कालीन डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने इस अत्याधुनिक भवन का उद्घाटन किया था। उम्मीद थी कि 15 अगस्त 2023 से इमरजेंसी, आईसीयू, डायलिसिस, एसएनसीयू, प्रसूति व बर्न वार्ड जैसे महत्वपूर्ण सेक्शनों में प्लांट से सीधे ऑक्सीजन आपूर्ति शुरू हो जाएगी, लेकिन हकीकत

उपकरण तैयार, प्लांट अपग्रेड, व्यवस्था ठप

यह है कि तीन साल बाद भी पूरा अस्पताल महंगे सिलिंडरों के भरोसे ही चल रहा है।

अस्पताल सूत्रों के मुताबिक प्रतिदिन करीब 40 ऑक्सीजन सिलिंडरों की खपत होती है, जिसके लिए लगभग 1.50 लाख रुपये प्रतिदिन खर्च किए जा रहे हैं, जबकि प्लांट की क्षमता प्रति मिनट 1000 लीटर ऑक्सीजन उत्पादन की है और इसका कंप्रेशर भी अपग्रेड हो चुका है। फिर भी बाहरी एजेंसियों से सिलिंडर लेने की ह्ललाभकारी प्रवृत्तिह्व ने प्लांट को ठप कर रखा है, ऐसी चर्चा आम है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि जिस कमरे से पूरे भवन में प्राइवेट सिलिंडरों के जरिए ऑक्सीजन सप्लाई होती है, वहां एक भी अग्निशमन यंत्र नहीं लगा है। बड़ी संख्या में पड़े सिलिंडरों के बीच कोई आग लग जाए तो गंभीर हादसा हो सकता है।

अस्पताल परिसर में कई अन्य जगहों पर भी भारी मात्रा में सिलिंडर बिना सुरक्षा उपायों के रखे हुए हैं। उल्लेखनीय है कि अस्पताल के पुराने ओपीडी और नए भवन में पूर्व में कई बार आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं।

इमारत तैयार, मशीनें इंस्टॉल, क्षमता बढ़ाने के लिए नई कंप्रेशर मशीन भी लग गई, फिर भी मरीजों तक प्लांट से ऑक्सीजन नहीं पहुंच रही। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब सब कुछ लग चुका है तो आखिर समस्या कहां है? यह सवाल जिला स्वास्थ्य विभाग के

अनियंत्रित ट्रक ने महिला को कुचला

पटना। बाढ़ अनुमंडल के मरांची थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 52 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसा बादपुर गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां मॉर्निंग वॉक के लिए निकली महिला को एक अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतका की पहचान मरांची इंग्लिश गांव निवासी बच्ची देवी (52), पत्नी सुरेश साव के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बच्ची देवी रोजाना की तरह सुबह टहलने के लिए घर से निकली थीं। इसी दौरान लखीसराय से मोकामा की ओर जा रहा एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे के बाद ट्रक सड़क किनारे स्थित गड्ढे में जा गिरा। आशंका जताई जा रही है कि चालक को झपकी आने के कारण वाहन पर नियंत्रण नहीं रहा। दुर्घटना के तुरंत बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए।

महंगाई ने बिगाड़ा रसोई घर का बजट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। महंगाई का असर अब सिर्फ बाजार तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसकी सीधी चोट घरों की रसोई पर पड़ रही है।दाल, तेल, दूध, आटा, चावल और रसोई गैस जैसी रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने परिवारों का मासिक बजट बिगाड़ दिया है।सबसे ज्यादा मुश्किल उन गृहिणियों के सामने खड़ी है, जिन्हें सीमित आय में पूरे घर का खर्च संभालना पड़ता है।

कुछ साल पहले जिस राशि में महीनेभर का राशन आराम से आ जाता था, अब उसी सामान के लिए हजारों रुपये अधिक खर्च करने पड़ रहे हैं। गृहिणियों का कहना है कि आमदनी लगभग वहीं है, लेकिन खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में घर का बजट संतुलित करना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है।विशेषज्ञों का मानना है कि परिवहन लागत बढ़ने से खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर सीधा असर पड़ा है।

खेत से मंडी और मंडी से बाजार तक सामान पहुंचाने का खर्च बढ़ा है, जिसका बोझ आखिरकार उपभोक्ताओं पर ही पड़ रहा है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: एसएएनडीटी/कॉन/एचडब्ल्यूएच/टीएन/17/2026, दिनांक 03.06.2026; उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण), पूर्व रेलवे, हावड़ा, 371, तेलकल घाट रोड, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए समुचित वित्तीय क्षमता तथा पर्याप्त अनुभव के साथ ठेकेदारी का वैध लाइसेंस रखने वाले अनुभवी संकेत एवं दूरसंचार ठेकेदारों, साझेदारी प्रतिष्ठानों इत्यादि से ई-निविदा प्रक्रिया के जरिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैः **निविदा सं.: एसएएनडीटी-कॉन-17-2026-एचडब्ल्यूएच। कार्य का नामः** सोन नगर से अंडाल मल्टीट्रैकिंग कार्य के संबंध में पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के लिए प्रधानखांटा एवं मुगमा (25 किमी लगभग) अनुभाग के बीच न्यू मुगमा (ईआई) एवं मुगमा यार्ड (पीआई से ईआई) में कंटीन्युअस ट्रैक सर्किटिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य के लिए एमएसडीएसी के प्रयोग द्वारा ऑटो सिग्नलिंग कार्य चालू करना। **अनुमानित निविदा मूल्यः** रु. 82,57,77,608। **बयाना राशि जमाः** रु. 1,65,15,600 एफए एंड सीएओ/कॉन/पूर्व रेलवे, कोलकाता के पक्ष में जमा की जानी चाहिए। **निविदा दस्तावेज की कीमतः** रु. 0.00। **प्रस्ताव तथा बयाना राशि की वैधता** निविदा खुलने की तारीख से 90 दिन होनी चाहिए। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 26.06.2026 को 11.00 बजे। **कार्य समापन अवधिः** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 12 (बारह) महीने। इस निविदा के परिप्रेक्ष्य में ऊपर उल्लेखित निविदा दस्तावेज की कीमत तथा बयाना राशि का ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है तथा ऊपर उल्लेखित निविदा बंद होने की तारीख तथा समय पर अथवा उससे पहले बोली जमा की जा सकती है। इस निविदा के लिए सभी पहलुओं परिपूर्ण तथा ऊपर उल्लेखित सभी दस्तावेज के साथ निविदाएं **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की जानी चाहिए। निविदा के लिए बोलियां ऊपरोक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के जरिए जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है। अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। निविदा दस्तावेज, निविदा सूचना का विवरण, समय-समय पर जारी संशोधनी (यदि कोई हो) तथा अन्य मूल जानकारियां **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। विस्तृत निविदा सूचना उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण), पूर्व रेलवे, 371, तेलकल घाट रोड, हावड़ा-711101 की सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

(CON-11/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

26 करोड़ की लागत से बनने वाला आरओबी 26 दिन भी नहीं चल सका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। दानापुर रेलमंडल के बक्सर रेलवे स्टेशन के पूर्वी छोर पर निर्मित रोड ओवरब्रिज के संपर्क पथ का एक हिस्सा शुक्रवार को धंस गया। इसके बाद इस आरओबी पर बड़े वाहनों का आवागमन तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। यह रोड ओवरब्रिज बीते करीब 15 दिन पहले ही सामान्य यातायात के लिए खोला गया था।

रोड ओवर ब्रिज के दक्षिणी छोर पर पिलर नंबर पांच का एक हिस्सा ध्वस्त हो गया है। यह नुकसान अगले पिलर से जुड़े स्लैब के जोड़ पर हुआ है। इस आरओबी का कोई औपचारिक उद्घाटन नहीं हुआ है। निर्माण लगभग पूरा होने के बाद वाहन चालकों की सुविधा के लिए इसे खोल दिया गया था।

इस रोड ओवरब्रिज के दो अलग-अलग हिस्सों का निर्माण रेलवे और बिहार सरकार के उपक्रम बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड ने किया है। अपने क्षेत्र में रेलवे लाइन के ऊपर से गुजरने वाली मुख्य संरचना का निर्माण स्वयं रेलवे ने किया है। इसका निर्माण लगभग एक साल पहले ही पूरा हो गया था।

रेलवे क्षेत्र से हटकर पुल की शेष संरचना और संपर्क पथ का निर्माण बिहार सरकार की एजेंसी कर रही थी। बिहार सरकार वाले हिस्से के निर्माण की लागत लगभग 26.40 करोड़ रुपए रही है।

बीते दिनों रोड ओवर ब्रिज को यातायात के लिए खोले जाने के बाद से हर तरह के वाहन इसी रास्ते गुजर रहे थे। रात के समय दिनारा की तरफ से आने वाले बालू वाले ट्रकों के कारण इस पुल पर जाम भी लगने लगा था। बायपास रोड में जम के कारण बीते चार-पांच दिनों से देर सुबह तक इस पुल पर ट्रकों की कतार लग रही थी। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि पुल के इस हिस्से में निर्माण कमजोर हुआ था, जो बालू वाले ट्रकों का दबाव नहीं बर्दाश्त कर पाया। इसका निर्माण इटाढ़ी रोड स्थित रेलवे समपार फाटक से गुजरने वाली सड़क के विकल्प के तौर पर किया गया है।

इस आरओबी से सामान्य यातायात शुरू होने के बाद रेलवे ने बीते रविवार को समपार फाटक को स्थायी रूप से बंद कर दिया था।

इसके बाद इटाढ़ी, धनसोईं, सिकरौल के अलावा रोहतास जिले के दिनारा आदि क्षेत्रों से आने वाले वाहन इसी आरओबी से बक्सर शहर में प्रवेश कर रहे हैं या बक्सर से होते हुए पटना अथवा, बलिया, गाजीपुर और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की तरह जा रहे हैं।

हिलसा की टीम का कप पर 2-0 से कब्जा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नगरनौसा (नालंदा)। दाहाविवाह के मैदान में संपूर्ण क्रांति दिवस के अवसर पर एकदिवसीय फुटबॉल फाइनल मैच का आयोजन किया। जिसकी अध्यक्षता स्टेट खिलाड़ी चंदन भारती ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन कामता पंचायत के मुखिया पप्पू कुमार ने किया । और उन्होंने कहा की जयप्रकाश नारायण के द्वारा संपूर्ण क्रांति के पत्र नौजवानों को क्रांति का आवाहन किया इसलिए उनके बताए गए रास्ते पर छात्र नौजवानों को चलना चाहिए। इस मैच में रेफरी की भूमिका सत्येंद्र कुमार यादव ने निभाई। जिसमें हिलसा की फुटबॉल टीम ने दहाबिगहा फुटबॉल टीम को 2-0से हराकर कप पर कब्जा जमाया। खेल समाप्ति के बाद पुरस्कार वितरण जदयू नेता सह खेल संचालक शशिभुषण कुमार और स्टेट खिलाड़ी सह खेल संचालक चंदन भारती ने संयुक्त रूप से किये। इस कार्यक्रम में पूर्व प्रमुख हरदयाल प्रसाद अखिल भारतीय किसान महासभा के जिला अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद शिक्षक गुंजन कुमार, राकेश भारती ,रमेश कुमार, टुनटुन यादव, विशाल सूरत आर्य ,संतोष कुमार और संजय कुमार उपस्थित थे।

शुरू होगा जॉब ओरिएंटेड कोर्स

समस्तीपुर। बिहार के युवाओं को अब किताबी ज्ञान के साथ-साथ कॉरपोरेट और डिजिटल वर्ल्ड की बारीकियां भी सिखाई जाएंगी। समस्तीपुर जिले के उच्च शिक्षा क्षेत्र में छात्रों को सीधे रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया गया है।

जिले के तीन प्रमुख कॉलेजों में सात नए जॉब-ओरिएंटेड (रोजगारपरक) कोर्स शुरू करने की हरी झंडी मिल गई है। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय (छठटव) प्रशासन द्वारा पीएम-उषा योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इन नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने की स्वीकृति दी गई है।

गैरमजरूआ आम श्रेणी की जमीनों को सरकारी रोक सूची में करें दर्ज

15 दिनों में सुधार नहीं दिखा तो होगी कार्रवाई, मंत्री डा. दिलीप जायसवाल ने की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने समीक्षा के 8वें दिन भोजपुर, मधेपुरा एवं अरवल जिलों के राजस्व कार्यों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि गैर-मजरूआ आम श्रेणी की सभी जमीनों की पहचान कर उन्हें तत्काल सरकारी रोक सूची में दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि जमाबंदी रद्दीकरण के मामलों को भी रोक सूची में शामिल कर सुरक्षित किया जाए तथा इसकी सूची राज्य के निबंधन विभाग को भी उपलब्ध कराई जाए ताकि सरकारी भूमि की अवैध खरीद-बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि सरकारी जमीन से ही जिलों में लैंड बैंक तैयार कर विकास योजनाओं को गति दी जा रही है। ऐसे में सरकारी भूमि की सुरक्षा और संरक्षण में किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान विभागीय सचिव जय सिंह ने बताया कि सभी अंचल अधिकारियों के लॉगिन में सरकारी जमीन की प्राथमिक सूची उपलब्ध करा दी गई है। इसकी जांच कर अंतिम सूची उपलब्ध करानी होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के बाद संबंधित अधिकारियों से उनके क्षेत्र में कोई सरकारी भूमि छूट नहीं जाने का शपथ पत्र भी लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि रोक सूची वह सूची है जिसमें खरीद-फरोख्त नहीं की जानेवाली सभी जमीन शामिल है। इसका उद्देश्य सरकारी जमीनों का संरक्षण करना है। मंत्री डॉ. जायसवाल ने अंचलवार रैंकिंग, दाखिल-खारिज, डिफ़ेक्ट चेक, ऑनलाइन म्यूटेशन, परिमार्जन, ई-मापी, अभियान बसेरा-2, सरकारी भूमि सत्यापन, राजस्व महा अभियान, लोक शिकायत, सहयोग शिविर, किसान पंजीकरण तथा आरसीएमएस के तहत न्यायालयों में लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि विभाग की सभी सेवाएं पूर्णतः ऑनलाइन हैं और सभी कार्य ऑनलाइन माध्यम से ही किए जाएं। ऑफलाइन कार्य करते पकड़े जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ई-मापी की समीक्षा के दौरान मंत्री ने कहा कि प्रत्येक अमीन को प्रति माह 15 से 20 मापी करने का लक्ष्य दिया गया है, लेकिन अधिकांश जिलों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है। उन्होंने ई-मापी मामलों में भी 'फर्स्ट इन-फर्स्ट आउट (फीफो)' प्रणाली का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया। विभाग में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की टीम की तैनाती का उल्लेख करते हुए डॉ. जायसवाल ने कहा कि यदि मंत्री और विभागीय अधिकारी ईमानदारी से काम कर रहे हैं तो राजस्व तंत्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी पूर्ण ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि अधीनस्थ कर्मियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित कर विभाग की छवि सुधारना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

मंत्री के आदेश पर नौ अधिकारियों पर कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने भ्रष्टाचार, अनियमितता, कर्तव्यहीनता और विभागीय निर्देशों की अवहेलना के आरोप में बड़ी कार्रवाई की है। एक पदाधिकारी को सेवा से बर्खास्त करने की अनुशंसा मंत्री ने की। साथ ही 8 सीओ और राजस्व कर्मियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करते हुए दंडात्मक कार्रवाई की गई है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल के स्तर से 5 जून को संचिकाओं पर लिए गए निर्णय के बाद संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र गठित करने, विभागीय कार्यवाही संचालित करने, पेंशन कटौती तथा सेवा से बर्खास्तगी की अनुशंसा जैसे कड़े कदम उठाए गए हैं। विभागीय कार्रवाई की सबसे बड़ी मार राजस्व अधिकारी-सह-कानूनगो सोनी कुमारी पर पड़ी है। वर्ष 2021 से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने, बार-बार स्पष्टीकरण के बावजूद जवाब नहीं देने और विभागीय कार्यवाही में शामिल नहीं होने के मामले में उनके विरुद्ध सेवा से बर्खास्त करने की अनुशंसा की गई है। वहीं, सेवानिवृत्त अंचल अधिकारी नवीन भूषण पर दाखिल-खारिज मामलों में फीफो नियम का उल्लंघन, मनमाने ढंग से मामलों का निष्पादन और राजस्व वसूली में लापरवाही के आरोप साबित होने पर एक वर्ष तक पेंशन में 5 प्रतिशत की कटौती का दंड लगाया गया है। मंत्री के निर्देश पर तत्कालीन राजस्व कर्मचारी मोहनपुर, गया राजेश कुमार, तत्कालीन अंचल अधिकारी, बरौली, गोपालगंज प्रशांत कुमार, तत्कालीन अंचल अधिकारी, किशनपुर, सुपौल सुशीला कुमारी और तत्कालीन अंचल अधिकारी महुआ, वैशाली मणि कुमार वर्मा के विरुद्ध भी आरोप पत्र गठित किए गए हैं। इनमें दाखिल-खारिज मामलों में पिक और चूस नीति अपनाने, फीफो नियम का उल्लंघन करने, लंबित मामलों को जानबूझकर रोके रखने, अनाधिकृत अनुपस्थिति, राजस्व महाअभियान में रुचि नहीं लेने तथा विभागीय आदेशों की अवहेलना जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना है जरूरी : डा. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शुक्रवार को बिहार विधान सभा के विस्तारित भवन स्थित ऑडिटोरियम में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर खुशीग्राम फाउंडेशन एवं रेडियंस मीडिया के तत्वावधान में बीट द हिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौती का सामना कर रही है। बढ़ता तापमान, भीषण गर्मी, अनियमित वर्षा, जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति हमें यह संकेत दे रही है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। बीट द हिट का संदेश केवल गर्मी से बचने का संदेश नहीं है। यह जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध सामूहिक चेतना का संदेश है। यह भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का संदेश है। यह संदेश है कि विकास और पर्यावरण परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि हम आज सही दिशा में कदम उठाएँगे, तो आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित, हरित और समृद्ध भविष्य दे सकेंगे। अध्यक्ष ने उपस्थित सभी लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान डॉ0 प्रभात चंद्र गुप्ता, मुख्य वन संरक्षक ने वृक्ष और तापमान वृद्धि से संबंधित पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रदर्शित किया। बिहार राज्य जैव विविधता परिषद् के अध्यक्ष भारत ज्योति ने पर्यावरण एवं जैवविविधता पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव, सदस्यगण राजकुमार राय, रोमित कुमार, अनीता, छोटी कुमारी, श्रीमती सोनम रानी, मुख्य वन संरक्षक डॉ0 प्रभात चंद्र गुप्ता, बिहार राज्य जैव विविधता परिषद् के अध्यक्ष भारत ज्योति, पटना जू के निदेशक हेमंत पाटिल आदि उपस्थित थे।

2030 तक हर तीसरा वाहन होगा बैट्री आधारित

बिहार में शुरू हुई इवी क्रांति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य में वाहन जनित प्रदूषण को नियंत्रित करने और पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भरता घटाने के लिए परिवहन विभाग इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को प्रोत्साहित करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। विभाग ईवी खरीद और चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने पर भारी अनुदान दे रहा है। राज्य में ईवी वाहनों की संख्या बढ़ने से सालाना 7.5 करोड़ लीटर पेट्रोल-डीजल की खपत कम हो जाएगी, जिससे स्वच्छ वातावरण का निर्माण होगा। विभाग के अनुसार, ईवी को आमजन के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए न सिर्फ वाहन खरीद पर सब्सिडी दी जा रही है। बल्कि चार्जिंग स्टेशन लगवाने पर भी अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके तहत विभिन्न चार्जर की खरीद और इसे लगाने पर 75 हजार रुपये से लेकर अधिकतम 2 लाख 25 हजार रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। परिवहन विभाग के आंकलन के अनुसार, राज्य में मौजूद सभी तरह के वाहनों की कुल संख्या में 30 फीसदी वाहन अगर ईवी यानी बैट्री आधारित वाहन हो जाएंगे, तो ईंधन की सालाना बचत 7.50 करोड़ लीटर हो जाएगी।

चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

बढ़ती ईवी संख्या को देखते हुए सरकार आम नागरिकों को सुगम चार्जिंग सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी में है। राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों, पेट्रोल पंपों, होटल-मोटल्स, बस टर्मिनल, व्यावसायिक क्षेत्रों, पार्किंग स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर अत्याधुनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। राज्य सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने वाले उद्यमियों और संस्थाओं को आकर्षक प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।

ग्रामीणों की शिकायतों का समाधान अब एक क्लिक पर, जानिए कैसे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्री श्रवण कुमार ने कहा कि विभागीय योजनाओं की अब ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को समय से पारदर्शी तरीके से योजनाओं का लाभ मिलेगा और ग्रामीण विकास की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ेगा। श्री कुमार ने यह बातें शुक्रवार को ग्रामीण विकास विभाग की ओर से शुरू किए गए केंद्रीकृत ग्रामीण योजना अनुश्रवण एवं क्रियाशीलता पर्यवेक्षण प्रणाली (सीजीआरएम)

पोर्टल के उद्घाटन अवसर पर कही। उन्होंने इस पोर्टल का उद्घाटन रिमोट से किया। विभागीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी, कर्मचारी और दूसरे गणमान्य लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कुमार ने कहा कि प्रधान सचिव और दूसरे अधिकारियों के प्रयासों का ही परिणाम है कि विभाग ने आज एकीकृत डिजिटल योजना का शुभारंभ किया। इस व्यवस्था से लोगों को राज्य की योजनाओं की जानकारी मिलेंगी और लोग अपनी शिकायतें भी पोर्टल पर दर्ज करा पाएंगे। बताया कि इससे पहले ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को विभागीय योजनाओं की जानकारी के लिए कार्यालय और उसकी अलग-अलग शाखाओं में चक्कर काटना पड़ता था। मंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास एक महत्वपूर्ण विभाग है। इसमें गांव के गरीबों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं का क्रियान्वयन होता है। पूरे देश में बिहार ही एक ऐसा राज्य है जहां आवास योजना में गरीबों को अतिरिक्त लाभ दिया जाता है। भूमिहीनों को जमीन खरीदने, 1996 से पूर्व निर्मित क्षत-विक्षत मकानों के मरम्मतीकरण, पीएम आवास योजना से वंचित लोगों को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान मुहैया कराने के साथ-साथ दूसरी कई ऐसी योजनाएं यहां संचालित हैं। कुछ राज्यों ने बिहार के पदचिन्हों पर चलते हुए कुछ योजनाओं को अब लागू करना शुरू किया है। श्री कुमार ने बताया कि बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों का उन्नयन और उनके विकास की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गरीबों के प्रति संवेदना और उनके अथक प्रयासों से संभव हो पाया है। उन्होंने बताया कि पूर्व सीएम ने बिहार को अव्वल पांच राज्यों में शामिल करने का संकल्प लिया था।

विधानसभाध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने तम्बाकू सेवन नहीं करने की दिलाई शपथ

बिहार विधान सभा में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 2026 के अवसर पर कार्यशाला आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आज बिहार विधान सभा, पटना में तम्बाकू मुक्त बिहार युवा, सरकारी संस्थानों और आध्यात्मिक संगठनों की भूमिका विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि तम्बाकू सेवन केवल एक बुरी आदत नहीं, बल्कि गंभीर बीमारियों, आर्थिक परेशानी और सामाजिक चुनौती का कारण है। उन्होंने कहा कि बच्चों और युवाओं को तम्बाकू तथा निकोटिन की लत से बचाने के लिए मजबूत कानून, प्रभावी प्रवर्तन, जागरूकता और समाज के सभी वर्गों की भागीदारी जरूरी है। कार्यशाला में बिहार में एग्ङ्घ्ह 2003 को और प्रभावी

बनाने के लिए राज्य स्तर पर आवश्यक संशोधन पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत बताई गई। वक्ताओं ने कहा कि झारखंड की तरह बिहार में भी तम्बाकू नियंत्रण कानून को मजबूत करने से बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों को तम्बाकू और निकोटिन की लत से बचाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम का आयोजन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा अलायंस फॉर टोबैको फ्री बिहार और सोसियो इकोनॉमिक एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसाइटी (सीड्स) के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में दीपक मिश्रा, कार्यपालक निदेशक, सीड्स; डॉ. धीरेन्द्र नारायण सिन्हा, संयोजक, बी.के. संजय भाई, राज्य कार्यक्रम समन्वयक, ब्रह्माकुमारीज सहित कई वक्ताओं ने विचार रखे। इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने सभी प्रतिभागियों को तम्बाकू सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई। प्रतिभागियों ने तम्बाकू मुक्त समाज बनाने में योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव, सत्तारूढ़ दल के माननीय मुख्य सचेतक संजीव चौरसिया, माननीय सदस्यगण श्री राजकुमार राय, रोमित कुमार, श्रीमती अनीता, छोटी कुमारी, सोनम रानी एवं सभा सचिवालय के पदाधिकारियों, कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से जुड़े स्वयंसेवक, सीड्स से जुड़े पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

मीनाक्षी एम. राय को मुख्य न्यायाधीश बनने पर डॉ. प्रेम कुमार ने दी बधाई

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने न्यायमूर्ति मीनाक्षी एम. राय को पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में कहा कि पटना उच्च न्यायालय की 48वीं मुख्य न्यायाधीश तथा इस पद पर नियुक्त होने वाली दूसरी महिला न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति मीनाक्षी एम. राय का चयन न्यायपालिका की गौरवशाली परंपरा को और अधिक सुदृढ़ करेगा। कहा कि न्यायिक क्षेत्र में न्यायमूर्ति मीनाक्षी एम. राय का व्यापक अनुभव न्याय के प्रभावी प्रशासन, विधि के शासन की मजबूती तथा संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनके नेतृत्व में न्यायिक व्यवस्था और अधिक सशक्त तथा जनोन्मुखी बनेगी।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने चलाया 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा, बिहार की ओर से पूरे प्रदेश में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आयोजित इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न बूथों पर कार्यकर्ताओं ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित बिहार के निर्माण का संकल्प लिया। पटना में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का नेतृत्व ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने किया। इस दौरान सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि वृक्षारोपण

केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान मातृत्व के सम्मान और प्रकृति संरक्षण का अद्भुत संगम है। इस अभियान के माध्यम से समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ माताओं के प्रति सम्मान की भावना को भी मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण को अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी देखभाल और संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। कार्यक्रम में भानु प्रकाश राय, बिरेंद्र चंद्रवंशी, सुजीत राणा, संजय निषाद, अभिषेक यादव, रमन चंद्रवंशी, संजय गुप्ता, इन्दल चंद्रवंशी, लालाबाबू गुप्ता, मुकेश चंद्रवंशी, राजेंद्र प्रसाद, राजीव रंजन सिंह, सोनी देवी, संतोष पटेल, कुमारी पूजा और उमेश चंद्रवंशी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद महापुरुषों को दी श्रद्धांजलि

संगठन को मजबूत करने का लिया संकल्प

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व ग्रहण करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने विभिन्न महापुरुषों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत जननायक कर्पूरी ठाकुर संग्रहालय से हुई, जहां कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद शहीद जगदेव प्रसाद, बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री बाबू श्रीकृष्ण सिंह, महात्मा गांधी, शहीद स्मारक, बाबू वीर कुंवर सिंह, शहीद युवा सहनी, मगध सम्राट जरासंध, ज्योतिराव फुले, सावित्रीबाई फुले, बी.पी. मंडल तथा संपूर्ण क्रांति के नायक जयप्रकाश नारायण की आदमकद प्रतिमाओं पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने महापुरुषों के विचारों और आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। साथ ही

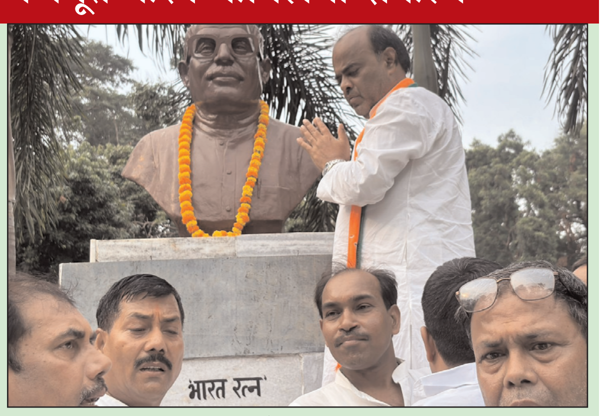

सामाजिक न्याय, समरसता और संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में अति पिछड़ा प्रकोष्ठ और ओबीसी मोर्चा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इनमें भानु प्रकाश राय, बिरेंद्र चंद्रवंशी, सुजीत कुमार राणा, रमन चंद्रवंशी, संजय निषाद, अभिषेक यादव, इन्दल चंद्रवंशी, संजय गुप्ता, राजीव रंजन सिंह, राजेंद्र प्रसाद, कमलेश सिंह चंद्रवंशी, नागेंद्र प्रसाद, विजय प्रकाश सिंह, दीपु सिंह चंद्रवंशी और रामबाबू गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने महापुरुषों के समक्ष संकल्प लिया कि वे ओबीसी मोर्चा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। वक्ताओं ने कहा कि महापुरुषों के आदर्श और संघर्ष आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही सामाजिक समरसता, विकास और राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

सनातन धर्म की रक्षा के लिए धार्मिक न्यास पर्षद है तत्पर : लेसी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भवन निर्माण मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद प्रदेश में सनातन धर्म की रक्षा करने के लिए हमेशा तत्पर है। और इसके अध्यक्ष प्रो रणबीर नंदन हमेशा धार्मिक आयोजन करते रहते हैं। लेसी सिंह शुक्रवार को श्री पंचरूपी हनुमान मंदिर न्यास समिति की ओर से आयोजित स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ कर रही थी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण दिवस पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अच्छी पहल है। यह दूषित पर्यावरण से पीढ़ी को बचाने में मदद करता है। इस मौके पर मुख्य अतिथि बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष पूर्व विधान पार्षद प्रोफ़ेसर रणबीर नंदन ने कहा कि प्रदेश मठ मंदिरों को सामाजिक कार्य से जोड़कर धार्मिक न्यास पर्षद बिहार में एक नयी पहल कर रहा है। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद जल्द ही हर जिले में डाक्टरों का पैनल बनाकर मठ मंदिरों के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करेगा ताकि हमारे प्रदेश के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि 12 जून 2025 को बिहार धार्मिक न्यास पर्षद का अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने धार्मिक न्यास पर्षद को मठ मंदिरों के झगड़े को निबटाने की जगह को सामाजिक कार्य से जोड़ने का प्रयास किया। मठ मंदिरों को सामाजिक सरोकार से जोड़कर वहां गरीब बच्चों को पढ़ने की निःशुल्क व्यवस्था, गरीब बेटियों के दहेज मुक्त शादी कराने, स्वास्थ्य शिविर का आयोजन के साथ साथ शराब बंदी को लागू करने में भूमिका निभाने का आग्रह किया।

आने वाले महीनों में रुपये के मूल्य में वृद्धि की संभावना दिख रही है : साक्षी गुप्ता

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आरबीआई और सरकार ने रुपये पर दबाव कम करने के लिए भारतीय परिसंपत्तियों में पूंजी प्रवाह को बढ़ाने की दिशा में किए गए समन्वित प्रयास को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इन उपायों में अल्पकालिक समाधानों के साथ-साथ व्यापक संरचनात्मक सुधार भी शामिल थे, जैसे कि जी-सेक में एफपीआई निवेश पर कराधान में परिवर्तन। इन सभी के संयुक्त प्रभाव से वित्त वर्ष 2027 के लिए अनुमानित 40-50 अरब डॉलर के भुगतान संतुलन के अंतर को पाटने में मदद मिल सकती है।

मंत्री नंद किशोर राम ने सरकारी आवास पर किया पौधारोपण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मंत्री नंद किशोर राम ने पटना स्थित अपने सरकारी आवास परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। पौधारोपण के दौरान नंद किशोर राम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण प्रकृति का संतुलन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अमूल्य संपदा हैं। पेड़ न केवल हमें स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं, बल्कि वर्षा चक्र को संतुलित रखने, भूमि संरक्षण करने और जैव विविधता को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देना है तो आज से ही व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण और

पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। नंद किशोर राम ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करनी चाहिए। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी बल दिया गया। उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा हरित और स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों से प्रकृति के संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की गई।

संगठन सृजन अभियान को लेकर कांग्रेस की बैठक आज

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आज संगठन सृजन अभियान को लेकर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के साथ जिलाध्यक्षों की बैठक आयोजित है। बैठक के बाबत प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि संगठन सृजन अभियान को लेकर कल जिलाध्यक्षों के साथ प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम विस्तृत समीक्षा बैठक और आवश्यक दिशा निर्देश देंगे।

संपादकीय

1998 के बाद सबसे बुरे दौर से गुजर रही ममता की टीएमसी?

पश्चिम बंगाल चुनाव में हार के बाद टीएमसी अंदरूनी संकट से जूझ रही है। ममता बनर्जी पार्टी को एकजुट रखने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन विधायकों की बैठक में कम उपस्थिति, निष्कासन और बगावत के दावों ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कार्यकर्ताओं में बेचैनी और नेताओं की नाराजगी के बीच पार्टी की एकजुटता पर सवाल उठ रहे हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद से टीएमसी लगातार परेशानियों में घिरी हुई है। सत्ता से दूर होते ही पार्टी के भीतर का असंतोष सतह पर आ गया है। और अब जिस तरह की खींचतान चल रही है, उसे देखते हुए ऐसी अटकलें लग रही हैं कि क्या पार्टी टूट जाएगी। ममता बनर्जी की छवि जुझारू नेता की है, जिन्होंने हर सियासी लड़ाई खुद जमीन पर उतर कर लड़ी। 34 साल पुरानी लेफ्ट सरकार के खिलाफ उपजे असंतोष को आवाज देकर 2011 में वह सीएम पद तक पहुंची थीं। 15 साल बाद जब वह विपक्ष में हैं, तो फिर से सड़क की राजनीति कर रही हैं। चुनाव बाद हिंसा के विरोध में मंगलवार को उन्होंने कोलकाता में धरना दिया। उन्होंने भाजपा पर चुनावों में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। वह लड़ते हुए दिखना चाहती हैं, ताकि पार्टी को हार की हताशा से निकाल सकें, लेकिन इस बार मुश्किल बड़ी दिख रही है। 1998 में अपनी स्थापना के बाद से टीएमसी शायद सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही है। पार्टी के भीतर एकजुटता को लेकर सवाल हैं। ममता ने अपने विधायकों की बैठक बुलाई थी, जिसमें 80 में से केवल 20 पहुंचे। फिर पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में दो विधायकों को निष्कासित कर दिया गया। इन्हीं विधायकों ने फर्जी हस्ताक्षर मामले में शिकायत की है, जो अगर सही पाई जाती है तो मुश्किल और बढ़ेगी। इस बीच निलंबित प्रवक्ता रिजू दत्ता का दावा है कि 50 विधायक टीएमसी से टूट कर पार्टी सिंबल पर दावा कर सकते हैं। इधर देखा जा रहा है कि चुनावी हार के बाद पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं को एकजुट रखना मुश्किल हो रहा है। तमिलनाडु में भी परिणाम के बाद एआईएडीएमके में बगावत की खबरें आईं। महाराष्ट्र में कुछ साल पहले शिवसेना में बड़ी टूट हुई थी। और बंगाल में तो वैसे भी सत्ताधारी दल का पूरी व्यवस्था पर कब्जा रहता है। इसमें विपक्ष के लिए शायद ही गुंजाइश बचती हो। लेफ्ट के शासन में टीएमसी इसी संकट से जूझ रही थी और जब टीएमसी आई, तो भाजपा ने इसी तरह की परेशानी उठाई। इसके अलावा राजनीतिक हिंसा एक बड़ा मुद्दा है ही, जिसकी वजह से निचले स्तर पर कार्यकर्ताओं में डर और बेचैनी होती देखना होगा कि इसका क्या असर होता है।

दवाओं, ई-कॉमर्स, डायनामिक प्राइसिंग, चिकित्सा उपकरणों, सेवा क्षेत्र और मूल्य नियंत्रण नीति जैसे क्षेत्रों में कीमतें आखिर कैसे तय होती हैं? यह लेख मूल्य निर्धारण की मौजूदा व्यवस्था, मुनाफे के गणित और उपभोक्ता हितों पर पड़ रहे उसके प्रभाव की विस्तृत पड़ताल करता है। भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश की विशाल जनसंख्या, बढ़ती क्रय क्षमता, डिजिटल विस्तार और उपभोक्तावादी संस्कृति ने भारतीय खुदरा बाजार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। अनुमान है कि वर्ष 2035 तक यह बाजार दोगुनी क्षमता हासिल कर लेगा।

बाजार में कीमतें कौन करता है तय? एमआरपी के पीछे छिपे फार्मूले और मुनाफे की सच्चाई

(विनोद के शाह)

दुनिया की सभी बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की निगाहें भारत के इसी विशाल उपभोक्ता बाजार पर टिकी हुई हैं। इसके साथ देश में ऑनलाइन व्यापार का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। प्रतिवर्ष लगभग 19 फीसद की दर से बढ़ता ई-वाणिज्य क्षेत्र आज भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। वर्ष 2024 में भारत ने अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ई-वाणिज्य बाजार बनने का दर्जा हासिल किया। पिछले वर्ष देश का ऑनलाइन खुदरा व्यापार लगभग 65 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें करीब तीस करोड़ सक्रिय उपभोक्ता रहे हैं। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक यह आंकड़ा 190 अरब डॉलर का होगा।देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग दस फीसद का योगदान देने वाला खुदरा व्यापार न केवल अर्थव्यवस्था की गति तय करता है, बल्कि महंगाई और मुद्रास्फीति के आंकड़ों को भी सीधे प्रभावित करता है। विडंबना यह है कि इतने विशाल और प्रभावशाली बाजार में वस्तुओं के मूल्य निर्धारण पर सरकार का कोई प्रभावी नियंत्रण दिखाई नहीं देता। बाजार में अधिकांश वस्तुओं की कीमत निर्माता स्वयं तय करता है और उपभोक्ता के पास उसे स्वीकार करने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। वर्ष 2013 में बाजार आधारित मूल्य निर्धारण व्यवस्था को व्यापक रूप से लागू किया गया। सरकार ने वस्तुओं पर अधिकतम खुदरा मूल्य अंकित करना अनिवार्य तो कर दिया, लेकिन यह तय करने की कोई वैज्ञानिक और पारदर्शी प्रक्रिया निर्धारित नहीं की कि किसी वस्तु की कीमत किस आधार पर तय होगी।

परिणामस्वरूप मूल्य निर्धारण का पूरा अधिकार निर्माता कंपनियों के हाथों में चला गया। निर्माता उत्पादन लागत, बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा, विज्ञापन खर्च, वितरण श्रृंखला, कमीशन और अपेक्षित मुनाफे को जोड़कर अपनी सुविधा अनुसार अधिकतम खुदरा मूल्य तय कर देते हैं। 'लीगल मेट्रोलॉजी अधिनियम' और 'पैकेज्ड कमोडिटी नियम' केवल यह सुनिश्चित करते हैं कि अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक कीमत वसूलना अपराध माना जाए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि यह मूल्य तय करने का वास्तविक आधार क्या होगा।

इसी सबसे बड़ी खामी ने उपभोक्ता संरक्षण की भारतीय अवधारणा को कमजोर किया है। स्थिति यह है कि ग्राहक को केवल पैकेट पर अंकित कीमत दिखाई जाती है, जबकि उस वस्तु की वास्तविक उत्पादन लागत उससे कई गुना कम हो सकती है। उपभोक्ता संरक्षण कानून ग्राहक को केवल मोलभाव का अधिकार देता है, लेकिन जब ग्राहक को वस्तु की वास्तविक लागत ही ज्ञात नहीं हो, तब मोलभाव का औचित्य मात्र औपचारिकता ही है।

देश की अधिकतम खुदरा मूल्य व्यवस्था उपभोक्ता हित के बजाय कंपनियों और मुनाफाखोर व्यापारिक तंत्र को संरक्षित करती प्रतीत होती है। अनेक उत्पादों में अधिकतम खुदरा मूल्य उत्पादन लागत से कई गुना अधिक रखा जाता है। जहां प्रतिस्पर्धा कम होती है या विकल्प सीमित होते हैं, वहां निर्माता उपभोक्ताओं से मनमाना मूल्य वसूलते हैं। किसी क्रीम, फेसवॉश या कॉस्मेटिक उत्पाद की कीमत उसके वास्तविक गुणों से अधिक उसके विज्ञापन पर निर्भर करती है।

करोड़ों रुपए के प्रचार अभियान उपभोक्ताओं की मानसिकता को प्रभावित करते हैं और उत्पाद का मूल्य कृत्रिम रूप से कई गुना बढ़ा दिया जाता है। दवा बाजार की स्थिति भी चिंताजनक है। सरकार ने कभी सस्ती चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा दिया था, लेकिन आज वही क्षेत्र मूल्य निर्धारण की सबसे बड़ी विसंगति का प्रतीक बन गया है।

यह एक अपवाद नहीं, बल्कि भारतीय दवा बाजार की वास्तविकता है। मरीज चिकित्सक के लिखे पर्चे के साथ पहली दुकान पर पहुंचता है, तो उसे वह जेनेरिक दवा अधिकतम खुदरा मूल्य या मामूली छूट के साथ दी जाती है। मगर वही मरीज जब अलग-अलग दुकानों पर कीमत की जानकारी लेता है, तो उसी ब्रांड की वही जेनेरिक दवा दस गुना कम कीमत पर भी उपलब्ध हो जाती है।

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण सूची में केवल कुछ गंभीर बीमारियों की दवाओं को ही मूल्य नियंत्रण के दायरे में रखा गया है। शेष दवाओं की कीमतें पूरी तरह कंपनियों और वितरकों की इच्छा पर निर्भर हैं। मरीजों से वसूली जाने वाली राशि में वास्तविक दवा लागत से अधिक कमीशन, ब्रांडिंग और व्यापारिक लाभ शामिल होते हैं। चिकित्सा उपकरणों की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आंखों में लगाए जाने वाले लेंस, हृदय रोग में प्रयुक्त स्टेंट और अन्य चिकित्सा उपकरणों की कीमतों में भारी असमानता दिखाई देती है।

ऑनलाइन बाजार ने मूल्य निर्धारण की विसंगतियों को और अधिक जटिल बना दिया है। उपभोक्ता को आकर्षित करने के लिए 'एक के साथ एक मुफ्त', 'अविश्वसनीय छूट', 'क्रेडिट कार्ड ऑफर' और 'कैशबैक' जैसे प्रलोभनों का सहारा लिया जाता है। एक ही वस्तु अलग-अलग भुगतान माध्यमों पर अलग-अलग कीमतों में उपलब्ध कराई जाती है। यह व्यवस्था न केवल उपभोक्ता के साथ भेदभाव है, बल्कि उसे अतिरिक्त बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं से जुड़ने के लिए भी बाध्य करती है। विदेशी ब्रांडों को भारतीय बाजार में कई गुना अधिक कीमत पर बेचा जाता है। विडंबना यह है कि खुले बाजार में इन्हीं ब्रांडों के नाम पर नकली उत्पादों की भरमार है। महामारी से लेकर युद्ध से उपजे संकट तक में बाजार में मुनाफाखोरी बढ़ती है। मूल्य नियंत्रण की प्रभावी नीति के अभाव में उपभोक्ता महंगाई का शिकार होता रहा है।

सेवा क्षेत्र में भी यही स्थिति दिखाई देती है। विमान कंपनियां मांग के अनुसार टिकटों की कीमतें बदलती रहती हैं। बीमा कंपनियां जोखिम और बाजार परिस्थिति के आधार पर प्रीमियम तय करती हैं। होटल, परिवहन और डिजिटल सेवाओं में भी 'डायनामिक प्राइसिंग' के नाम पर उपभोक्ता से अधिकतम वसूली की जाती है। इससे साफ है कि देश में बढ़ती महंगाई के पीछे केवल उत्पादन लागत में वृद्धि जिम्मेदार नहीं है, बल्कि वस्तुओं और सेवाओं का अनियंत्रित तथा मनमाना मूल्य निर्धारण भी एक बड़ा कारण है।

यह समय की मांग है कि सरकार मूल्य निर्धारण में लागत आधारित पारदर्शी नीति तैयार करे। किसी भी वस्तु का अधिकतम विक्रय मूल्य उसके वास्तविक उत्पादन खर्च, कर, परिवहन और सीमित लाभांश के आधार पर तय होना चाहिए, न कि केवल बाजार की मांग और उपभोक्ता की मजबूरी के आधार पर। देश में आवश्यक वस्तुओं, दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, शिक्षा सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के लिए स्वतंत्र मूल्य तय करने के वास्ते मूल्य निर्धारण आयोग का गठन किया जा सकता है। उपभोक्ता को यह जानने का अधिकार मिलना चाहिए कि जिस वस्तु के लिए वह भुगतान कर रहा है, उसकी वास्तविक लागत क्या है और उस पर कितना लाभ जोड़ा गया है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में बाजार का उद्देश्य केवल व्यापारिक लाभ नहीं, बल्कि उपभोक्ता के हितों की रक्षा करना भी होना चाहिए। (यह लेखक के अपने विचार है)

जिमखाना क्लब से खुली बहस- क्या लोकतंत्र में भी बची रहनी चाहिए 'खास' लोगों की दुनिया?

(राकेश सिन्हा)

क्लब को करोड़ों रुपए की वार्षिक आमदनी सदस्यों की विलासितापूर्ण गतिविधियों और सदस्यता शुल्क से होती है। पर इसी राजधानी में साढ़े सात सौ से अधिक झुग्गी-झोपड़ी इलाकों में रह रहे लगभग अस्सी लाख गरीब और मेहनतकश की जरूरतों पर क्लब का ध्यान तक नहीं गया।

राजधानी दिल्ली के जिमखाना क्लब का अभिप्राय क्या है? इस प्रश्न का जन्म उस विवाद के गर्भ से हुआ है, जो केंद्र सरकार द्वारा जमीन खाली करने के आदेश से उपजा है। इसका निर्माण 1913 में अंग्रेजों ने किया था। उपनिवेश के संसाधनों को लूटना और यहां के लोगों के श्रम और संसाधनों से अपनी विलासिता के लिए क्लबों और भवनों का निर्माण करना वे अपना नैसर्गिक अधिकार मानते थे।

अंग्रेज अपनी प्रकृति से क्रूर और विलासी थे। जनरल डायर और लुटियंस जैसे दोनों ही प्रकार के लोग उपनिवेश को अपने तरीके से नियंत्रित और विकसित कर रहे थे। सत्ताईस एकड़ भूमि में खाने-पीने-खेलने का क्लब लुटियंस ने बनाया, तो छह साल बाद जनरल डायर ने गोलियों से सैकड़ों लोगों को अमृतसर के जलियांवाला बाग में भून डाला था।

स्वतंत्र भारत के लिए नैतिक धर्म था एक को (जलियांवाला बाग) स्मृति का हिस्सा बना लेना तो दूसरे (जिमखाना क्लब) को विस्मृत कर देना। पर ऐसा हुआ नहीं। आखिर सौ साल बाद राजग सरकार ने 2019 में जलियांवाला बाग को अपेक्षित स्वरूप दिया और साथ में लुटियंस की विरासत को विस्मृत करने का उपक्रम शुरू किया। जिमखाना क्लब धरोहर नहीं है, न हो सकता है। उपनिवेशवाद की हर कृति को धरोहर मानकर पूजा करना मानसिक गुलामी को बनाए रखना है।

फ्रैंज फैनन एक बड़े विचारक हैं। उन्होंने औपनिवेशिक संरचनाओं को गुलामी का जीवंत प्रतीक माना था। उन संरचनाओं को विस्मृत कर स्वदेशी योजना, मन और संदर्भ से नई रचना बनाना उपनिवेशवाद को पूरी तरह दफनाने के लिए आवश्यक है। नेहरूवादी व्यवस्था को क्वीन विक्टोरिया, किंग एडवर्ड जैसों की मूर्तियों को हटाने में डेढ़ दशक लग गए, तो वे जिमखाना पर क्यों गौर करते!

जिमखाना क्लब ने सांकेतिक तौर पर भी लोकहित में ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे इसको नैतिक सरोकारों से जोड़ा जा सके। क्लब ने स्वैच्छिक रूप से ऐसा करना मुनासिब नहीं समझा, क्योंकि इससे 'खास' और 'आम' के बीच का अंतर मिटने लगता है। लोकतंत्र को व्यक्तियों और संस्थाओं की नैतिक भागीदारी से स्थायित्व मिलता है। उसके अभाव में यह सिर्फ संरचनात्मक व्यवस्था बनकर रह जाती है।

क्लब को करोड़ों रुपए की वार्षिक आमदनी सदस्यों की विलासितापूर्ण गतिविधियों और सदस्यता शुल्क से होती है। पर इसी राजधानी में साढ़े सात सौ से अधिक झुग्गी-झोपड़ी इलाकों में रह रहे लगभग अस्सी लाख गरीब और मेहनतकश की जरूरतों पर क्लब का ध्यान तक नहीं गया। वे संविधान के प्रावधानों के तहत विलासिता के विशेषाधिकार को बनाए रखना चाहते हैं।

मगर इसी संविधान की प्रस्तावना में 'समानता' का भी उल्लेख है। यह बात और है कि दशकों से ढोल की तरह इसका उपयोग शोर मचाने के लिए होता रहा है। 'समाजवादी प्रकार के समाज', 'गरीबी हटाओ' और 'लोकतांत्रिक समाजवाद' के नारों के बीच विलासिता और धन के विषम वितरण की संस्कृति फलती-फूलती रही। आम लोग न्यूनतम संसाधनों के मोहताज बने रहे और विशिष्ट लोग विलासिता को बनाए रखने के लिए व्यवस्था का उपयोग करते रहे। नवउदारवाद की जमीन ऐसे ही क्लबों और भोगवाद की संस्कृति से बनती है। कुछ भोगते हैं, शेष भुगतते हैं। स्वतंत्र भारत में भुखमरी, सम्मानपूर्वक जीवन जीने के साधनों से वंचित लोगों की बड़ी संख्या रही है। इसीलिए स्वतंत्रता के कई दशकों बाद दस करोड़ शौचालयों का निर्माण कराना पड़ा और भुखमरी की आशंका तथा संभावनाओं से निपटने के लिए इक्यासी करोड़ लोगों को सरकार निःशुल्क खाद्यान्न दे रही है। विषमता और विलासिता, दोनों के पास अपने तर्क होते हैं। उसमें संवेदनशीलता और सरोकार दोनों का कोई स्थान नहीं होता है। यह स्वकेंद्रित होता है, समाज-केंद्रित नहीं बन पाता है। जिस देश में जनजातीय समाज, ग्रामीण और शहरी गरीब परिश्रम से अपना अस्तित्व बचाए हुए हों, उसमें सार्वजनिक संपत्तियों का उपयोग खास बने रहने के लिए हो, यह अनैतिक और असंवैधानिक दोनों है। इसकी अनुभूति जिमखाना क्लब को जितनी जल्दी होगी, भारत की समृद्धि उतनी ही अधिक होगी। एक समृद्ध चेतना के लिए समृद्ध भवन और क्लब शायद आवश्यक नहीं होता है। (यह लेखक के अपने विचार है)

इलाज का 'मानक' ही पुरुष शरीर बन गया, तब पीछे छूट गई महिलाओं की सेहत

विश्व में महिलाओं की औसत आयु लगभग 73.8 वर्ष है, जो पुरुषों की औसत आयु करीब 68.4 वर्ष से अधिक है। फिर भी उनके जीवन का लगभग पच्चीस फीसद से अधिक समय खराब सेहत के साथ गुजरता है। दुनिया भर में व्यापक बदलाव हो रहे हैं। चिकित्सा विज्ञान ने असाध्य कही जाने वाली कई बीमारियों पर काबू पा लिया है। औसत आयु बढ़ी है और तकनीक ने इलाज को पहले से कहीं अधिक आधुनिक और आसान बना दिया है। आज भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में महिलाएं पहले की तुलना में दीर्घायु जीवन जी रही हैं। मगर यह भी सच्चाई है कि लंबी उम्र के बावजूद महिलाओं को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

(अमरपाल शर्मा)

संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन की हाल में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार करोड़ों महिलाएं आज भी ऐसी जिंदगी जी रही हैं, जिसमें दर्द है, उपेक्षा है, गलत इलाज है और एक ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था है, जो अब भी पुरुष शरीर को 'मानक' मान कर चलती है। दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं में प्रगति होने के बावजूद महिलाओं के लिए समान और संवेदनशील इलाज अब भी एक चुनौती है।

विश्व में महिलाओं की औसत आयु लगभग 73.8 वर्ष है, जो पुरुषों की औसत आयु करीब 68.4 वर्ष से अधिक है। फिर भी उनके जीवन का लगभग पच्चीस फीसद से अधिक समय खराब सेहत के साथ गुजरता है। यानी महिलाएं लंबे समय तक पुरानी बीमारियों और लगातार पीड़ा से त्रस्त रहती हैं। वे कई बार बिना इलाज या गलत निदान से भी जूझती हैं।

सवाल है कि आखिर महिलाओं के लिए अनुकूल और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं क्यों संभव नहीं हो पा रही हैं? क्यों महिलाओं और पुरुषों के लिए समान स्वास्थ्य सेवाएं विकसित नहीं की जा रही हैं? अगर इन सवालों का जवाब ईमानदारी से तलाशें, तो इस स्थिति के पीछे पितृसत्तात्मक सोच है, जिसमें महिलाओं को कमतर आंका जाता है और उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता है।

शिक्षित और आर्थिक रूप से सक्षम महिलाएं भी इससे बच नहीं पा रहीं। वे लगातार चिकित्सा पूर्वाग्रहों का सामना करती हैं। कई बार उनकी पीड़ा को 'भावनात्मक', 'हार्मोन संबंधी' या सामान्य कह कर टाल दिया जाता है। यही कारण है कि महिलाओं की सेहत का सवाल अब केवल चिकित्सा का विषय नहीं रहा, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता का सवाल भी बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि स्वास्थ्य व्यवस्था की अनेक संरचनाएं महिलाओं को केंद्र में रख कर नहीं बनाई गईं। इसे केवल अस्पतालों की कमी कह कर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, बल्कि यह उस सोच का परिणाम है जिसमें पुरुष शरीर को 'सामान्य' और महिला शरीर को 'विशेष परिस्थिति' मान लिया जाता है।

दुनिया भर में हृदय रोग महिलाओं की मौत की

सबसे बड़ी वजहों में शामिल है, लेकिन दिल के दौरे के जिन 'सामान्य' लक्षणों को चिकित्सा जगत लंबे समय से पहचानता रहा है, वे अधिकतर पुरुषों के अनुभवों पर आधारित रहे हैं। महिलाओं में दिल की बीमारी के संकेत कई बार अलग रूप में सामने आते हैं। अत्यधिक थकान, मितली, सांस फूलना, पीठ या जबड़े में दर्द जैसे लक्षणों को अक्सर गंभीरता से नहीं लिया जाता।

महिलाओं में हृदय रोग का पता अक्सर देर से चलता है

यही वजह है कि महिलाओं में हृदय रोग का पता अक्सर देर से चलता है। दिल का दौरा पड़ने के बाद महिलाओं में मृत्यु का खतरा पुरुषों की तुलना में अधिक देखा जाता है। कई मामलों में उनकी शिकायतों को सामान्य मान कर अस्पताल से वापस भेज दिया जाता है, जिससे स्थिति गंभीर हो जाती है। इसी तरह माहवारी, माइग्रेन, हार्मोन असंतुलन और रजोनिवृत्ति जैसी समस्याओं को अक्सर 'सामान्य' कह कर टाल दिया जाता है। लाखों महिलाएं वर्षों तक दर्द सहती रहती हैं। इस कारण कई बार उनकी गंभीर बीमारियां छिपी रह जाती हैं। अगर भारत की स्थिति पर नजर डालें, तो देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में मातृत्व पर अपेक्षाकृत अधिक ध्यान दिया गया है। गर्भावस्था, प्रसव और शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं में सुधार भी हुआ है। जननी सुरक्षा योजना, आशा कार्यकर्ता और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने जैसी पहलों ने सकारात्मक प्रभाव डाला है, लेकिन समस्या यह है कि महिला स्वास्थ्य को अब भी 'मातृत्व' तक सीमित कर दिया जाता है। जबकि एक महिला की पहचान केवल मां के रूप में ही नहीं होती। किशोरावस्था, कामकाजी जीवन, मानसिक स्वास्थ्य, वृद्धावस्था और रजोनिवृत्ति से जुड़ी उसकी जरूरतों पर अब भी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा।

'द लांसेट' में प्रकाशित एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार पिछले तीन दशकों में दुनिया भर में मातृ मृत्यु दर में कमी आई है। हालांकि हाल के वर्षों में इस सुधार की रफ्तार धीमी पड़ती दिखाई दे रही है। वर्ष 2023 में दुनिया भर में लगभग करीब ढाई लाख महिलाओं की मौत गर्भावस्था और प्रसव से जुड़ी जटिलताओं के कारण हुई। इससे स्पष्ट है कि आज भी अनेक देशों, विशेषकर निम्न और मध्य आय वाले देशों में मातृत्व महिलाओं के लिए जोखिम भरा है। भारत उन देशों में शामिल है जहां मातृ मृत्यु के मामले सबसे अधिक दर्ज किए जाते हैं। वर्ष 2023 में देश में करीब 24,700 महिलाओं की मृत्यु गर्भावस्था और प्रसव से संबंधित कारणों से हुई। मानसिक स्वास्थ्य के मामले में भी महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। घरेलू दबाव, आर्थिक निर्भरता, हिंसा, सामाजिक अपेक्षाएं और लगातार श्रम उनके मानसिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करते हैं। फिर भी बड़ी संख्या में महिलाएं अवसाद, चिंता और मानसिक थकान का इलाज नहीं करा पातीं। इसका कारण केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक सोच भी है। महिलाओं की तकलीफ को अक्सर कमजोरी, ज्यादा सोचने की आदत या घरेलू चिंता कह कर नजरअंदाज कर दिया जाता है। गांवों में स्थिति और जटिल है। वहां स्वास्थ्य सुविधाओं की दूरी, महिला चिकित्सकों की कमी, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक संकोच मिल कर महिलाओं के लिए इलाज को कठिन बना देते हैं। कई परिवारों में पुरुष सदस्यों की बीमारी को लेकर ही चिंता की जाती है, जबकि महिलाएं तब तक इलाज नहीं करातीं, जब तक स्थिति गंभीर न हो जाए। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों से बार-बार यह बात सामने आई है कि देश में बड़ी संख्या में महिलाएं एनीमिया और कुपोषण की शिकार हैं। ऐसे में हालात बदलने के लिए कदम उठाने होंगे। विद्यालय स्तर पर किशोरियों को स्वास्थ्य, पोषण और मानसिक स्थिति के बारे में जरूरी शिक्षा दी जानी चाहिए। माहवारी और प्रजनन स्वास्थ्य को शर्म के बजाय जब सामान्य स्वास्थ्य की तरह देखा जाएगा, तभी स्थितियां बदलेंगी। कार्यस्थलों पर महिलाओं के स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन के लिए संवेदनशील नीतियां बनानी होंगी। वृद्ध महिलाओं के स्वास्थ्य को भी सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति में अधिक महत्त्व देना होगा, क्योंकि अक्सर उनकी समस्याओं को 'उम्र का असर' कह कर टाल दिया जाता है। हमें यह समझना होगा कि महिला स्वास्थ्य केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है।

दुर्घटना में मां-बेटे की मौत

बाइक से मामा के घर जा रहे थे दोनों

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधुपुर। मामा के घर जा रहे एक मां-बेटे की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई, जिससे उनके परिवार की खुशियां अचानक मातम में बदल गईं। बाइक पर सवार होकर अपनी मां को उनके मायके पहुंचाने जा रहा बेटा रास्ते में चार पहिया वाहन की चपेट में आ गया। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे घर में कोहराम मच गया है।

यह घटना मधुपुर अनुमंडल के बुढ़ई थाना क्षेत्र अंतर्गत धनबाद-भिरखीबाद बाईपास सड़क पर कुसमाहा-नोनियाद गांव के बीच नैयाडीह के गांव समीप शुक्रवार को घटित हुई है।

हादसे में मां और बेटे की मौत हो गई। जबकि महिला की सात वर्षीय भांजी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। घटना की सूचना पर महिला की मायके व ससुराल क्षेत्र में अचानक शोक में डूब गया।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि बुढ़ई थाना क्षेत्र के धमनी हरला गांव, सिलगड़िया निवासी

22 वर्षीय रंजीत मंडल अपनी तुसिया देवी (38 वर्ष) अपनी सात वर्षीय भगीनी नतनी को लेकर मोटरसाइकिल से मामा के घर जा रहा था।

इसी दौरान नयाडीह के पास विपरीत दिशा से आ रही एक चारपहिया वाहन से आमने सामने टक्कर हो गई। घटनास्थल पर महिला तुसिया देवी की मौत हो गई। जबकि महिला का 22 वर्षीय बेटा रंजीत मंडल और सात वर्षीय नतनी अन्नु कुमारी गंभीर रूप घायल हो गए।

जोरदार आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए। इसकी जानकारी बुढ़ई थाना की पुलिस को दी। 108 एम्बुलेंस

सात वर्षीया भांजी गंभीर रुप से जख्मी

बुलाया गया। दोनों घायलों की इलाज के लिए एंबुलेंस से अनुमंडल अस्पताल भेजा गया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिकी उपचार कर दोनों को बेहतर इलाज हेतु रेफर कर दिया। लेकिन देवघर में सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने रंजीत मंडल को मृत घोषित कर दिया। वहीं, सात वर्षीय बच्ची का इलाज देवघर में चल रहा है।

बताया जाता है कि चार पहिया वाहन (कार) में लोग सवार धनबाद से देवघर पूजा-अर्चना के लिए जा रहे थे। वहीं, घटना की जानकारी मिलने पर ही बुढ़ई थाना प्रभारी मनोरंजन महतो पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मृतका के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए देवघर सदर अस्पताल भेज दिया गया।

पुलिस ने दुर्घटना में शामिल चारपहिया वाहन और उसके चालक को कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच की जा रही है तथा दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

स्मैक के साथ दो धराए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी /कटिहार। बलिया बेलौन पुलिस ने गुरुवार के रात में गश्ती के दौरान पचगाछी आम बगीचा के पास बाइक सवार को रोक कर तलाशी लेने पर संदिग्ध पैकेट मिलने पर दोनों बाइक सवार को थाना लाने के बाद पैकेट की तफ्तीश करने इसमें स्मैक जैसा पदार्थ मिलने पर इस की जांच की गयी। थानाध्यक्ष शाहिद हुसैन ने बताया की एक पैकेट मिला। इस में 107 ग्राम स्मैक जैसे मादक पदार्थ के साथ दो युवक को गिरफ्तार किया है। पुछताछ करने पर अपना नाम तालीब और अशद बताया है। तस्कर ने स्वीकार किया है की स्मैक सप्लाई करने जा रहा था। मामले में आरोपी के पास से एक बाइक और मादक पदार्थ बरामद किया गया है। संदिग्ध पैकेट मिलने पर वरीय पदाधिकारी को इसकी जानकारी दी गयी है। आरोपी के पास से कुल 107 ग्राम स्मैक जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया है। बलिया बेलौन थाना कांड संख्या दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे कटिहार न्यायालय भेज दिया गया। यह कार्रवाई मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे पुलिस अभियान की एक अहम कड़ी मानी जा रही है।

सीओ से परेशान युवक चढ़ा टावर पर, मचा हड़कम्प

छह महीने से काट रहा था अंचल कार्यालय का चक्कर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटकमदाग। बीते मंगलवार की सुबह बानादाग में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक अपनी जमीन के दाखिल-खारिज की मांग को लेकर सीधे एयरटेल के मोबाइल टावर पर चढ़ गया।

करीब सौ फीट ऊंचाई पर खड़े युवक की आवाज नीचे खड़े लोगों तक गूंज रही थी– इछह महीने से कार्यालय का चक्कर काट रहा हूं, अगर आज मेरा दाखिल-खारिज नहीं हुआ तो मैं यहीं से कूदकर जान दे दूंगा।इ युवक की पहचान चतरा जिले के टंडवा प्रखंड के कटही गांव निवासी स्वर्गीय गोविंद महतो के 28 वर्षीय पुत्र विकास कुमार के रूप में हुई है। विकास ने कटकमदाग अंचल क्षेत्र के फतहा गांव में जमीन खरीदी थी। जमीन खरीदने के बाद उसने दाखिल-खारिज के लिए आवेदन दिया, लेकिन उसका आरोप है कि पिछले छह माह से उसे केवल आश्वासन ही मिल रहा था।

कभी फाइल देखने की बात कही जाती, तो कभी किसी अन्य प्रक्रिया का हवाला देकर उसे वापस भेज दिया जाता। मंगलवार सुबह जब उसकी सहनशक्ति जवाब दे गई तो वह सीधे बानादाग स्थित एयरटेल के मोबाइल टावर पर चढ़ गया।

देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों के कदम थम गए और हर किसी की नजर टावर की चोटी पर खड़े युवक पर टिक गई। नीचे खड़े लोग उसे समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन वह अपनी मांग पर अड़ा रहा।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। काफी देर तक चले मान-मनौव्वल और बातचीत के बाद अधिकारियों ने उसकी समस्या का समाधान कराने का भरोसा दिया। इसके बाद युवक टावर से नीचे उतरने को तैयार हुआ, तब जाकर प्रशासन और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

घटना के बाद लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा कि यदि एक साधारण दाखिल-खारिज के लिए किसी व्यक्ति को अपनी जान जोखिम में डालनी पड़े, तो यह व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। झारखंड के सीओ कार्यालय में बिना रिश्वत कोई काम नहीं होता। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय पर सुनवाई होती तो शायद युवक को अपनी आवाज बुलंद करने के लिए टावर की ऊंचाई का सहारा नहीं लेना पड़ता।

मंडल कारा प्रशासन ने रुकवायी शादी

दिया सुरक्षा कारणों का हवाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद मंडल कारा परिसर स्थित शिव मंदिर शुक्रवार को उस समय चर्चा का केंद्र बन गया, जब एक प्रेमी युगल सनातन रीति-रिवाज से विवाह की रस्में पूरी करने वहां पहुंच गया। शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी थीं।

मंडप सज चुका था, प्रेमी-प्रेमिका भी बैठ चुके थे और पंडित मंत्रोच्चारण के साथ विवाह संस्कार शुरू करा रहे थे। इसी दौरान जेल प्रशासन को इसकी सूचना मिली और पूरा कार्यक्रम बीच में ही रोक दिया गया। प्रशासन की दखल के बाद जोड़े को बिना रस्में पूरी किए वापस लौटना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, बिहार के आरा निवासी दिलीप यादव और धनबाद के पाथरडीह की रहने वाली कंचन पहले ही कोर्ट मैरिज कर चुके हैं। कानूनी रूप से पति-पत्नी बनने के बाद दोनों परिवारों की इच्छा थी कि हिंदू रीति-रिवाज से भी विवाह की रस्में पूरी की जाएं। इसी उद्देश्य से दोनों पक्षों के परिजन मंडल कारा परिसर स्थित शिव मंदिर पहुंचे थे। विवाह की सभी तैयारियां कर ली गई थीं और रस्में भी शुरू हो चुकी थीं।

मंदिर में विवाह समारोह चल रहा था और परिजन पूजा-पाठ की व्यवस्था में जुटे थे। इसी बीच किसी माध्यम से इसकी सूचना जेल प्रशासन तक पहुंच गई।

सूचना मिलते ही जेलर दिनेश कुमार गुप्ता मौके पर पहुंचे और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए विवाह की रस्में तत्काल रोकने का निर्देश दिया।

जेलर ने स्पष्ट किया कि मंडल कारा परिसर एक संवेदनशील क्षेत्र है और बिना पूर्व अनुमति किसी भी निजी आयोजन की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसलिए मंदिर में विवाह संपन्न कराना संभव नहीं है।

बीसीसीएल की गिरी चहारदीवारी

टला हादसा, मौके पर पहुंचे पदाधिकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। बीसीसीएल पूर्वी झरिया क्षेत्र के भौंरा में संचालित आउटसोर्सिंग परियोजना की सुरक्षा के लिए कुछ माह पूर्व लाखों रुपये की लागत से निर्मित प्री-कास्ट बाउंड्री वाल का एक बड़ा हिस्सा शुक्रवार को अचानक धराशायी हो गया।

करीब 60 से 70 फीट लंबी दीवार गिरने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। हालांकि घटना के समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि परियोजना के चारों ओर सुरक्षा के मद्देनजर चाहरदीवारी का निर्माण कराया गया था, ताकि खदान क्षेत्र में ग्रामीणों, राहगीरों और पशुओं के गिरने की आशंका को रोका जा सके। परियोजना के समीप से गांव जाने का रास्ता भी गुजरता है, जिससे लोगों की आवाजाही बनी रहती है।

ग्रामीणों के अनुसार, इसी परियोजना में पूर्व में एक व्यक्ति खदान क्षेत्र में

गिर गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इसके अलावा कई बार मवेशी भी खदान में गिर चुके हैं। इन घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा के उद्देश्य से बाउंड्री वाल का निर्माण कराया गया था।

लोगों का कहना है कि यदि दीवार गिरने के समय वहां कोई राहगीर या ग्रामीण मौजूद होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। दीवार के गिरने से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि बाउंड्री वाल की नींव निर्धारित मानकों के अनुरूप गहरी नहीं बनाई गई थी। साथ ही पिलरों की ढलाई और मजबूती पर भी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया।

लोगों का कहना है कि निर्माण में बरती गई लापरवाही के कारण ही कुछ महीनों में दीवार भरभराकर गिर गई। ग्रामीणों ने पूरे निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषी ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

घटना की सूचना मिलते ही बीसीसीएल पूर्वी झरिया क्षेत्र के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने क्षतिग्रस्त हिस्से का निरीक्षण किया तथा जल्द ही नई और मजबूत बाउंड्री वाल का निर्माण कराने का आश्वासन दिया।

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि खदान क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़ी संरचनाओं के निर्माण में किसी भी तरह की लापरवाही गंभीर परिणाम ला सकती है।

ड्रोन दीदी खेतों तक पहुंचा रही नई तकनीक

किसान हो रहे लाभांवित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। अब जमाना एआई का है। ऐसे में तकनीक की दखल हर क्षेत्र में बढ़ रही है। इसके जरिए धरतीपुत्र किसानों को उनकी फसलों व पशुओं की सुरक्षा भी प्रदान की जा रही है। किसानों को नई-नई तकनीकों से जोड़कर उनकी लागत कम करने और आमदनी बढ़ाने के सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं।

संताल परगना भी इससे अछूता नहीं है। दुमका, गोड्डा और साहिबगंज जिले में ड्रोन दीदी और ड्रोन इंटरप्रिन्योर किसानों के खेतों तक पहुंच बनाकर न सिर्फ ड्रोन के माध्यम से उर्वरकों का छिड़काव कर रहे हैं, बल्कि कीटनाशकों के जरिए कीट प्रबंधन कर फसलों की रक्षा भी कर रहे हैं।

खास बात यह है कि ड्रोन दीदी और ड्रोन इंटरप्रिन्योर को विशेष रूप से ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण दिया गया है। ऐसे में ड्रोन के जरिए खेतों में न सिर्फ कीट प्रबंधन संभव हो रहा है, बल्कि फसलों की उत्पादकता भी बढ़ रही है।

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि कृषि में कीटों का बहुत महत्व है। इनके बिना उत्पादन संभव नहीं है। समस्या तब आती है जब इनकी संख्या बढ़कर उत्पादन को प्रभावित करने लगती है और फसलों को नुकसान पहुंचाती है। इसके लिए कई कारक जिम्मेदार हैं।

मित्र एवं शत्रु कीटों की पहचान तथा उनकी सुरक्षा और नियंत्रण के बीच संतुलन बनाना सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। रसायनों के अनुचित प्रयोग से लाभकारी एवं मित्र कीटों की संख्या कम हो जाती है।

प्राकृतिक रूप से शत्रु कीटों की पहचान और उनका उपयोग कीट

कम रही लागत, बढ़ रही आमदनी

नियंत्रण में अब भी सीमित है। नई तकनीकों, विशेषकर ड्रोन के उपयोग से कम दवा में अधिक क्षेत्र में कीट नियंत्रण संभव हो रहा है। गंध पाश एवं प्रकाश प्रपंच भी कीटों की संख्या कम करने में मददगार हैं। ये वातावरण को नुकसान पहुंचाए बिना उत्पादकता बढ़ाने में सहायक हैं।

दुमका के जरमुंडी, शिकारीपाड़ा, सरैयाहाट, रामगढ़ समेत अधिकांश प्रखंडों के किसान अब नई तकनीक से कीट प्रबंधन करना सीख चुके हैं। इससे उनकी लागत कम हुई है और उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है।

साहिबगंज की शिप्रा कुमारी स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही हैं, लेकिन किसान और ग्रामीणों के बीच उनकी पहचान ड्रोन दीदी के रूप में है। शिप्रा पिछले दो वर्षों से साहिबगंज के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में किसानों के खेतों में जाकर ड्रोन के जरिए उर्वरक और कीटनाशकों का छिड़काव कर रही हैं।

शिप्रा बताती हैं कि वह इफको से जुड़कर सबसे पहले उत्तर प्रदेश के फूलपुर में नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत 15 दिनों का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं। इसके बाद पहले गोड्डा और अब साहिबगंज में इफको द्वारा उपलब्ध कराए गए ड्रोन और तीन पहिया टेंपो के माध्यम से किसानों के खेतों में छिड़काव का कार्य कर रही हैं।

इसके एवज में उन्हें प्रति एकड़ 300 रुपये मिलते हैं। शिप्रा कहती हैं कि फसल सीजन में उनकी औसत कमाई 40 से 50 हजार रुपये तक हो जाती है। ग्रामीण इलाकों में आने वाली चुनौतियों पर वह कहती हैं कि किसानों को जागरूक करने की नितांत आवश्यकता है। इसके लिए अभियान मोड में काम करने की जरूरत है। तभी किसान पारंपरिक कृषि पद्धति से बाहर निकल पाएंगे।

सीएचसी प्रभारी के विरूद्ध चौथे दिन भी धरना जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिरनी । झारखंड के गिरिडीह जिले के बिरनी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. साकिब जमाल के खिलाफ प्रखंड कार्यालय परिसर में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना चौथे दिन भी जारी रहा। धरनार्थी अस्पताल में कथित वित्तीय अनियमितता और फर्जी बहाली के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर डटे हुए हैं।

धरना समाप्त कराने के उद्देश्य से जिला असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के निर्देश पर गिरिडीह सदर प्रभारी डॉ. सचिन कुमार, बिरनी बीडीओ फणीश्वर रजवार एवं सीओ संदीप मधेसिया धरना स्थल पहुंचे। अधिकारियों ने करीब तीन घंटे तक धरनार्थियों से वार्ता कर आंदोलन समाप्त करने का प्रयास किया।

इस दौरान डॉ. सचिन कुमार ने कहा कि अस्पताल की जांच में कई

अनियमितताएं सामने आई हैं और जांच रिपोर्ट सिविल सर्जन को सौंप दी गई है। उन्होंने बताया कि सिविल सर्जन आगे की कार्रवाई के लिए उपायुक्त एवं स्वास्थ्य विभाग को पत्र भेजेंगे।

हालांकि धरनार्थियों ने अधिकारियों के आश्वासन को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि अनियमितता में शामिल सभी लोगों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की जाए तथा फर्जी तरीके से बहाल किए गए आउटसोर्सिंग कर्मियों से राशि की वसूली कर उसकी प्रतिलिपि उपलब्ध कराई जाए।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक धरना जारी रहेगा। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आम लोगों की गलती पर तत्काल कार्रवाई होती है, लेकिन अधिकारियों और कर्मियों के मामलों में देरी क्यों की जाती है।

गौरतलब है कि सीएचसी बिरनी में 66 लाख रुपये की कथित अनियमितता तथा 12 एएनएम, एनएम, जीएनएम और फार्मासिस्ट की फर्जी पुनर्बहाली के आरोपों को लेकर सिमराढाब निवासी दिनेश तुरी और आशीष कुमार मोदी 2 जून से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं।

जनता दरबार में 68 मामलों की हुई सुनवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। सात निश्चय 3.0 के अंतर्गत संचालित सबका सम्मान-जीवन आसान कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को समाहरणालय स्थित परमान सभागार में डीएम विनोद दूहन की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों की सुनवाई की गई। जनता दरबार में कुल 68 मामलों की सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को सभी मामलों का त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान कुर्साकांटा प्रखंड के डहुआबाड़ी निवासी मो0 अली कलाम ने सरकारी जमीन को ग्रामीणों द्वारा बेचे जाने की शिकायत दर्ज कराई गई। वहीं जोकीहाट प्रखंड अंतर्गत चिल्हहनियां पंचायत के मलहारिया गांव के ग्रामीणों ने सामूहिक आवेदन देकर स्वास्थ्य उपकेन्द्र की भूमि को अतिक्रमण से बचाने तथा स्वास्थ्य उपकेन्द्र का नियमित संचालन सुनिश्चित कराने की मांग की। रानीगंज प्रखंड के खरहट बारमोतरा निवासी कौशल्या देवी ने खरीदी गई केवाला भूमि को फर्जी व्यक्ति खड़ा कर बेच दिए जाने की शिकायत की। कुसार्कांटा प्रखंड के लक्ष्मीपुर निवासी जयनारायण पासवान ने लाल कार्ड की जमीन पर दखल-कब्जा दिलाने का अनुरोध किया। नरपतगंज के गोखलापुर निवासी योगधार राम ने जमाबंदी में हुई प्रविष्टि त्रुटियों को सुधारने हेतु आवेदन दिया। वहीं बड़ेपारा निवासी राजेंद्र ऋषिदेव ने भूमि बंदोबस्ती की मांग की। गोपालपुर परिहर निवासी मो. सब्बीर बासित ने पर्चा निर्गत करने का अनुरोध किया, जबकि तिलकोबाड़ी निवासी उजलेफा खातून ने भूमि नामांतरण की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की। भगत टोला निवासी गोपी लाल ने रैयती भूमि को नियमों के विरुद्ध अयोग्य व्यक्तियों एवं ट्रस्ट के नाम किए जाने की शिकायत की।

होटल मालिकों को प्रशासन ने थमाया नोटिस

दिल्ली हादसे के बाद जागा स्थानीय प्रशासन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। दिल्ली के एक होटल में आग लगने से 21 लोगों की मौत के बाद होटलों की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। इसके साथ ही सुरक्षा को लेकर जिम्मेदार सिस्टम जाग उठा है। दुमका में भी होटलों की सुरक्षा की जांच की जा रही है।

दुमका के कई होटलों में सुरक्षा संबंधी नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जिला प्रशासन और अग्निशमन विभाग की टीम ने शहर के दो होटलों में सुरक्षा मानकों की जांच की। नियमों का पालन नहीं करने पर दोनों होटल संचालकों को नोटिस जारी किया गया है।टीम सबसे पहले थाना रोड स्थित होटल रॉयल मैजिस्टिक पहुंची। जांच के दौरान वहां फायर अलार्म सिस्टम और फायर एक्सटिंग्विशर की वैधता समाप्त (एक्सपायर) पाई गई। साथ ही स्मोक डिटेक्टर भी चालू हालत में नहीं मिला। वहीं होटल सूर्या में आग लगने की स्थिति में बचाव के लिए आवश्यक स्प्रिंकलर सिस्टम नहीं था। इसके अलावा वहां फायर अलार्म, अग्निशमन विभाग की एनओसी तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यक एडवाइजरी भी उपलब्ध नहीं थी।

जांच में सामने आया कि दोनों होटलों में ठहरने वाले यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही बरती जा रही थी। आग जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन और व्यवस्थाएं मौजूद नहीं थीं। एसडीओ कौशल कुमार, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी शीतांशु खलको, सदर डीएसपी दिलीप खालको तथा अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की गहन जांच की।एसडीओ ने बताया कि दोनों होटलों में फायर सेफ्टी के आवश्यक उपकरणों के साथ-साथ अन्य सुरक्षा मानकों की भी अनदेखी की जा रही थी। दोनों प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया गया है।

पत्नीहंता को आजीवन कारावास

कटिहार कोर्ट। जिला व्यवहार न्यायालय के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय सुनील कुमार सिंह ने पत्नी की हत्या के मामले में दोषी पाते हुए कटिहार नगर थाना क्षेत्र के शंकरपुर रामपाड़ा निवासी अर्जुन मंडल पिता शिवचरण मंडल को आजीवन कारावास की सजा सुनायी है।साथ ही मामले में पच्चीस हजार अर्थदंड देने का आदेश भी दिया गया है। अर्थ दंड नहीं देने पर एक वर्ष अतिरिक्त कारावास का आदेश भी दिया गया है। इस सत्रवाद में अभियोजन की ओर से शिवनारायण सिंह थे। जिन्होंने बताया कि इस मामले में नौ गवाहों की गवाही भी हुई है। सजा सुनाने के बाद आरोपित को न्यायिक अभिरक्षा में लेते हुए जेल भेज दिया गया है। बताना होगा कि कदवा थाना अंतर्गत कुर्सेल निवासी निरंजन प्रसाद दास ने नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कहा था कि उनकी बेटी कंचन देवी की शादी अर्जुन मंडल के साथ बारह वर्ष पहले हुई है। 25 दिसंबर 2014 को सूचना मिली कि उसकी पुत्री कंचन देवी को उसके पति अर्जुन मंडल ने दबिया से प्रहार कर जख्मी कर दिया है।

सलीमा टेटे बनीं महिला हॉकी नेशन्स कप 2025-26 की कप्तान

टीम में झारखण्ड की तीन खिलाड़ियों को मिली जगह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिमडेगा। हॉकी इंडिया ने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक आयोजित होने वाले एफआईएच महिला हॉकी नेशन्स कप 2025-26 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। टीम में झारखंड की तीन खिलाड़ियों को जगह मिली है।

इनमें सिमडेगा की स्टार मिडफील्डर सलीमा टेटे को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। जबकि खूंटी की अनुभवी डिफेंडर निक्की प्रधान और सिमडेगा की उभरती मिडफील्डर दीपिका सोरेंग भी टीम का हिस्सा है। सलीमा टेटे भारतीय महिला हॉकी की प्रमुख खिलाड़ियों में गिनी जाती हैं।

वहीं निक्की प्रधान 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों का अनुभव रखती हैं। तीनों खिलाड़ी हाल ही में भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे में भी शामिल थी। सलीमा टेटे और दीपिका सोरेंग सिमडेगा जिले की रहने वाली हैं, जबकि निक्की प्रधान खूंटी जिले से संबंध रखती हैं। तीनों वर्तमान में रांची रेलवे विभाग में कार्यरत हैं। इस टूर्नामेंट में भारत को पूल-ए में जापान, अमेरिका और उरुग्वे के साथ रखा गया है। भारत अपना पहला मुकाबला 15 जून को अमेरिका के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 16 जून को जापान और 18 जून को उरुग्वे से भिड़ंत होगी।

प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले 20 जून तथा फाइनल 21 जून को खेले जाएंगे। टीम में सविता और बिचु देवी गोलकीपर के रूप में शामिल हैं। इसके अलावा निक्की प्रधान, सुशीला चानू, शिल्पी डाबास, सलीमा टेटे, दीपिका सोरेंग, लालरेमसियामी, नवनीत कौर और रुतुजा पिसाल समेत अन्य खिलाड़ियों को भी मौका मिला है।

झारखंड की तीन खिलाड़ियों के चयन पर हॉकी सिमडेगा, हॉकी झारखंड के उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी सहित खेल विभाग के पदाधिकारियों ने खुशी जताई है।

उन्होंने कहा कि राज्य की बेटियां लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। वर्तमान में जापान में चल रहे अंडर-18 एशिया कप में भी झारखंड के 8 खिलाड़ी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मुख्य अभियंता (निर्माण)/II/दक्षिण पूर्व रेलवे, गार्डन रीच, कोलकाता-700043 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है जिन्हें वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किया गया है। निविदा निर्धारित तारीख को **दोपहर 12:00 बजे** बंद कर दी जाएगी। **क्रम संख्या:** 1। **ई-निविदा सूचना संख्या: 4627-जीआरसी-सीई-सी-II-11-2026, दिनांक: 04.06.2026। कार्यों का संक्षिप्त विवरण:** अभियांत्रिकी, प्राप्ति एवं निर्माण (ईपीसी) पद्धति पर दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में सीनी एवं कांड्रा जंक्शन के बीच तृतीय लाइन के लिए किमी 400.169 से किमी 391.898 अर्थात 8.271 किमी तथा चतुर्थ लाइन के लिए किमी 403.005 से किमी 392.300 अर्थात 10.705 किमी, कुल 18.976 किमी का निर्माण, उसी स्ट्रेच में वर्तमान ट्रैक की सम्पूर्ण गेज परिवर्तन, सिविल इंजीनियरिंग कार्य: नए ट्रैक एलाइनमेंट के लिए कटाई, भराई, बलैंकेटिंग, टर्फिंग सहित गठन में भूमि कार्य, छोटे पुलों का विस्तार एवं मज़बूतीकरण तथा बड़े पुलों का निर्माण, उचित निकासी के लिए साइड ड्रेन का निर्माण, स्थायी रास्ते का कार्य सहित ट्रैक की लिंकिंग तथा एलाइनमेंट, रेलवे स्पेसिफिकेशन के अनुसार 50 मिमी मशीन चूर्ण स्टोन बैलास्ट की आपूर्ति एवं बिछाना, नई लाइनों तथा गेज की बदली के सहयोग के लिए सीनी और कांड्रा ब्लॉक खण्डों में सम्बंधित सिविल तथा ट्रैक कार्य, सीनी-कांड्रा ब्लॉक खंड में तृतीय तथा चतुर्थ लाइनों के लिए सिविल कार्यों की सुविधाओं के लिए बाधाओं को दूर करने के सम्बन्ध में इंडोर एवं आउटडोर एस एंड टी कार्यों का सम्पादन, साधारण विद्युतीय कार्यों का सम्पादन, ट्रैक्शन एवं विद्युत आपूर्ति के लिए ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) की स्थापना एवं शुरुआत के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध। **अनुमानित लागत:** ₹ 157.27 करोड़। **बोली प्रतिभूति:** ₹ 3,14,53,400। **पूरा करने की अवधि:** 24 महीने। **क्रम संख्या:** 2। **ई-निविदा सूचना संख्या: 4628-जीआरसी-सीई-सी-II-12-2026, दिनांक: 04.06.2026। कार्यों का संक्षिप्त विवरण:** अभियांत्रिकी, प्राप्ति एवं निर्माण (ईपीसी) पद्धति पर दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में चांडिल-पुरुलिया खंड की तृतीय लाइन कार्य के सम्बन्ध में तृतीय लाइन का निर्माण कार्य सहित भारतीय रेल मानक लोडिंग के डीएफसी फीडर रूट के लिए भूमि कार्य, ब्लैंकेटिंग, छोटे पुलों, बड़े पुलों, समपार कार्य तथा अन्य विविध कार्य, इंडोर एवं आउटडोर एस एंड टी कार्य का सम्पादन, साधारण विद्युतीय कार्यों का संपादन, ट्रैक्शन एवं विद्युत आपूर्ति के लिए ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) की स्थापना एवं शुरुआत। **अनुमानित लागत:** ₹ 292.66 करोड़। **बोली प्रतिभूति:** ₹ 5,85,31,900। **पूरा करने की अवधि:** 36 महीने। **बंद होने की तारीख:** 23.07.2026 को दोपहर 12.00 बजे (भा.मा.स.) तक (क्रम संख्या 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए)। **पूर्व-बोली बैठक:** दिनांक: 15.06.2026, समय: दोपहर 12.00 बजे (क्रम संख्या 1 के लिए) एवं अपराह्न 3.00 बजे (क्रम संख्या 2 के लिए)। स्थान: मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), 11, गार्डन रीच रोड, कोलकाता-700043 का कार्यालय (क्रम संख्या 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए)। निविदा के सम्पूर्ण विवरण/ब्योरा/स्पेसिफिकेशन के लिए इच्छुक निविदादाता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं और अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इन मदों के लिए किसी भी परिस्थिति में मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। **वि.द्र.:** अन्य सभी निविदाओं में भाग लेने के लिए भावी बोलीदाता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** नियमित रूप से देख सकते हैं।

(PR-278)

विदेशी निवेशकों को बड़ी राहत, सरकार ने खत्म किया कैपिटल गेन टैक्स, अब थमेगी रुपये की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने विदेशी संस्थागत निवेशकों और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स को सरकारी सिक्योरिटीज की बिक्री या उनसे मिलने वाले ब्याज से होने

वाली कमाई पर कैपिटल गेन टैक्स खत्म कर दिया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फैसला एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के जरिए लिया गया है क्योंकि संसद का सत्र नहीं चल रहा है। इसका मकसद ज्यादा विदेशी पूंजी आकर्षित करना और रुपये की गिरावट को थामना है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में बिकवाली से इस साल रुपया डॉलर के मुकाबले करीब 5 प्रतिशत कमजोर हुआ है। राष्ट्रपति द्वारा जारी इनकम-टैक्स (संशोधन) अध्यादेश, 2026 में इनकम-टैक्स एक्ट, 2025 की अनुसूची चार में संशोधन किया गया है। इसके तहत सरकारी बॉन्ड में निवेश से जुड़ी टैक्स-फ्री इनकम की नई कैटगरी जोड़ी गई हैं। इन बदलावों के तहत सरकारी सिक्योरिटीज से मिलने वाले ब्याज और उनकी बिक्री, एक्सचेंज या ट्रांसफर से होने वाले कैपिटल गेन पर कुछ खास एंटिटीज को टैक्स में छूट मिलेगी। इसमें कई तरह की शर्तें जोड़ी गई हैं जिनमें टैक्स अधिकारियों को तय जानकारी देना जरूरी होगा। कबसे लागू होगी छूट सरकार के बयान के मुताबिक, यह छूट 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगी। मौजूदा व्यवस्था के मुताबिक विदेशी निवेशकों को 12 महीने से ज्यादा समय तक रखे गए लिस्टेड शेयरों और बॉन्ड पर 12.5 प्रतिशत लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स देना होता है। इसके अलावा सरकारी बॉन्ड से मिलने वाले ब्याज पर 20 प्रतिशत विदहोल्डिंग टैक्स लगता है। जानकारों का कहना है कि इस छूट से विदेशी निवेशकों के लिए टैक्स के बाद मिलने वाला रिटर्न बेहतर हो सकता है और भारतीय सरकारी सिक्योरिटीज में ज्यादा भागीदारी को बढ़ावा मिल सकता है। इससे निवेशकों का दायरा बढ़ाने और बाहरी दबावों से निपटने में मदद मिलेगी। सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया जब इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से कुल 2.47 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं। यह 2025 में निकाले गए 1.04 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा है। इसे रोकने के लिए एक्सपर्ट्स लंबे समय से एलटीसीजी और विदहोल्डिंग टैक्स को कम करने की मांग कर रहे थे।

नरम पड़ा क्रूड तब भी कोलकाता में पेट्रोल 113 तो डीजल 99 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चा तेल का वैश्विक बाजार गुरुवार को फिर से नरम हुआ है। मानक ब्रेंट क्रूड के दाम में प्रति बैरल करीब तीन डॉलर की कमी आई है। हालांकि, इंडियन बॉस्केट क्रूड के दाम जस के तस हैं। शायद इसका ही असर है कि भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी शुक्रवार, 5 जून 2026 को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियां 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी हैं। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है। गुरुवार को कुछ ऐसी घटनाएं हुईं, जिससे कच्चा तेल का बाजार नरम रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को मानक ब्रेंट क्रूड के दाम में 2.84 फीसदी की कमी दिख रही है। सुबह के कारोबार में यह 95.03 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड करता दिख रहा है। डब्ल्यूटीआई क्रूड के दाम में भी 0.20 फीसदी की कमी दिख रही है।

नहीं मिल रहा पहले जितना कैश, लड़खड़ा सकती हैं एटीएम सर्विसेज, इंडस्ट्री पर नई आफत

अप्रैल के महीने में सिर्फ 54000 करोड़ रुपये ही उपलब्ध हो सका

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के एटीएम इस समय कैश की किल्लत से जूझ रहे हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ एटीएम इंडस्ट्री ने इंडियन बैंक्स एसोसिएशन को दी जानकारी में कहा है कि मशीनों में भरने के लिए कैश की कमी है। ऐसे स्थिति में देश के अंदर एटीएम की सर्विसेज प्रभावित हो सकती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। बता दें, पहले की तुलना में एटीएम ट्रांजैक्शन में कमी आई है।

आंकड़ों के अनुसार सभी एटीएम में कैश के लिए मार्च और अप्रैल में कुल 94000 करोड़ रुपये की आवश्यकता थी। लेकिन मार्च के महीने में सिर्फ 61000 करोड़ रुपये और अप्रैल के महीने में सिर्फ 54000 करोड़ रुपये ही उपलब्ध हो सका, जोकि कमी को साफ दर्शाता है।

आईबीए को लिखे पत्र में कहा कि कई राज्यों में बैंक के ब्रांच एटीएम निकासी की समस्या से जूझ रहे हैं। संस्थान ने कहा कि एटीएम डायरेक्ट कैश निकालने वाले जगह पर बने हुए हैं। ऐसे में ग्रामीण और अर्द्धशहरी इलाकों में कैश की उपलब्धता काफी जरूरी है। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के करेंसी डिपार्टमेंट मैनेजमेंट को यह जानकारी दी है। कैश की समस्या की खबर ऐसे समय में आई है

जब एटीएम इंडस्ट्री पहले से ही खर्च के दबाव और घटते ट्रांजैक्शन से जूझ रही है। इन सबके के अलावा एटीएम फीस भी इस इंडस्ट्री के लिए चिंता का सबब बनी हुई है। मौजूदा समय में यह 19 रुपये है। यह वह फीस है जब ग्राहक दूसरे बैंक का एटीएम प्रयोग करता है। रिपोर्ट के अनुसार इंडस्ट्री के बढ़ते खर्च के आगे यह फीस नाकाफी है। इसके अतिरिक्त बढ़ते तेल खर्च और नए कानून की वजह से कई राज्यों में सैलरी रिवीजन ने भी इंडस्ट्री को प्रभावित किया है। आरबीआई की तरफ से जारी मासिक आंकड़ों के अनुसार मई के महीने में 446.504 मिलियन एटीएम ट्रांजैक्शन हुए हैं। एक साल पहले इसी महीने में 498.378 मिलियन एटीएम ट्रांजैक्शन हुए थे।

पारस डिफेंस में रॉकेट जैसी तेजी, शेयर ने तोड़े सारे पुराने रिकॉर्ड

कंपनी को मिला है नया ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयरों में शुक्रवार को बाजार खुलते ही रॉकेट सी तेजी आई है। पारस डिफेंस के शेयर नई ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। डिफेंस कंपनी के शेयर शुक्रवार को 11 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 994.40 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 5 दिन में कंपनी के शेयरों में 17 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। वहीं, एक महीने में पारस डिफेंस के शेयर 25 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। पारस डिफेंस को नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड से एक नया ऑर्डर मिला है। पारस डिफेंस अपने शेयर का भी बंटवारा कर चुकी है।

एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया है कि उसे नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड से एक नया ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर के तहत पारस डिफेंस को इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स की सप्लाई करनी है। कंपनी को मिले इस ऑर्डर की वैल्यू 52.82 करोड़ रुपये है। पारस डिफेंस को यह ऑर्डर सितंबर 2027 को या इससे पहले पूरा करना है। पारस डिफेंस को इससे पहले 30 अप्रैल को डिफेंस मिनिस्ट्री के तहत आने वाले से एक ऑर्डर मिला था। पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयर पिछले 3 साल में 265 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। डिफेंस कंपनी के शेयर 2 जून 2023 को 269.38 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 5 जून 2026 को 994.40 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 2 साल में पारस डिफेंस के शेयरों में 115 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। अगर पिछले 6 महीने की बात करें।

63000 रुपये पहुंचेगी न्यूनतम सैलरी

अगर लगा यह फॉर्मूला, कर्मचारियों की होगी बल्ले-बल्ले

नईदिल्ली, एजेंसी। 8वें वेतन आयोग को लेकर देशभर के लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। सबसे ज्यादा चर्चा जिस मुद्दे पर हो रही है, वह फिटमेंट फैक्टर है। यही वह महत्वपूर्ण संख्या होती है, जिसके आधार पर कर्मचारियों की मौजूदा बेसिक सैलरी को नए वेतनमान में बदला जाता है। इस बार कुछ कर्मचारी संगठनों ने फिटमेंट फैक्टर को 3.5 से लेकर 4.0 तक रखने की मांग की है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या सरकार वास्तव में 3.5 का फिटमेंट फैक्टर लागू कर सकती है और अगर ऐसा होता है, तो इसका कर्मचारियों और सरकारी खजाने पर क्या असर पड़ेगा

फिलहाल, 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 था, जिसके आधार पर न्यूनतम बेसिक वेतन 7,000 रुपये से बढ़कर 18,000 रुपये हुआ था। अगर 8वें वेतन आयोग में 3.5 का फिटमेंट फैक्टर लागू किया जाता है, तो मौजूदा 18,000 रुपये की न्यूनतम बेसिक सैलरी सीधे बढ़कर 63,000 रुपये तक पहुंच सकती है, यानी कर्मचारियों के वेतन में करीब 250 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी

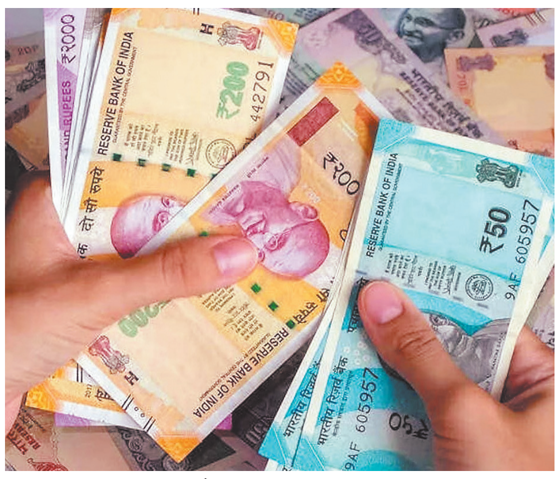

देखने को मिल सकती है। यही वजह है कि कर्मचारी संगठन इस मांग को जोर-शोर से उठा रहे हैं।

हालांकि, मामला सिर्फ वेतन बढ़ाने तक सीमित नहीं है। सरकार को इसके वित्तीय प्रभावों का भी आकलन करना होगा। वर्तमान में करीब 50 लाख केंद्रीय कर्मचारी और लगभग 69 लाख पेंशनभोगी 8वें वेतन आयोग के दायरे में आते हैं। अगर 3.5 का फिटमेंट फैक्टर लागू किया जाता है, तो सरकार पर वेतन और पेंशन का अतिरिक्त बोझ लाखों करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। एक्सपर्ट का मानना है कि यह फैसला देश के राजकोषीय घाटे को भी प्रभावित कर सकता है, क्योंकि सरकार पहले से ही ब्याज भुगतान और अन्य कल्याणकारी योजनाओं पर भारी खर्च कर रही है।

एक्सपर्ट का कहना है कि वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए 2.86 का फिटमेंट फैक्टर ज्यादा व्यावहारिक माना जा रहा है। इसके बावजूद कर्मचारी यूनियन 3 से 4 के बीच फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रही हैं। उनका तर्क है कि पिछले कुछ सालों में महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की लागत में भारी वृद्धि हुई है। ऐसे में कर्मचारियों की क्रय शक्ति को बनाए रखने के लिए बड़ा वेतन संशोधन जरूरी है।

सरकार को राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने की चुनौती का भी सामना करना पड़ेगा

अगर सरकार 3.5 का फिटमेंट फैक्टर लागू करती है, तो इसका सकारात्मक असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। कर्मचारियों की जेब में ज्यादा पैसा आने से उपभोग बढ़ेगा। इसका फायदा ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट, बैंकिंग, पर्यटन और रिटेल जैसे सेक्टरों को मिल सकता है। बाजार में मांग बढ़ने से आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। दूसरी ओर सरकार को राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने की चुनौती का भी सामना करना पड़ेगा। वैश्विक आर्थिक बढ़ते सरकारी खर्च के बीच इतना बड़ा वेतन संशोधन आसान नहीं होगा। इसलिए, अंतिम फैसला कर्मचारी हितों और सरकारी वित्तीय क्षमता के बीच संतुलन बनाकर ही लिया जाएगा।

सोना-चांदी में बड़ी गिरावट, गोल्ड 1,200 से अधिक टूटा

सिल्वर 4,700 रुपये तक फिसली

नईदिल्ली, एजेंसी। घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार गिरावट देखने को मिली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति घोषणा से पहले निवेशकों में सतर्कता रही, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी

कमजोरी का असर घरेलू बाजार पर दिखाई दिया। बाजार जानकारों का मानना है कि जब तक पश्चिम एशिया में तनाव कम नहीं होता और ब्याज दरों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक सोना और चांदी में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव की शुरुआत 949 रुपये या 0.59 फीसदी की गिरावट के साथ 1,58,598 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हुई। सुबह 9:05 बजे तक सोना 1,217 रुपये या 0.76 फीसदी टूटकर 1,58,330 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। चांदी की कीमत 4,772 रुपये या 1.8 फीसदी की गिरावट के साथ 2,60,024 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली। कारोबार के दौरान चांदी 3,597 रुपये या 1.36 फीसदी टूटकर 2,61,199 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 0.5 फीसदी गिरकर 4,452.20 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इस सप्ताह अब तक सोने में करीब 1.8 फीसदी की गिरावट दर्ज की जा चुकी है।

सोने-चांदी में गिरावट के कारण

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से बढ़ी चिंता : बाजार पर दबाव की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव है। ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने लेबनान में नए सीजफायर के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। वहीं इजरायल ने भी सैनिकों की वापसी से इनकार कर दिया है। इससे अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते की उम्मीदों को झटका लगा है। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से महंगाई और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंकाएं भी मजबूत हुई हैं। अंत तक अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाने की 51 फीसदी संभावना मान रहा है। आमतौर पर ऊंची ब्याज दरें सोने जैसे गैर-ब्याज देने वाले निवेश विकल्पों के लिए नकारात्मक मानी जाती हैं।

बड़े दिनों बाद रुपये में आई तेजी, डॉलर के मुकाबले 50 पैसे चढ़ गया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने विदेशी संस्थागत निवेशकों को बड़ी राहत दी है। उनके लिए सरकारी सिक्योरिटीज की बिक्री या उनसे मिलने वाले ब्याज से होने वाली कमाई पर कैपिटल गेन टैक्स खत्म कर दिया है। साथ ही आरबीआई ने विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए नियमों में छूट दी है। इससे आज डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को कारोबार के दौरान 50 पैसे चढ़कर 95.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपये की कीमत में लंबे समय बाद इतनी तेजी आई है।

सरकार ने विदेशी संस्थागत निवेशकों और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स को सरकारी सिक्योरिटीज की बिक्री या उनसे मिलने वाले ब्याज से होने वाली कमाई पर कैपिटल गेन टैक्स खत्म कर दिया है। एक अध्यादेश के जरिए इससे जुड़े कानून में बदलाव किया गया है। मौजूदा व्यवस्था के मुताबिक विदेशी निवेशकों को 12 महीने से ज्यादा समय तक रखे गए लिस्टेड शेयरों और बॉन्ड पर 12.5% लॉन्ग-टर्म कैपिटल

गेन टैक्स देना होता है।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि आरबीआई की नीतिगत घोषणाओं और लॉन्ग टर्म टैक्स गेन खत्म होने से निवेशकों की धारणा बेहतर हुई है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से बचाव के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया 95.72 पर खुला और फिर कारोबार के दौरान 95.24 तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 50 पैसे की वृद्धि है। रुपया गुरुवार को डॉलर के मुकाबले दो पैसे बढ़कर 95.74 पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बीच कच्चे तेल के दाम में तेजी और इससे महंगाई पर पड़ने वाले असर को देखते हुए रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष में लगातार दूसरी बार प्रमुख नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। इसके अलावा, आरबीआई ने प्रवासी भारतीयों और भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों के लिए इक्विटी से जुड़े उत्पादों में निवेश की सीमा बढ़ा दी है।

निवेशकों को मिलने वाली 5% की रियायती टैक्स दर को खत्म कर दिया था

अब भारत से पैसा नहीं निकालेंगे विदेशी निवेशक! टैक्स में बड़ी राहत देने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए सरकारी बॉण्ड में निवेश पर लगने वाले कैपिटल गेन्स टैक्स को खत्म करने की तैयारी में है। मामले

की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि, सरकार का मकसद रुपये को मजबूत करना और देश में विदेशी निवेश बढ़ाना है। जिससे ईरान युद्ध के आर्थिक असर को कम किया जा सके। विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार आने वाले समय में कुछ और कदम भी उठा सकती है। अभी के नियमों के हिसाब से, विदेशी निवेशकों को 12 महीने से ज्यादा समय तक रखे गए लिस्टेड शेयरों और बॉण्ड पर 12.5% लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है। इसके अलावा, सरकारी बॉण्ड से मिलने वाले ब्याज पर उन्हें 20% विदहोल्डिंग टैक्स भी देना होता है। सरकार ने 2023 में विदेशी निवेशकों को मिलने वाली 5% की रियायती टैक्स दर को खत्म कर दिया था। यह मामला ऐसे समय में आया है जब विदेशी निवेश का फ्लो कम हुआ है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण डॉलर के मुकाबले रुपया काफी कमजोर हो गया है। इससे पहले 2019 में भी सरकार ने प्राइवेट निवेश को बढ़ावा देने के लिए अध्यादेश के जरिए कॉरपोरेट टैक्स में कटौती की थी। 12.5%: लिस्टेड शेयरों और बॉण्ड पर लगने वाला लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स 20%: सरकारी बॉण्ड के ब्याज पर लगने वाला विदहोल्डिंग टैक्स।2.47 लाख करोड़ रुपये: इस साल अब तक विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से निकाली गई रकम। 1.04 लाख करोड़ रुपये: साल 2025 में विदेशी निवेशकों द्वारा निकाली गई रकम। जानकारों का कहना है कि भारत से लगातार बाहर जा रही विदेशी पूंजी को देखते हुए वे काफी समय से एलटीसीजी और विदहोल्डिंग टैक्स को कम करने की मांग कर रहे थे। एक जानकार ने बताया कि रेगुलेटरी संस्थाएं भी कुछ और कदम उठा सकती हैं, जिससे भारतीय बाजार विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बने रहें। जानकारों का कहना है कि विदेशी निवेशकों को लुभाने के लिए सरकार और रेगुलेटर कुछ बड़े ऐलान कर सकते हैं।

कभी एक कप चाय खरीदने के नहीं होते थे पैसे, आज करोड़ों का कारोबार, छोटा सा आइडिया कर गया काम

नई दिल्ली: शशि भूषण रांची के रहने वाले हैं। उन्होंने हिम्मत और उद्यमशीलता की मिसाल पेश की है। कभी वह एक कप चाय खरीदने से पहले भी 100 बार सोचते थे। आज वह करोड़ों की एक्सपोर्ट कंपनी के मालिक हैं। इसका नाम येलॉन एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड है। इस कंपनी के जरिये शशि ने ग्लोबल एक्सपोर्ट मार्केट में अपनी खास जगह बनाई है। यह कंपनी मसालों और हाइड्रेटेड (सूखे) सब्जियों के एक्सपोर्ट में माहिर है। इसकी नींव बहुत छोटे से आइडिया से पड़ी थी। आइए, यहां शशि भूषण की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

शशि भूषण ने रांची से होटल मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन किया है। उनके लिए थाईलैंड की एक कोर्स-विजिट के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजारों से शुरुआती परिचय बहुत अहम साबित हुआ। इसके बाद थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों की यात्राओं ने उन्हें बाजार में मौजूद एक कमी को पहचानने में मदद की।

शशि ने देखा कि मसाले बहुत ऊंची कीमतों पर बेचे जा रहे थे। अक्सर उनमें कोई खास वैल्यू एडिशन नहीं होता था। न ही उन्हें सही तरीकों से खरीदा जाता था। मांग और अवसर दोनों को पहचानकर उन्होंने जरूरी लाइसेंस लेने और निर्यात के कारोबार में उतरने का फैसला किया। यह छोटा सा आइडिया हिट हो गया।

आज शशि भूषण की कंपनी 25 से 30 तरह की हाइड्रेटेड सब्जियों की पेशकश करती है। ये ऐसे प्रोडक्ट हैं जिन्हें पकाने के लिए बहुत कम तैयारी की जरूरत होती है। विदेशों की तेज-रफ्तार शहरी जीवनशैली में खास तौर पर इन्हें पसंद किया जाता है। भूषण को लगा कि लोगों के पास हमेशा सब्जियां खरीदने, धोने, काटने और पकाने का समय नहीं होता। हाइड्रेटेड सब्जियों के विकल्प के साथ बस पानी मिलाना होता है और वे तैयार हो जाती हैं।

उनके प्रोडक्ट रेंज में अदरक और लहसुन के पाउडर जैसी चीजें भी शामिल हैं। इनसे सिर्फ पांच मिनट में ही खाना तैयार किया जा सकता है। इसके अलावा इनमें सूखे टमाटर, पत्तागोभी, चुकंदर और गाजर से लेकर कई तरह की चटनियाँ और पिसे हुए मसाले भी हैं। इन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजा जाता है।

स्थानीय किसानों से खरीदारी

शशि भूषण ये उत्पाद स्थानीय किसानों से खरीदते हैं। इससे एक ऐसी सप्लाई चेन बनती है जो न केवल ग्रामीण उत्पादकों को सहारा देती है। इसके बजाय विदेशों में बढ़ती मांग को भी पूरा करती है। विदेशों में ऐसे उत्पादों की बहुत मांग है। इन उत्पादों की लोकप्रियता का मुख्य कारण इस्तेमाल में आसानी है। हालांकि, भूषण का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई पूरी करने में काफी संघर्ष करना पड़ा। शशि भूषण को वह समय भी याद है जब एक कप चाय खरीदने से पहले भी उन्हें कई बार सोचना पड़ता था। आज उनकी कंपनी का सालाना कारोबार करोड़ों में है। रांची के कोकर स्थित अपने दफ्तर से काम करते हुए भूषण ने 15 से 20 परमानेंट स्टाफ को रोजगार दिया हुआ है। इनमें से कई लोग सालों से उनके साथ काम कर रहे हैं।

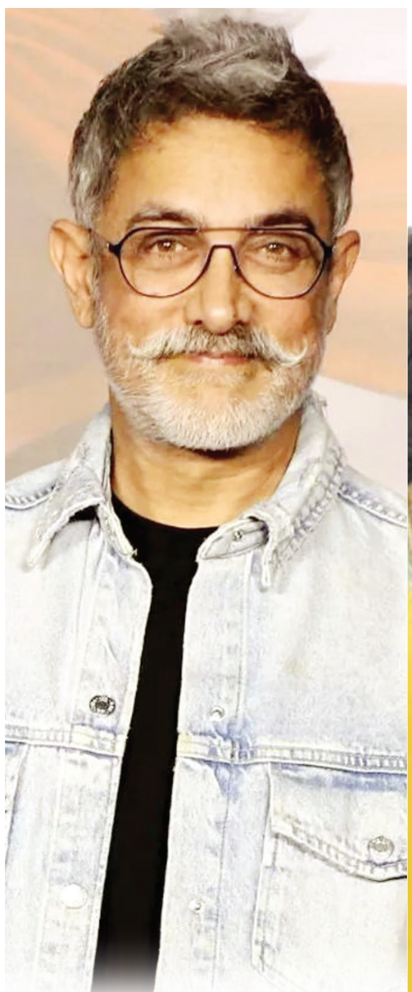

तीसरी बार दूल्हा बनने जा रहे हैं आमिर खान! 5 जुलाई को गौरी स्प्रैट संग कर सकते हैं शादी

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों 5 जुलाई को विवाह बंधन में बंध सकते हैं। आमिर के करीबी सूत्रों के अनुसार, यह शादी बेहद सादगीपूर्ण तरीके से की जाएगी। दोनों परिवार के सदस्यों और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी में घर पर ही रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि शादी के बाद फिल्म इंडस्ट्री के लिए किसी भव्य रिसेप्शन का आयोजन नहीं किया जाएगा। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिश्ते को सार्वजनिक करने के बाद से गौरी स्प्रैट कई मौकों पर आमिर खान के साथ नजर आ चुकी हैं। गौरी एक सात वर्षीय बेटे की मां हैं। बताया जाता है कि आमिर और गौरी लगभग 25 वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और लंबे समय तक दोस्त रहने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को नया नाम देने का फैसला किया।

गौरतलब है कि मार्च 2025 में अपने 60वें जन्मदिन के अवसर पर आमिर खान ने मीडिया के सामने गौरी स्प्रैट को अपनी पार्टनर के रूप में परिचित कराया था। इस दौरान उन्होंने बताया था कि दोनों करीब 25 साल से दोस्त हैं, लेकिन कुछ समय पहले ही उनके बीच प्रेम संबंध की शुरुआत हुई। अगर आमिर और गौरी शादी करते हैं, तो यह अभिनेता की तीसरी शादी होगी। आमिर की पहली शादी रीना दत्ता से हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे जुनैद खान और ईरा खान हैं। वर्ष 2002 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद आमिर ने वर्ष 2005 में किरण राव से दूसरी शादी की। इस विवाह से उनका एक बेटा आजाद राव खान है। आमिर और किरण ने वर्ष 2021 में अलग होने का फैसला किया था। हालांकि, आमिर और गौरी की शादी को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

डार्क किरदार पर बोलीं ईशा सिंह

कैमरे के पीछे ऑन और ऑफ होना आना चाहिए

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री ईशा सिंह आगामी फिल्म 'ऑब्सेस' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। डार्क और सस्पेंस से भरपूर ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है। साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में डार्क किरदार को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि एक एक्टर को पता होना चाहिए कि कब किरदार में रहना है और कब उससे बाहर निकलना है। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया, 'एक एक्टर के तौर पर आपको यह अच्छी तरह पता होना चाहिए कि कैमरे के सामने कब किरदार में आना है (ऑन होना) और शॉट खत्म होने पर कब उससे बाहर निकलना है (ऑफ होना)। हां, यह सच है कि कुछ किरदार निभाते समय आप बहुत गहराई में चले जाते हैं लेकिन किस्मत से हमारी फिल्म के सेट का माहौल बहुत ही सकारात्मक और मददगार था। आसपास के लोग लगातार मेरा ख्याल रख रहे थे, जिसकी वजह से यह किरदार मुझ पर भावनात्मक रूप से भारी नहीं पड़ा।'

आज के समय में बढ़ते टॉक्सिक अटैचमेंट और जुनूनी व्यवहार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि सोशल मीडिया आने से पहले भी समाज में इस तरह के जुनूनी लोग मौजूद थे। उन्होंने कहा, 'फर्क बस इतना है कि अब सब कुछ बहुत जल्दी दिखाई देने लगता है क्योंकि हर किसी के पास फोन है और जानकारी तुरंत फैल जाती है। सोशल मीडिया के पॉजिटिव और नेगेटिव, दोनों पहलू हैं। 'ऑब्सेस' के बारे में मुझे जो बात सबसे ज्यादा पसंद आई, वह यह है कि इसकी कहानी में कई भावनात्मक परतें हैं। जब दर्शक यह फिल्म देखेंगे, तो वे समझ जाएंगे कि इन विषयों को कितनी गहराई से दिखाया गया है।'

अपनी बात को रखते हुए अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक पीटर की बात को याद करते हुए कहा, 'पीटर सर ने एक बार कहा था, हर इंसान के अंदर एक फरिश्ता और एक शैतान, दोनों होते हैं। इनमें से कौन सा पहलू कितना बाहर आता है, यह पूरी तरह से उस इंसान पर निर्भर करता है।' अभिनेत्री ने किरदार के भावनात्मक बोझ से पूरी तरह मुक्त होने को जरूरी बताते हुए बताया कि काम के दौरान आप मानसिक रूप से उसी दुनिया में रहते हैं। कुछ दिन बहुत भारी होते हैं, तो कुछ अच्छे, लेकिन काम खत्म होते ही उस काल्पनिक दुनिया से बाहर निकलना एक कलाकार के मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल साथ करेंगे फिल्म, मिलेगा एक्शन का डबल डोज

'बागी' फ्रैंचाइज की फिल्मों के जरिए टाइगर श्रॉफ ने दर्शकों के बीच अपने लिए एक खास जगह बनाई है। वहीं 'कमांडो' फेम एक्टर विद्युत जामवाल भी अपने जबरदस्त एक्शन के लिए फिल्मों में जाने जाते हैं। अब यह दोनों ही एक साथ फैंस को बड़े पर्दे पर नजर आ सकते हैं। जानिए, यह दोनों किस फिल्म प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ शेयर की। इस पोस्ट में एआई इमेज से पोस्टर बनाया गया था, जिसमें दोनों एक्टर्स नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर लिखा, 'दो लीजेंड, एक एपिक शोडाउन'। साथ ही टाइगर श्रॉफ वर्सेस विद्युत भी लिखा है। पोस्टर में दोनों एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं। इस प्रोजेक्ट या फिल्म को टी-सीरीज पेश करेगा, इस बात का जिक्र भी पोस्टर पर किया गया है। इससे ज्यादा कोई जानकारी पोस्टर पर साझा नहीं की गई। फिल्म के नाम का भी जिक्र नहीं है।

टी-सीरीज के ऑफिस के बाहर दिखे थे टाइगर श्रॉफ और विद्युत

दोनों एक्टर्स के पोस्टर शेयर करने के बाद फैंस के बीच हलचल बढ़ गई। बता दें कि टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल को टी-सीरीज के ऑफिस के बाहर भी देखा गया था। ऐसा लगता है कि दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा करने के लिए दोनों वहां पहुंचे थे। टाइगर और विद्युत अपने करियर फ्रंट पर और क्या रहे हैं? टाइगर श्रॉफ के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले साल वह फिल्म 'बागी 4' में दिखाई दिए थे। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रेस्पॉन्स मिला था। वहीं विद्युत एक हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में जल्द ही नजर आएंगे, इसमें भी वह जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आएंगे।

क्रिस्टन स्टीवर्ट के साथ बियारित्ज फिल्म फेस्टिवल की जूरी में शामिल होंगे ईशान खट्टर

अभिनेता ईशान खट्टर हॉलीवुड अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट और अन्य कई जाने-माने नामों के साथ बियारित्ज फिल्म फेस्टिवल के चौथे एडिशन में जूरी पैनल में शामिल होंगे। यह घोषणा खुद फिल्म फेस्टिवल की ओर से की गई है। ईशान के साथ-साथ फ्रांसीसी निर्देशक, स्क्रिप्ट राइर और एडिटर नाथन एम्ब्रोसियोनी, फ्रांसीसी अभिनेत्री सूजी बेम्बा, कनाडाई अभिनेत्री व्हिटनी पीक और अन्य लोग भी शामिल होंगे।

पहली फिल्म से ही हुई ईशान के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत

ईशान खट्टर के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत उनकी पहली फिल्म 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' से ही हो गई थी। इसे 2018 में ईरानी फिल्म निर्माता माजिद मजीदी ने निर्देशित किया था। इसके बाद उन्होंने 2021 में लियोनार्डो डि कैप्रियो और जेनिफर लॉरेंस स्टारर फिल्म 'डोंट लुक अप' में एक कैमियो भूमिका निभाई। 2020 में उन्होंने मीरा नायर की ब्रिटिश सीरीज 'ए सूटेबल बॉय' में तब्बू के साथ मुख्य भूमिका निभाई। उनकी 2025 में आई फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया था और इसे शॉर्टलिस्ट भी किया गया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे ईशान खट्टर

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'होमबाउंड' में नजर आए थे। दो दोस्तों की कहानी और जातिवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर बात करती इस फिल्म को ऑस्कर के लिए भी भारत की ओर से भेजा गया था। फिल्म को कान समेत कई फिल्म फेस्टिवल में भी काफी सराहा गया। नीरज घेवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ईशान के साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों में पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'जुगाडू' शामिल है। इसके अलावा पिछले साल आया उनके शो 'द रॉयल्स' के भी दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है।

सबसे अहम सीख फिल्म 'वीर-जारा' में काम करते हुए मिली

वेब सीरीज 'चिरैया' को लेकर चर्चा में आईं दिव्या दत्ता ने कहा- क्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। उन्होंने कहा- सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली।

कई कलाकार अपने किरदारों से पहचाने जाते हैं लेकिन दिव्या दत्ता उन चेहरों में से हैं, जो हर किरदार में खुद को थोड़ा-थोड़ा छोड़ती चली जाती हैं। लुधियाना की सादगी से लेकर सिनेमा की गहराइयों तक उनका सफर किसी शोर का नहीं बल्कि एक शांत भरोसे का रहा है, दिल की सुनने का भरोसा। उनके लिए अभिनय सिर्फ संवाद नहीं, खामोशियों को महसूस करने की कला है। फैसले हों या किरदार, वे आज भी उसी रास्ते पर चलती हैं, जहां दिमाग से पहले दिल जवाब देता है और शायद यही उन्हें अलग बनाता है। लखनऊ में शूट हुई वेब सीरीज 'चिरैया' के लिए शहर आई दिव्या दत्ता से खास बातचीत।

दिल से बड़ा मेरा कोई साथी नहीं

लुधियाना में पली-बढ़ी दिव्या दत्ता कहती हैं कि मैंने अपने घर से बहुत कुछ सीखा है लेकिन कई बातें वक्त के साथ समझ में आती हैं। फिल्मों और शोज को चुनते समय मैं सिर्फ दिल की सुनती हूं। मुझे लगता है कि जो काम मैं दिल से करूंगी, वही मुझे आगे बढ़ने का मौका देगा। मेरे फैसले पहले भी दिल से होते थे और आज भी वही तरीका है क्योंकि दिल से बड़ा कोई साथी नहीं होता है। यही वजह है कि डॉक्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। मैं खुद को खुशकिस्मत भी मानती हू कि मां ने मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी दी थी।

माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो

मैंने कई अनुभवी कलाकारों के साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा है। हालांकि, मुझे सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली। उस वक्त मुझे कैमरा एंगल्स का ज्यादा आइडिया नहीं था। उन्होंने खुद मुझे सही जगह पर खड़े होने में मदद की। वह इतने बड़े सुपरस्टार हैं, उन्हें क्या जरूरत थी मेरे लिए आगे आने की पर वो आए। उन्होंने यह भी कहा था कि मैं हर जगह मौजूद नहीं रहूंगा तो तुम्हें चीजें अपने हिसाब से बेहतर करनी होंगी। मुझे यह बात हमेशा याद रही। आज अगर मैं सीनियर हो गई हूं तो कोशिश करती हूं कि नए लोगों की जितनी मदद कर सकूं, करूं। सबसे जरूरी बात यही है कि सेट पर लोग एक-दूसरे के साथ कंफर्टेबल महसूस करें। काम तभी अच्छे से होता है, जब माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो।

भीतर का शांत जागरण है

चिरैया किसी लाउड विद्रोह की कहानी नहीं है बल्कि भीतर होने वाले एक शांत जागरण की बात करती है। हर दृश्य का अपना स्वभाव होता है। कभी कुछ कहना जरूरी होता है और कभी बिल्कुल शांत रहना। सब कुछ सीन के पूरे ढांचे पर निर्भर करता है। जैसे सीन की मांग होती है, वैसा ही भाव अपनाया जाता है। कहीं शब्द जरूरी होते हैं, कहीं खामोशी ही सबसे बड़ा संवाद बन जाती है। मुझे लगता है कि सवाल से ज्यादा जरूरी है उसे कहने का तरीका।बात किस शांति से, किस प्यार से और किस सम्मान के साथ कही जाती है, यही फर्क पैदा करता है। 'शादी कोई लाइसेंस नहीं है' जैसे संवाद सवाल जरूर उठाते हैं, लेकिन किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं बल्कि सोचने के लिए मजबूर करने के इरादे से।

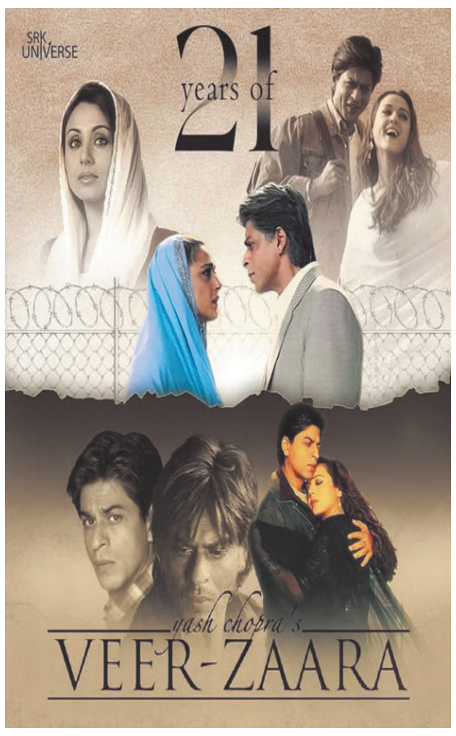

फीफा विश्व कप

जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे के नाम है सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से हो रही है। विश्व कप के इस 23वें संस्करण की मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको कर रहे हैं। इस बार सर्वाधिक 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं और कुल 104 मैच खेले जाएंगे। फुटबॉल का इतिहास बेहतरीन खिलाड़ियों से भरा पड़ा है। कई ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने विश्व कप में अपने दमदार प्रदर्शन से न सिर्फ अपनी टीमों को जीत दिलाई है, बल्कि पूरी दुनिया में अपना नाम बनाया है।

फीफा विश्व कप में बतौर खिलाड़ी किसके नाम सर्वाधिक जीत दर्ज हैं।
जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे के नाम फीफा विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड है। क्लोजे ने जर्मनी के लिए 24 विश्व कप मैच खेले हैं जिसमें 17 जीत दर्ज की है। ब्राजील के काफू ने 20 मैचों में 16 जीत दर्ज की है। अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने 26 मैचों में 16 में जीत हासिल की है। काफू और मेसी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। इसके बाद जर्मनी के वोल्फगैंग ओवरथ, ब्राजील के रोनाल्डो, जर्मनी के फिलिप लाम, बास्टियन श्वाइन्स्टाइगर और लोथार माथौस हैं। ओवरथ ने 19 मैचों में 15 जीत, रोनाल्डो ने 19 मैचों में 15 जीत, लाम ने 20 मैचों में 15 जीत, श्वाइन्स्टाइगर ने 20 मैचों में 15 जीत और माथौस ने 25 मैचों में 15 जीत हासिल की है। ब्राजील के लुसियो ने 17 मैचों में 14 जीत, जर्मनी के फ्रांज़ बेकेनबाउर ने 18 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के ओलिवियर गिरौड ने 18 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के एंटोनी ग्रीजमैन ने 19 मैचों में 14 जीत, जर्मनी के पेर मर्टेसैकर ने 19 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के ह्यूगो लोरिस ने 20 मैचों में 14 जीत, इटली के पाओलो मालदिनी ने 23 मैच खेलते हुए 14 जीत हासिल की है।

'दाऊद IPL में फिक्सिंग चाहता था, मेरे बेटे का अपहरण कराया'

ललित मोदी का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने अपने इंटरव्यू में कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस बात का खुलासा किया है कि दाऊद इब्राहिम की तरफ से उनको धमकियां मिली थीं। वहीं 62 वर्षीय मोदी ने यह भी बताया कि उनके ऊपर तीन जानलेवा हमले के प्रयास भी हुए थे। इतना ही नहीं लंदन में उनके बेटे का अपहरण भी करवाया गया था। एएनआई से बात करते हुए ललित मोदी ने बताया, 'यही सबसे बड़ा कारण है। उसने (दाऊद इब्राहिम ने) मेरे ऊपर तीन बार जानलेवा हमले के प्रयास करवाए थे। दाऊद ने खुद यह कहा था। वह तीन बार चूक गया। कारण यह था कि मैंने उसकी मैच फिक्स करवाने की बात नहीं मानी। अगर आप पहले तीन साल देखें जब तक

मैंने मैनेजमेंट संभाला, तब तक कतई फिक्सिंग नहीं हुई। यही माफिया के द्वारा पसंद नहीं किया गया।'
ललित मोदी ने आगे कहा, 'लेकिन इसका प्रमुख कारण था कि उसने सोचा था कि मैं आईपीएल 2 (2009) से हट जाऊंगा। कई शर्तें लगी थीं कि आईपीएल 2009 नहीं होगा। बॉम्बे पुलिस के पास हर बात की रिकॉर्डिंग है। बॉम्बे पुलिस ने मुझें सिक्योरिटी भी दी थी। मेरे घर के बाहर बॉम्बे में शूटआउट हुआ था। जोहानिसबर्ग और केपटाउन में मुझ पर हमले के प्रयास हुए, लेकिन साउथ अफ्रीका की सरकार ने मुझे बचाया।' मोदी ने आगे बताया, 'मोंटेनेगरो में भी मुझे पर हमले का प्रयास हुआ। मेरे बेटे का लंदन में अपहरण किया गया। मैंने यह कहानी कभी किसी को नहीं बताई।

सचिन नंबर 1, सहवाग से आगे यशस्वी

टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के समाप्त होने के बाद अब भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक मैच की टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है। 6 जून से शुरू होने वाले इस टेस्ट मैच में भारत को जीत का फेवरेट माना जा रहा है। हालांकि अफगानिस्तान की भी कोशिश होगी कि वो भारत को कड़ी टक्कर दे, लेकिन ये टीम किस हद तक इसमें सफल हो पाती है इस पर निगाहें रहने वाली है। अब इस टेस्ट सीरीज से पहले आपको बता दें कि भारत की तरफ से टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय बैटर कौन हैं।

सचिन तेंदुलकर के नाम है सबसे ज्यादा रन

भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में अगर एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो इसमें पहले स्थान पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने साल 2010 में 1562 रन बनाए थे। वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर यशस्वी जायसवाल हैं जिन्होंनें साल 2024 में 1478 रन बनाकर वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ा था। सहवाग इस लिस्ट में तीसरे और चौथे नंबर पर मौजूद हैं। सहवाग ने साल 2008 में 1462 रन बनाए थे जबकि साल 2010 में टेस्ट में सहवाग के बल्ले से कुल 1422 रन निकले थे। इस लिस्ट में सुनील गावस्कर 5वें नंबर पर हैं जिन्होंने साल 2002 में 1407 रन बनाए थे जबकि सचिन तेंदुलकर ने साल 2002 में 1392 रन बनाए थे और वो छठे स्थान पर भी हैं। गुंडप्पा विश्वनाथ इस सूची में सातवें नंबर पर हैं जिन्होंने साल 1979 में कुल 1388 रन बनाए थे। राहुल द्रविड़ 8वें स्थान पर हैं जिन्होंने साल 2002 में 1357 रन एक कैलेंडर वर्ष में बनाए थे जबकि विराट कोहली ने साल 2018 में 1322 रन बनाए थे और 9वें स्थान पर मौजूद हैं।

टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर

- सचिन तेंदुलकर– 1562 रन, 2010
- वीरेंद्र सहवाग– 1462 रन, 2008
- सुनील गावस्कर– 1407 रन, 1979
- गुंडप्पा विश्वनाथ– 1388 रन, 1979
- विराट कोहली– 1322 रन, 2018
- यशस्वी जायसवाल– 1478 रन, 2024
- वीरेंद्र सहवाग– 1422 रन, 2010
- सचिन तेंदुलकर– 1392 रन, 2002
- राहुल द्रविड़– 1357 रन, 2002
- सुनील गावस्कर– 1310 रन, 1983

चंढीगढ़ में आज एकमात्र टेस्ट में भारत और अफगानिस्तान की भिड़ंत

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच का आगाज शनिवार से होगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान भी क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत को कड़ी टक्कर देना चाहेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक महज एक टेस्ट मैच खेला गया है। यह टेस्ट मैच साल 2018 में बेंगलुरु में खेला गया था। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इस टेस्ट को एक पारी और 262 रनों से अपने नाम किया था। हालांकि, पिछले 8 वर्षों में अफगानिस्तान की टीम काफी

मजबूत हुई है। एकमात्र टेस्ट मैच के लिए देवदत्त पडिक्कल को भी टीम में शामिल किया गया है। पडिक्कल का प्रदर्शन आईपीएल 2026 और घरेलू क्रिकेट में काफी शानदार रहा। सिर्फ पडिक्कल ही नहीं बल्कि कई युवा खिलाड़ियों को इस सीरीज के लिए मौका दिया गया है। मानव सुथार को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसके साथ ही तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को भी टीम में जगह दी गई है।

एकमात्र टेस्ट के लिए दोनों टीम

- **भारतीय टीम का स्क्वॉड :** शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उप-कप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बराडर, हर्ष दुबे और ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।
- **अफगानिस्तान टीम का स्क्वॉड :** हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अफसर जजई (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अब्दुल मलिक, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, रहमानुल्लाह गुरबाज, रहमानुल्लाह जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुदीन अशरफ, नांग्याल खारोताई, कैस अहमद, बिलाल सामी, जिया शरीफी और सलीम सफी।

साई सुदर्शन वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी, हम उन्हें पर्याप्त मौके देंगे: गौतम गंभीर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया है कि भारतीय टीम साई सुदर्शन को अभी पर्याप्त मौके देगी। गंभीर का कहना है कि

सुदर्शन एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और वह हाल ही में आईपीएल 2026 में 700 से ज्यादा रन बनाकर आ रहे हैं। गंभीर के बयान के बाद यह लगभग तय हो गया है कि अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में नंबर तीन की पोजीशन पर सुदर्शन ही खेलते दिखाई देंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गंभीर ने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना है कि किसी भी खिलाड़ी को अपनी काबिलियत साबित करने के लिए पर्याप्त मौके मिलने चाहिए। साई सुदर्शन खराब फॉर्म में नहीं हैं और वह आईपीएल 2026 में 700 से अधिक रन बनाकर आ रहे हैं। अगर हम किसी खिलाड़ी को 4 या 5 पारियों के आधार पर जज करेंगे, तो हम टीम तैयार नहीं कर पाएंगे।' हेड कोच ने आगे कहा, 'ऐसा नहीं है कि हम अगर एक खिलाड़ी को 5 मुकाबले में आजमाएंगे, तो दूसरे को सिर्फ एक या दो मुकाबलों में मौका देंगे। हालांकि, अभी हम साई सुदर्शन के साथ जाना चाहते हैं और उन्हें पर्याप्त मौके देना चाहते हैं। वह एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि वह शानदार प्रदर्शन करके दिखाएंगे।'

विनेश ने दिया कारण बताओ नोटिस का जवाब

WFI के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा- नियमों के अनुसार लिया जाएगा फैसला

नई दिल्ली। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) ने गुरुवार को कहा कि उसे विनेश फोगाट के उस शो कॉज नोटिस का जवाब मिल गया है जो 9 मई को जारी किया गया था। रेसलिंग फेडरेशन ने ये बयान तब जारी किया जब सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसके तहत वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट विनेश को सिलेक्शन ट्रायल में हिस्सा लेने की इजाजत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने बाद की घटनाओं को देखते हुए इस याचिका को बेअसर करार दिया।

विनेश ने दिया शो कॉज नोटिस का जवाब– मीडिया सूत्रों के मुताबिक कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा कि कुश्ती महासंघ को रेस्पॉन्डेंट (विनेश फोगाट) का शो कॉज नोटिस का जवाब मिल गया है जिस पर महासंघ के नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार फैसला लिया जाएगा।

हिप इंजरी की वजह से मैटेओ बेरेटिनी फ्रेंच ओपन 2026 से बाहर, बोले-

यह जिंदगी का आखिरी टूर्नामेंट नहीं

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन 2026 में इटली के टेनिस खिलाड़ी मैटेओ बेरेटिनी का सफर चोट के कारण खत्म हो गया। क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान हिप इंजरी (कूल्हे की चोट) की वजह से उन्हें मुकाबले को बीच में ही छोड़ना पड़ा, जिसके चलते मैटेओ अर्नाल्डी सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। अर्नाल्डी क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बेरेटिनी के खिलाफ 5-7, 2-5 से पीछे चल रहे थे। हालांकि लगातार दर्द बढ़ने की वजह से बेरेटिनी को मैच बीच में ही छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। मैच में पहले सेट के दौरान बेरेटिनी ने लगभग 76 मिनट तक संघर्ष किया, लेकिन दूसरे सेट में उनकी चोट और गंभीर हो गई।

उन्होंने मेडिकल टाइमआउट भी लिया और कुछ देर के लिए कोर्ट से बाहर गए। इसके बाद उन्होंने थोड़ी देर तक खेलने की कोशिश की, लेकिन दर्द ज्यादा होने की वजह से उन्हें मैच छोड़ना पड़ा। इस जीत के साथ 104वीं रैंक वाले मैटेओ अर्नाल्डी ने एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। वह आधुनिक युग में महज दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल मैच विपक्षी खिलाड़ी के इंजरी की वजह से रिटायर होने

के कारण जीता है। इंजरी के कारण बाहर होने के बाद बेरेटिनी ने कहा, 'मैं आखिरी इंसान हूं जो रिटायर होना चाहता है। मैं इससे बहुत थक गया हूं। मैं बस ऐसा नहीं करना चाहता, लेकिन कभी-कभी आपको ऐसा करना पड़ता है। बहुत से खिलाड़ियों ने पहले ऐसा किया है और यह अब तक का सबसे बुरा एहसास है, लेकिन यह करना सही है, क्योंकि यह मेरी जिंदगी का आखिरी टूर्नामेंट नहीं है और मुझे अपने भविष्य के बारे में सोचना है। मुझे अपनी रिकवरी के बारे में सोचना है।'

उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि यह बहुत बुरा नहीं होगा। मैं जाहिर तौर पर निराश हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अगर मैं खेलता रहता, तो मेरा प्रदर्शन और भी बुरा होता और शायद ठीक होने में ज्यादा समय लगता।

दुर्भाग्य से मेरे पास रिटायर होने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था।' बेरेटिनी ने उम्मीद जताई कि चोट ज्यादा गंभीर नहीं होगी और जल्द ही उनके स्कैन रिपोर्ट से स्थिति साफ होगी। विश्व के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी बेरेटिनी साल 2022 में हुए यूएस ओपन के बाद पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया से जीती लगातार तीसरी वनडे सीरीज

कप्तानी में शाहीद अफरीदी का भी 'खुला खाता'

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने कप्तान शाहीन अफरीदी की घातक गेंदबाजी साथ ही बाबर आजम की अच्छी बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया को 3 मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी यानी तीसरे मैच में 4 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से जीत दर्ज कर ली। शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को पहली बार वनडे सीरीज में हराने में सफलता हासिल की। यही नहीं शाहीन अफरीदी का भी वनडे सीरीज में बतौर कप्तान जीत का खाता भी खुल गया।

पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को इस वनडे सीरीज में 2-1 से हराया और कंगारू टीम के खिलाफ जीत की हैट्रिक भी लगाई। दरअसल इस वनडे सीरीज से पहले पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को इससे पहले खेले गए दो वनडे सीरीज में भी हराया था और इस टीम के खिलाफ लगातार तीन वनडे सीरीज में जीत हासिल करने में सफलता हासिल की।

शाहीन की कप्तानी में पाकिस्तान 2-1 से जीता

तीसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था और फिर 42 ओवर में 157 रन पर आउट हो गई।

पाकिस्तान की तरफ से कप्तान शाहीन अफरीदी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए थे जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान जोश इंग्लिस ने 65 रन की पारी खेली थी। वहीं पाकिस्तान को जीत के लिए 158 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 41.5 ओवर में 6 विकेट पर 161 रन बनाते हुए मैच जीत लिया। पाकिस्तान के लिए बाबर आजम ने सबसे बड़ी 40 रन की पारी खेली।

पाकिस्तान ने आस्ट्रेलिया को लगातार सीरीज में हराया

ऑस्ट्रेलिया की टीम साल 2026 में पाकिस्तान दौरे पर आई और शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान को 3 मैचों की सीरीज में 2-1 से जीत मिली। इससे पहले साल 2021-22 में ऑस्ट्रेलिया की टीम पाकिस्तान दौरे पर आई थी और बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से जीत हासिल की थी। इसके बाद पाकिस्तान की टीम साल 2024-25 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी और वहां मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में 3 मैचों की वनडे सीरीज को 2-1 से जीता था। यानी पाकिस्तान ने लगातार तीन वनडे सीरीज में कंगारू टीम को लगातार हराया।

दिल्ली में सनसनीखेज वारदात: डीयू प्रोफेसर डेबोस्मिता पॉल की निर्मम हत्या, फ्लैट में मिला शव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय की शिवाजी कॉलेज में अंग्रेजी विभाग की सहायक प्रोफेसर 42 वर्षीय डेबोस्मिता पॉल की हत्या कर दी गई। उनका शव गुरुवार दोपहर पूर्वी दिल्ली के वसुंधरा एन्क्लेव स्थित सत्यम अपार्टमेंट में उनके फ्लैट में मिला। पुलिस के अनुसार, न्यू अशोक नगर पुलिस स्टेशन को दोपहर 2 :35 बजे पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। मृतका की बहन देवरति पॉल (49) ने सूचना दी कि उनकी बहन की हत्या कर दी गई है। देवरति पूरे दिन डेबोस्मिता से संपर्क करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन फोन अनुत्तरित रहा। चिंतित होकर वे उनके फ्लैट पहुंचीं। फ्लैट बाहर से बंद था। संदेह होने पर उन्होंने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और बहन को बिस्तर पर मृत अवस्था में पाया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला कि डेबोस्मिता के सिर पर गंभीर चोटें हैं, जो किसी भारी वस्तु से मारी गई प्रतीत होती हैं। उनके हाथों पर चोटों के निशान भी मिले हैं, जिससे लगता है कि हमले में धारदार हथियार का भी इस्तेमाल किया गया। डेबोस्मिता पॉल अकेले रहती थीं, जबकि उनके माता-पिता पास ही रहते हैं। वे कॉलेज में बेहद लोकप्रिय और सम्मानित शिक्षिका थीं। उनकी विशेष रुचि विभाजन अध्ययन, भारतीय साहित्य, उत्तर-औपनिवेशिक साहित्य और अनुवाद अध्ययन में थी। उन्होंने 2016 में जामिया मिलिया इस्लामिया से पीएचडी पूरी की थी। इससे पहले वहीं से एमफिल और बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय से पोस्ट ग्रेजुएशन तथा महाराजा अग्रसेन कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभी तक लूट की कोई आशंका नहीं है। मृतका के कान में पहने हुए झुमके बरामद हुए हैं और कोई सामान गायब नहीं है।

गलत जगह पर गाड़ी पार्क की तो खैर नहीं! दिल्ली में पुलिस और एमसीडी के कर्मचारी रखेंगे पैनी नजर; कटेगा चालान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में करोड़ों रुपये खर्च कर कई इलाकों में बहुमंजिला पार्किंग की सुविधा मुहैया करवाई गई है। इसके बावजूद लोग सड़कों पर बेतरतीब ढंग से अवैध रूप से वाहन खड़े करते हैं, जिससे जाम लगता है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और एमसीडी ने ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, जो बहुमंजिला पार्किंग के आसपास अवैध रूप से सड़कों व फुटपाथ पर वाहन खड़े कर देते हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य न केवल ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाना है, बल्कि लोगों को निर्धारित पार्किंग सुविधाओं का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित करना है। शुरुआती चरण में छह प्रमुख बहुमंजिला पार्किंग स्थलों के आसपास विशेष निगरानी रखी जाएगी। इनमें कमला नगर स्थित स्पार्क माल, ग्रेटर कैलाश-1 का एम-ब्लाक मार्केट, हौज खास, कुतुब रोड, निजामुद्दीन बस्ती और परेड ग्राउंड क्षेत्र शामिल हैं। एडिशनल सीपी (ट्रैफिक) विजयंता गोयल आर्य ने बताया कि इन स्थानों पर पर्याप्त पार्किंग क्षमता उपलब्ध है।

झमाझम वर्षा हुई तो दो घंटे में तापमान 19 डिग्री तक गिर गया

गर्मी से बेहाल दिल्ली-एनसीआर को मिलेगी राहत, आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। यलो अलर्ट के बीच शुक्रवार को दिल्ली के मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली। पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के चलते 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज आंधी के साथ झमाझम वर्षा हुई तो दो घंटे में तापमान 19 डिग्री तक गिर गया।

हालांकि ये स्थिति केवल आंधी-वर्षा के दौरान ही थी। समग्र रूप से दिल्ली का तापमान 40 डिग्री के पार रहा। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम बने रहने एवं तेज आंधी वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है।

बृहस्पतिवार को सुबह सूरज अपने तय समय पर ही निकल गया था। दिन चढ़ने के साथ साथ धूप भी तेज होती रही। उमस भरी गर्मी से हाल बेहाल रहा। दोपहर एक बजे के लगभग आसमान बादलों से घिर गया और एकाएक काली घटा भी छा गई। फिर देखते ही देखते पहले धूल भरी तेज आंधी चली और उसके बाद तेज

वर्षा शुरू हो गई। कहीं तेज तो कहीं हल्की वर्षा का यह दौर रुक रुककर शाम तक चलता रहा।

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान कई इलाकों में महज दो घंटे के भीतर तापमान 9 से 19 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। सबसे ज्यादा राहत दक्षिणी दिल्ली के अयानगर इलाके में दर्ज की गई, जहां तापमान 41.7 डिग्री से गिरकर 22.7 डिग्री पर पहुंच गया। यानी सिर्फ दो घंटे में 19 डिग्री की गिरावट रिकार्ड हुई। धूल भरी आंधी की सर्वाधिक 65 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार पालम में दर्ज की गई।

बृहस्पतिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 0.5 डिग्री अधिक 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक 29.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हवा में नमी का स्तर 65 से 37 प्रतिशत रहा। वर्षा रात साढ़े आठ बजे तक 1.6 मिमी दर्ज की गई। सर्वाधिक 25.0 मिमी वर्षा मयूर विहार में दर्ज हुई।

मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए भी ऐसा ही मौसम बने रहने का पूर्वानुमान जताते हुए यलो अलर्ट भी जारी किया है। दिन भर बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने और 50 से 60 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार वाली तेज हवाओं के साथ दिनभर में वर्षा के कई होने का अनुमान है। अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

कनॉट प्लेस की बिगड़ती हालत, टूटे फर्श, अवैध वेंडर और... एनडीएमसी की अनदेखी से पर्यटक परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली का दिल कहे जाने वाले कनॉट प्लेस की चमक इन दिनों फीकी पड़ती नजर आ रही है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए कनॉट प्लेस मुख्य आकर्षण का केंद्र होता है। इन दिनों यहां जगह-जगह खोदाई हुई है। बी व सी ब्लाक में जगह-जगह फर्श टूटे हुए हैं। वहीं, एफ ब्लाक में लंबे समय से बोलार्ड टूटा पड़ा है। बाजार के विभिन्न ब्लाकों में सफाई व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। कई जगहों पर गमलों व हरित पट्टियों में लोग चाय के कप फेंके नजर आते हैं तो कोने की दीवारों पर पान की पीक के दाग पड़ चुके हैं। स्थिति केवल सफाई तक सीमित नहीं है। कनॉट प्लेस के इनर और आउटर सर्किल में आइसक्रीम, चाट-पकौड़ी और अन्य खाद्य पदार्थों की अस्थायी ठेलियां जगह-जगह खड़ी रहती हैं, जिससे पैदल यात्रियों को परेशानी होती है। पार्किंग व्यवस्था भी अव्यवस्थित नजर आती है। लोग अपने वाहन यहां-वहां खड़े कर देते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। कनॉट प्लेस में ऐतिहासिक इमारतों के कोने में लोगों ने पान या गुटखा खाकर थूक रखा है। एनडीएमसी को इस पर नजर रखनी चाहिए, लेकिन ऐसा लगता है कि उसे इसकी फिक्र नहीं है। कई ऐसी जगह अब पीकदान बनती जा रही हैं। वहां जिन व्यापारियों की दुकानें हैं, उनका कहना है कि उन्होंने कई बार अधिकारियों से इसकी शिकायत की, लेकिन कुछ नहीं किया गया।

वायु प्रदूषण से गर्भस्थ शिशु खतरे में, एम्स शोध में खुलासा; कम वजन और समय से पहले जन्म का बढ़ता जोखिम

नई दिल्ली, एजेंसी। वायु प्रदूषण केवल फेफड़ों और हृदय को ही नुकसान नहीं पहुंचा रहा, बल्कि गर्भ में पल रहे शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है।

एम्स के नए शोध में पता चला है कि वायु प्रदूषण के सूक्ष्म कण गर्भवती महिलाओं की प्लेसेंटा (अपरा) को पार कर सीधे भ्रूण तक पहुंच रहे हैं। वह उसके विकास को प्रभावित कर रहे हैं। इस कारण कम वजन वाले शिशु के जन्म, समय पूर्व प्रसव और गर्भावस्था संबंधी अन्य जटिलताओं का खतरा बढ़ रहा है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) वित्तपोषित यह शोध प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका ईएमबीओ मालिक्यूलर मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है। बताया गया है कि शोधकर्ता डा. सुभ्रदीप कर्माकर ने पहली बार विस्तार से उस जैविक प्रक्रिया की पहचान की है, जिसके माध्यम से शहरी वायु प्रदूषण भ्रूण के विकास पर असर डालता है।

शोधकर्ताओं का सुझाव है कि गर्भवती महिलाओं की देखभाल में प्रदूषण के जोखिम को भी शामिल किया जाना चाहिए तथा प्रदूषण नियंत्रण को सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाना चाहिए। एम्स के जैवरसायन विभाग के प्रोफेसर और अध्ययन के प्रमुख लेखक डा. सुभ्रदीप कर्माकर के अनुसार पीएम 2.5 व पीएम 10 जैसे सूक्ष्म कण प्लेसेंटा की सुरक्षा परत को पार कर शरीर में आक्सीडेटिव तनाव और सूजन को बढ़ाते हैं। इससे भ्रूण के सामान्य विकास में बाधा आती है।

शोध में पाया गया कि प्रदूषण के संपर्क से आइजीएफबीपी-थ्री नामक एक महत्वपूर्ण प्रोटीन का स्तर घट जाता है, जो प्लेसेंटा और भ्रूण के संतुलित विकास के लिए

आवश्यक माना जाता है। इस प्रोटीन में कमी के कारण भ्रूण की वृद्धि प्रभावित हो सकती है और जन्म के समय शिशु का वजन कम रहने की आशंका बढ़ जाती है। डा. सुभ्रदीप कर्माकर ने बताया कि शोध का उद्देश्य यह समझना था कि प्रदूषक किस प्रकार प्लेसेंटा व भ्रूण को नुकसान पहुंचाते हैं। शोध मेन इसे चरणबद्ध समझाया गया है। शोध में दिल्ली और झारखंड के देवघर की कुल 994 महिलाओं के प्रसव संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। दिल्ली जैसे अधिक प्रदूषित क्षेत्र में रहने वाली महिलाओं में पीएम 2.5 के संपर्क को कम वजन वाले बच्चों के जन्म का प्रमुख जोखिम कारक पाया गया। साथ ही गर्भावस्था के दौरान उच्च रक्तचाप की गंभीर स्थिति प्रीक्लेम्प्सिया का खतरा भी अधिक देखा गया। इतना ही नहीं पशुओं पर किए गए प्रयोगों में भी चिंताजनक परिणाम सामने आए। पोषक तत्वों के आदान-प्रदान की क्षमता घटती है, भ्रूण की वृद्धि धीमी पड़ जाती है। गर्भवती चूहियों को दिल्ली के समान प्रदूषण स्तर के संपर्क में रखने पर भ्रूण का आकार 25 प्रतिशत तक छोटा पाया गया, जबकि जन्म के समय शिशुओं का वजन 34 प्रतिशत तक कम था। शोध से यह भी पता चला कि प्रदूषण का प्रभाव मात्र जन्म तक सीमित नहीं रहता। यह बच्चों के तंत्रिका तंत्र के विकास, व्यवहार और भविष्य के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर अमेरिका ने लगाए नए प्रतिबंध, ट्रंप बोले- इस मुद्दे को हम संभालेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल, उनकी पत्नी और कई बड़े अधिकारियों पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिका ने यह कदम क्यूबा की सरकार पर दबाव बढ़ाने के लिए उठाया है। इन प्रतिबंधों के बाद दोनों देशों के रिश्तों में और तल्खी आ गई है। क्यूबा ने अमेरिका के इस फैसले को अपनी संप्रभुता पर हमला और खुली दखलअंदाजी बताया है।

अमेरिका ने जिन लोगों पर कार्रवाई की है, उनमें पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के बेटे एलेजांद्रो कास्त्रो एस्पिन और उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। अमेरिकी सरकार ने इन सभी की अमेरिका में मौजूद संपत्तियों और बैंक खातों को फ्रीज करने का फैसला किया है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इन नेताओं की अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था में बहुत कम हिस्सेदारी है। इसके बावजूद इस कदम को ट्रंप प्रशासन की कड़ी राजनीतिक चेतावनी माना जा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार क्यूबा की सरकार पर सख्त रुख अपनाए हुए हैं। जनवरी में वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को हटाने के बाद ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर ऊर्जा नाकेबंदी भी लागू की थी। इससे क्यूबा में ईंधन संकट, बिजली कटौती और खाद्य संकट और गहरा गया। ट्रंप ने कहा कि क्यूबा पहले से ही लगभग टूट चुका है और

अमेरिका इस मुद्दे को भी संभालेगा। उन्होंने यह भी कहा कि क्यूबा के पास सुंदर जमीन और पर्यटन की बड़ी संभावनाएं हैं, लेकिन वहां की सरकार देश को सही तरीके से नहीं चला रही।

क्यूबा ने अमेरिका के आरोपों पर क्या जवाब दिया?

क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल ने अमेरिका पर नए तनाव पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन क्यूबा को झुकाने और वहां के लोगों को परेशान करने की कोशिश कर रहा है। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज ने भी अमेरिकी प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिका लगातार ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है जिससे दोनों देशों के बीच टकराव बढ़े। क्यूबा सरकार ने साफ कहा कि वह किसी भी दबाव के आगे झुकेगी नहीं।

किन संस्थाओं और लोगों को निशाना बनाया गया?

अमेरिका ने सिर्फ नेताओं पर ही नहीं, बल्कि क्यूबा की कई सरकारी और सामाजिक संस्थाओं पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें क्यूबा का रक्षा मंत्रालय, 'इंस्टीट्यूट फॉर द फ्रेंडशिप विद द पीपल्स', पर्यटन से जुड़ी संस्था एमिस्टुर क्यूबा और 'कमेटीज फॉर द डिफेंस ऑफ द रिवोल्यूशन' शामिल हैं। इसके अलावा राष्ट्रपति डियाज-कैनेल की पत्नी लिस कुएस्ता पेराजा और उनके सौतेले बेटे मिगुएल एनिडो कुएस्ता पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। राष्ट्राध्यक्षों और उनके परिवारों पर प्रतिबंध लगा चुका है। सूडान के पूर्व राष्ट्रपति उमर अल-बशीर, जिम्बाब्वे के पूर्व राष्ट्रपति रॉबर्ट मुगाबे और वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो पर भी इसी तरह की कार्रवाई की गई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप प्रशासन क्यूबा की मौजूदा सरकार को बातचीत के लिए मजबूर करना चाहता है। हालांकि यह भी माना जा रहा है कि इस दबाव से दोनों देशों के रिश्ते और ज्यादा खराब हो सकते हैं।

गजब! यात्री दिल्ली में, सामान श्रीनगर में, स्पाइसजेट की 2 फ्लाइटों के यात्रियों का आईजीआई एयरपोर्ट पर फूटा गुस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आईजीआई एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट के यात्रियों ने तब हंगामा शुरू कर दिया, जब उन्हें पता चला कि वे तो नई दिल्ली पहुंच गए लेकिन, उनका लगेज अभी तक दिल्ली नहीं पहुंचा है। यह घटना एक नहीं बल्कि दो उड़ानों (एसजी161 और एसजी981) से जुड़ी है, जो श्रीनगर से दिल्ली पहुंची थी। विमान की लैंडिंग के बाद जब यात्री टर्मिनल में बेल्ट के नजदीक पहुंचे तो उन्हें लगा कि शायद तकनीकी दिक्कत के कारण विलंब हो रहा है, लेकिन काफी देर बाद भी जब बेल्ट पर उन्हें लगेज नजर नहीं आया तब उन्हें मामले का पता चला। इस घटना को लेकर यात्रियों ने एक्स पर एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें गुस्साए यात्रियों और स्पाइसजेट के ग्राउंड स्टाफ के बीच तीखी बहस होती दिखाई दे रही है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि निराश यात्री एयरलाइन अधिकारियों से जवाब मांग रहे हैं, जबकि स्टाफ के पास कोई संतोषजनक उत्तर नहीं है।

एयरपोर्ट पर फंसे यात्रियों की परेशानियां बेहद गंभीर हैं।एक्स पर उपलब्ध वीडियो में एक यात्री कहता नजर आ रहा है कि एयरलाइन की इस लापरवाही ने उन्हें बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। यात्री ने बेबसी जताते हुए कहा कि मेरे पूरे सामान के साथ-साथ मेरे फ्लैट की चाबियां भी उसी बैग में हैं। अब आखिर मैं घर में दाखिल कैसे होऊंगा? स्पाइसजेट की इस लापरवाही का हर्जाना कौन भुगतेगा? कई अन्य यात्रियों ने भी एक्स पर स्पाइसजेट को टैग करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की है। किसी की जरूरी दवाइयां बैग में हैं, तो कोई बच्चों के सामान के लिए परेशान हो रहा है।

सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने दी जानकारी

किम जोंग ने दिखाई नई परमाणु फैक्टरी: हथियारों का जखीरा बढ़ाने का किया एलान; यूएस-दक्षिण कोरिया की बढ़ी चिंता

सियोल, एजेंसी। परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाने के लिए उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को इनका ईंधन बनाने वाले एक नए संयंत्र का खुलासा किया है। वहीं, तानाशाह किम जोंग उन ने देश की परमाणु ताकत तेजी से बढ़ाने की कई योजनाओं का भी एलान किया। इससे दक्षिण कोरिया, अमेरिका समेत कई प्रतिद्वंदी देशों की चिंता बढ़ गई है।

उत्तर कोरियाई सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के मुताबिक, यह संयंत्र पहले से अधिक उन्नत तकनीक का इस्तेमाल करता है लेकिन इसकी जगह और शुरू होने की तारीख नहीं बताई।

हालांकि केसीएनए की जारी तस्वीरों में एक बड़े हॉल में हथियार-स्तर का यूरेनियम तैयार करने के लिए बड़ी संख्या में सेंट्रीफ्यूज मशीनें दिखाई दी हैं। किम ने बुधवार को संयंत्र के दौरे के दौरान कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया जैसे सबसे आक्रामक दुश्मनों के साथ बढ़ते टकराव से देश की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को मात्रा और गुणवत्ता दोनों में मजबूती देना

जरूरी हो गया है। उन्होंने अन्य वैश्विक संकटों और सुरक्षा चुनौतियों का भी हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि बीते पांच साल में देश की हथियार- स्तर परमाणु सामग्री उत्पादन क्षमता दोगुने से अधिक बढ़ चुकी है। परमाणु गतिविधियों को तेज करने पर आईएईए का खुलासा उत्तर कोरिया के सितंबर 2024 में सामने आए एक अन्य गुप्त यूरेनियम संवर्धन संयंत्र के बाद सामने आया है। अमेरिकी विद्वानों को 2010 में योंगब्योन परमाणु परिसर दिखाने के बाद दूसरी बार उत्तर कोरिया ने सार्वजनिक तौर से ऐसा संयंत्र दिखाया है। यहां 2017 के बाद भले ही कोई परमाणु परीक्षण नहीं हुआ, लेकिन उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी तक मार करने वाली परमाणु-सक्षम मिसाइलों का तेजी से विकास किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के पास अब 100 से अधिक विनाशकारी परमाणु वारहेड हो सकते हैं और वह हर साल 6 से 18 नए हथियार बनाने में सक्षम हो सकता है।

दुनिया की बढ़ी फिक्र- दक्षिण कोरियाई सेना के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने इस स्थल को यूरेनियम संवर्धन केंद्र बताते हुए कहा कि वह उत्तर कोरिया की परमाणु गतिविधियों पर अमेरिका के साथ मिलकर नजर रख रहा है। दक्षिण कोरिया का कहना है कि उत्तर कोरिया चार यूरेनियम संवर्धन केंद्र संचालित कर रहा है। 2019 में अमेरिका के साथ वार्ता नाकाम होने के बाद किम ने परमाणु शस्त्रागार के विस्तार पर और जोर दिया है।

दूषित भोजन बना वैश्विक संकट: हर साल 86 करोड़ से अधिक लोग बीमार

जिनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की नई रिपोर्ट ने खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। रिपोर्ट के अनुसार दूषित और असुरक्षित भोजन के कारण दुनिया भर में हर साल लगभग 86.6 करोड़ लोग बीमार पड़ते हैं, जबकि करीब 15 लाख लोगों की मौत हो जाती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस संकट का सबसे अधिक असर पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर पड़ रहा है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि सुरक्षित भोजन सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक स्तर पर तत्काल और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है।

रिपोर्ट के अनुसार पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे दुनिया की आबादी का केवल लगभग 9 प्रतिशत हैं, लेकिन भोजनजनित बीमारियों के करीब एक-तिहाई मामलों का बोझ इन्हीं पर पड़ता है। उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह विकसित नहीं होने के कारण वे संक्रमण व विषैले तत्वों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दूषित भोजन से होने वाले डायरिया जैसे संक्रमण बच्चों में तेजी से फैलते हैं और कई मामलों में जानलेवा साबित हो सकते हैं। वहीं भोजन में मौजूद सीसा और मिथाइलमरकरी जैसे जहरीले तत्व बच्चों के मस्तिष्क के विकास को प्रभावित कर सकते हैं। इससे उनकी सीखने की क्षमता, मानसिक विकास और दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। रिपोर्ट में भोजनजनित बीमारियों के दो प्रमुख कारण बताए गए हैं। जैविक और रासायनिक खतरे। जैविक खतरों में बैक्टीरिया, वायरस और परजीवी शामिल

हैं, जो अधिकांश बीमारियों के लिए जिम्मेदार पाए गए। वर्ष 2021 में लगभग 86 करोड़ मामले ऐसे ही संक्रमणों से जुड़े थे। दूसरी ओर, रासायनिक प्रदूषण के मामले संख्या में कम होने के बावजूद अधिक घातक साबित होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में दूषित भोजन से हुई कुल मौतों में लगभग 73 प्रतिशत मौतें रासायनिक तत्वों के कारण हुईं।

असुरक्षित भोजन का प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, भोजनजनित बीमारियों की वजह से हर साल लगभग 310 अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान होता है। विभिन्न देशों की जीवन-यापन लागत और क्रय शक्ति को ध्यान में रखने पर यह नुकसान बढ़कर लगभग 647 अरब डॉलर तक पहुंच जाता है।

हमको ताकत के साथ दुश्मन की साजिश नाकाम करनी होगी, यूएस से तनाव के बीच सामने आया खामेनेई का संदेश

तेहरान, एजेंसी। इस्लामी क्रांति के सर्वोच्च नेता, मोजतबा खामेनेई के नाम से एक संदेश इमाम खुमैनी के 37वें पुण्यतिथि समारोह के दौरान उनके मकबरे पर पढ़ा गया। यह जानकारी तसनीम समाचार एजेंसी के अनुसार है। तसनीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, संदेश के माध्यम से सर्वोच्च नेता ने कहा, 'सभी को दृढ़ता, दूरदर्शिता, एकता और आपसी विश्वास को बनाए रखते हुए और शत्रु की बातों का समर्थन न करते हुए शत्रु की साजिश को विफल करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'खुर्दाद के चौदहवें दिन के शहीद नेता ने इसे इमाम खुमैनी (आरए) के साथ राष्ट्र की प्रतिज्ञा के लिए एक वार्षिक अवसर में बदल दिया है।' संदेश में ईरान के क्रांतिकारी नेतृत्व के साथ वैचारिक निरंतरता पर और जोर दिया गया। उन्होंने कहा, 'ईरानी राष्ट्र, अपने नए मिशन के साथ, प्रतिरोध मोर्चे के साथ-साथ स्वतंत्र राष्ट्रों के लिए गौरव का स्रोत बन गया है।' इस संदेश में इस्राइल के साथ क्षेत्रीय भू-राजनीतिक तनावों का भी साफ जिक्र किया गया था। इसमें कहा गया था, 'अस्थिर जायोनी शासन और इस्राइल का घातक ट्यूमर अपने भयावह जीवनकाल के अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं। ईश्वर की कृपा से और दस वर्ष पूर्व शहीद नेता के दृढ़ और दूरदर्शी शब्दों के अनुसार, ईश्वर की इच्छा से वह उस तिथि के बाद 25 वर्ष नहीं देख पाएंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्रीन बोकारो - क्लीन बोकारो के संकल्प के साथ लाखों पौधे लगाने का आह्वान

आरसीसीएफ, उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न परिसरों में किया पौधरोपण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बोकारो में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नमामि गंगे योजना के तहत आरसीसीएफ, बोकारो प्रक्षेत्र आर. टी. पांडियन, उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने सेक्टर-12 स्थित पुलिस लाइन, उकरीद स्थित झारखंड गृह रक्षा वाहिनी कैंप परिसर तथा जिला परिषद कार्यालय परिसर में पौधरोपण किया।

झारखंड की संस्कृति में समाहित है पर्यावरण संरक्षण : उपायुक्त

मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान जल, जंगल और जमीन से है। यहां की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक चेतना में पर्यावरण संरक्षण रचा-बसा है। यदि हम पर्यावरण से विमुख होते हैं तो यह हमारी मूल पहचान और चेतना से दूर होने जैसा होगा।

पौधरोपण नहीं, पौधों को वृक्ष बनाना भी हमारी जिम्मेदारी

उपायुक्त ने कहा कि पौधरोपण एक कार्यक्रम भर नहीं है। पौधों को वृक्ष बनाना और उनका संरक्षण करना भी हमारी संस्कृति और संस्कार का हिस्सा होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन और बढ़ती वैश्विक तापमान की चुनौती को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना होगा।

आगामी डेढ़ माह में 10 से 15 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

उपायुक्त ने बोकारोवासियों से ग्रीन बोकारो, क्लीन बोकारो - ग्रीन झारखंड के संकल्प को जन आंदोलन का रूप देने की अपील करते हुए कहा कि आगामी डेढ़ माह के भीतर जिले में 10 से 15 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने सभी नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

सभी पुलिस संस्थानों एवं थाना परिसरों में होगा पौधरोपण : एसपी

मौके पर पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम व्यापक अभियान की शुरूआत है। जिले के सभी पुलिस संस्थानों, पुलिस केंद्रों, कार्यालयों एवं थाना परिसरों में उपलब्ध भूमि का चिन्हांकन कर लिया गया है। आगामी एक सप्ताह के भीतर सभी चिन्हित स्थलों पर पौधरोपण किया जाएगा, ताकि मानसून के दौरान पौधों का बेहतर विकास सुनिश्चित हो सके।

आमजन भी निभाएं पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका

पुलिस अधीक्षक ने आमजनों से अपील की कि वे कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसके संरक्षण का दायित्व भी निभाएं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को कम करने के लिए सामूहिक प्रयास और जन सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। सभी के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण का यह अभियान सफल बनाया जा सकता है। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, अनुमंडल पदाधिकारी (चास) प्रांजल ढ़ांडा, वन पदाधिकारी संदीप शिंदे, मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार, होमगार्ड कमांडेंट किरण कुमारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण किया।

जनता की समस्याओं के समाधान को प्रशासन प्रतिबद्ध : उपायुक्त

हम आपको सुनते हैं कार्यक्रम में कुल 27 मामलों की हुई सुनवाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय सभागार में शुक्रवार को आयोजित 'हम आपको सुनते हैं' कार्यक्रम (लोक संवाद) में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त 27 आवेदनों पर क्रमवार सुनवाई करते हुए उन्होंने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को मामलों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान भूमि विवाद, राजस्व, शिक्षा, विद्युत, बीएसएल, डीपीएलआर, कल्याण, आपूर्ति विभाग तथा विभिन्न अंचल कार्यालयों से जुड़े सभी मामलों को उपायुक्त ने प्राथमिकता के आधार पर लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन का निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा आवेदकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़े। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन रिस्पॉन्सिव गवर्नेंस की अवधारणा के अनुरूप कार्य कर रहा है। आम नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यह मंच नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद को मजबूत करते हैं तथा शिकायतों के निष्पादन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं।

स्थानीय स्तर पर भी सुनी गईं लोगों की समस्याएं

जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार जिले के सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में भी जनता दरबार आयोजित किया गया। वहां प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों की सुनवाई संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों और अंचल अधिकारियों द्वारा की गई। जिन मामलों का समाधान तत्काल संभव था, उनका मौके पर ही निष्पादन किया गया, जबकि अन्य मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुचिता किरण, सहायक जन संपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, परियोजना पदाधिकारी श्री मानिक चन्द्र सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 8 जून को बोकारो आयेंगे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन झारखंड दौरा के क्रम में बोकारो भी आने वाले है। नितिन नवीन 8 जून कि सुबह बोकारो पहुंचेंगे। यहां वे एक निजी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन की तैयारी को लेकर भाजपा के नेता लगे हुए हैं। इसकी जानकारी भाजपा के जिला अध्यक्ष डॉ सुरेंद्र राज ने दी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सड़क मार्ग से सुबह 7 बजे पेटरवार पहुंचेंगे जहां उनका स्वागत किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत की तैयारी को लेकर जिला अध्यक्ष की अगुवाई में बोकारो सर्किट हाउस में जिले के भाजपा नेताओं की बैठक भी हुई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नीति नवीन का झारखंड दौरा के साथ बोकारो दौरा होने से नेताओं और कार्यकताओं में उत्साह देखा जा रहा है। बोकारो के नेता इस बात को लेकर उत्साहित है कि उनके झारखंड के पहले दौर में ही हुए वे बोकारो आ रहे है।

राष्ट्र सेविका समिति की बहनों का बोकारो में भव्य पथ संचालन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्र सेविका समिति, झारखंड प्रांत द्वारा आयोजित 15 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के तहत बोकारो में भव्य पथ संचलन निकाला गया। घोष वाद्य यंत्रों की मधुर धुन और अनुशासित कदमताल के साथ निकले इस संचलन ने शहरवासियों का ध्यान आकर्षित किया। झारखंड के विभिन्न जिलों से आई शिक्षार्थी बहनों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। राष्ट्र सेविका समिति के प्रशिक्षण वर्ग के अंतर्गत आयोजित यह पथ संचलन मान सरोवर होटल से शुरू हुआ। मुख्य शिक्षिका अर्चना कुमारी और घोष वादिका गार्गी बहन के नेतृत्व में निकला यह संचलन पानी प्लाजा, सब्जी मंडी, सिटी सेंटर और मेन रोड से गुजरते हुए सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर-3 पहुंचा। घोष वाद्य यंत्रों की धुन और अनुशासित पंक्तियों में चल रही सेविका बहनों ने समाज में राष्ट्रभक्ति, संस्कार और संगठन शक्ति का संदेश दिया। संचलन के दौरान जगह-जगह लोगों ने बहनों का स्वागत किया और कार्यक्रम की सराहना की। इस प्रशिक्षण वर्ग में झारखंड प्रांत के 12 जिलों से आई 45 शिक्षार्थी बहनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख डॉ. शरद रेणु, क्षेत्र सह-संपर्क प्रमुख पदमा देवी, प्रांत कार्यवाहिका शारदा गुप्ता सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल, बोकारो में विश्व पर्यावरण दिवस का भव्य आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल, बोकारो के परिसर में आज 'विश्व पर्यावरण दिवस' अत्यंत उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की आयोजक रीता कुमारी ने बताया कि छात्रों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करने के लिए यह आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्रबंधन समिति और शिक्षकों द्वारा वृक्षारोपण के साथ की गई। इस दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण का संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि इसे हमें अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। उपाध्यक्ष बटोही कुमार और विजय कुमार झा ने भी पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि आज की पीढ़ी ही भविष्य में पृथ्वी को हरा-भरा बनाए रख सकती है। प्रधानाचार्य अमर प्रसाद ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य छात्रों में शैक्षणिक विकास के साथ-साथ नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। उन्होंने छात्रों को घर और आसपास के क्षेत्रों में अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे, जिन्होंने पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर रखने की शपथ ली।

विश्व पर्यावरण दिवस पर न्यायाधीशों ने किया पौधरोपण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा सिविल कोर्ट धनबाद के परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा के नेतृत्व में न्यायाधीशगणो ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उपस्थित लोगों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की। न्यायाधीश ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। प्राधिकरण के सचिव सावर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनों ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

अतिथि देवो भव: की भावना के अनुरूप पर्यटकों को उपलब्ध कराएं बेहतर सुविधाएं : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को बोकारो जिला पर्यटन संवर्धन परिषद की शासी निकाय की बैठक समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विधायक चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता सुनील चंद्र, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार एवं जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पर्यटन स्थलों के चरणबद्ध विकास पर जोर

बैठक में जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों को चरणबद्ध तरीके से विकसित करने का निर्णय लिया गया। उपायुक्त ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की दिशा में प्रभावी पहल की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा पर्यटकों की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

सोशल मीडिया के माध्यम से होगा व्यापक प्रचार-प्रसार

उपायुक्त ने जिले के पर्यटन स्थलों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्ता का व्यापक प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों की विशेषताओं को आमजन तक पहुंचाकर जिले को पर्यटन मानचित्र पर और अधिक सशक्त पहचान दिलाई जा सकती है।

हर पंचायत में इको-फ्रेंडली पार्क विकसित करने पर सहमति

बैठक में प्रत्येक पंचायत में इको-फ्रेंडली पार्क विकसित करने के प्रस्ताव पर समिति ने सहमति व्यक्त की। इस पहल से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर पर्यटन और मनोरंजन के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा। पर्यटन स्थलों पर साइनेज एवं सुरक्षा व्यवस्था होगी सुदृढ़ पर्यटकों की सुविधा और मार्ग दर्शन के लिए सभी पर्यटन स्थलों पर पर्याप्त संख्या में आवश्यक साइनेज (सूचनात्मक संकेतक) स्थापित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही, पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों को भी मजबूत किए जाने पर जोर दिया गया।

प्रथम चरण में पांच प्रमुख स्थलों के विकास की बनेगी कार्ययोजना

समिति ने प्रथम चरण में लुगुबुरु घंटाबाड़ी धोरोमगढ़, तेनुघाट डैम, गरगा डैम, भैरवनाथ धाम एवं चेचका धाम के विकास को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को इन स्थलों के समग्र विकास हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर समिति के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र के विकास से स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा जिले की आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

यातायात एवं जनसमस्याओं को लेकर चैंबर ने सिटी डीएसपी को सौंपा ज्ञापन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधिमंडल नगर पुलिस उपाधीक्षक (सिटी डीएसपी) राजीव रंजन से उनके कार्यालय में मुलाकात कर बोकारो शहरी क्षेत्र की यातायात व्यवस्था एवं अन्य जनहित से जुड़ी समस्याओं के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर चैंबर के अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ने कहा कि सिटी सेंटर बोकारो जिले का प्रमुख व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक केंद्र है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। इसके कारण सिटी सेंटर, हटिया मोड़ तथा आसपास के क्षेत्रों में नियमित रूप से यातायात जाम की समस्या उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि सिटी सेंटर में निर्धारित पार्किंग स्थलों पर अतिक्रमण होने के कारण वाहन चालकों को पार्किंग की समुचित सुविधा नहीं मिल पाती, जिससे वे अनियोजित स्थानों पर वाहन खड़ा करने को विवश हो जाते हैं। अतः यातायात व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में चेन स्नैचिंग, झपटमारी तथा बैंक से नकद राशि निकालकर घर लौटने वाले नागरिकों के साथ लूट एवं चोरी की कई घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने बताया कि कई बैंक शाखाओं के आसपास अतिक्रमण कर संचालित हो रही दुकानों एवं अन्य प्रतिष्ठानों का असामाजिक तत्वों द्वारा दुरुपयोग किया जाता है। इन घटनाओं की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाते हुए टाइगर मोबाइल एवं पुलिस पेट्रोलिंग को और अधिक सक्रिय किए जाने की आवश्यकता है। विशेष रूप से बैंक, एटीएम, बाजार, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नियमित गश्त एवं निगरानी बढ़ाई जानी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने थाना स्तर पर आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित एवं निष्पक्ष निपटारे तथा उनके साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किए जाने की भी मांग की। इसके अतिरिक्त सड़क दुर्घटनाओं के बाद सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रतिनिधिमंडल ने ऐसी परिस्थितियों के प्रभावी प्रबंधन हेतु आवश्यक प्रशासनिक उपाय सुनिश्चित करने का आग्रह किया। सिटी डीएसपी राजीव रंजन ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना तथा आश्वस्त किया कि जनहित से जुड़ी इन समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक एवं प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मौके पर अजय केडिया, नरेन्द्र सिंह, राजीव कुमार सहित चैंबर के कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सहयोगिनी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सहयोगिनी द्वारा आज का कसमार प्रखंड के कुरको गांव में किशोरियों के बीच पर्यावरण सुरक्षा को लेकर क्विज प्रतियोगिता आयोजन किया गया। साथ ही कसमार प्रखंड के खैराचातर , टांगटोना, पोंडा तथा सोनपुरा पंचायतत तथा सहयोगिनी कार्यालय में पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस संबंध में सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि पर्यावरण को लेकर के जन-जन के बीच में जागरूकता की जरूरत है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण हमारे क्षेत्र में काफी ज्यादा लोग प्रभावित हो रहे हैं। हमें पर्यावरण की सुरक्षा हेतु जंगल बचाने सहित पर्यावरण की रक्षा हेतु लगातार सक्रिय भागीदारी निभाने की जरूरत है। कुरको गांव में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम प्रविन, द्वितीय सुष्मिता कुमारी, तथा तृतीय स्थान प्रिती कुमारी ने प्राप्त की। खैराचातर पंचायत में पौधों रोपण करते हुए स्थानीय मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने कहा कि जमीनी स्तर पर पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें विभिन्न प्रकार की योजनाओं को लागू करने की जरूरत है । सभी लोगों को इस अभियान पर विशेष योगदान देना पड़ेगा। इस दौरान टांगटोना पंचायत के मुखिया सुमित्रा कुमारी के नेतृत्व में पर्यावरण की रक्षा हेतु शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया।

समाहरणालय में उपायुक्त की अध्यक्षता में जनता दरबार आयोजित, सुनीं आमजनों की समस्या

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को लेकर पहुंचे। जनता दरबार में गोविंदपुर, बैंक मोड़, महुदा, सरायढेला, बलियापुर, मैथन, तोपचांची, बाघमारा, बरवाअड्डा, पूर्वी टुंडी, चिरकुंडा, केन्दुआडीह समेत जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। इस दौरान धोखाधड़ी एवं जालसाजी कर जमीन हड़पने, पुरस्कृत राशि प्रदान करने, आवागमन हेतु रास्ता अवरुद्ध करने, सड़क पर अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण, जलमीनार की मरम्मती, होमगार्ड से संबंधित मामलों, रास्ता बंद करने, आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, दिव्यांगजन को रोजगार देने, नियोजन, इलाज हेतु सहायता राशि निर्गत करने, सड़क, नाली, पानी एवं स्ट्रीट लाइट सहित अन्य जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

आप की बोकारो-धनबाद नयी जिला कमेटी

धर्मेंद्र शर्मा बोकारो व राजेश को धनबाद की जिम्मेवारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आम आदमी पार्टी ने संगठन को सक्रिय और मजबूत बनाने के उद्देश्य से बोकारो और धनबाद में जिला कमिटियों का पुनर्गठन किया है। नवगठित कमिटी में धर्मेंद्र शर्मा को बोकारो और राजेश कुमार को धनबाद का जिला संयोजक बनाया गया है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी शिवचरण गोयल और सह प्रभारी सुशील सिंह ने जोनल प्रभारी विधान चंद्र राय की अनुशंसा पर ये नियुक्तियां की हैं। यह जानकारी आप के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश ने दी है।

बोकारो इस्पात संयंत्र में दो दिवसीय कस्टमर मीट का शुभारंभ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) द्वारा आयोजित दो दिवसीय कस्टमर मीट का शुभारंभ 5 जून को हुआ। इस सम्मेलन में देशभर से आए बीएसएल के लगभग सभी प्रमुख कस्टमर भाग ले रहे हैं। कस्टमर मीट में बीएसएल के निदेशक प्रभारी, सेल के निदेशक (वाणिज्य) टी. एन. नटराजन, सेल एवं बीएसएल के अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक तथा बीएसएल एवं केंद्रीय विपणन संगठन (सीएमओ) के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे । उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सेल के वरिष्ठ अधिकारियों ने ग्राहकों द्वारा बोकारो इस्पात संयंत्र के साथ लंबे समय से जुड़े रहने के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता, समयबद्ध आपूर्ति तथा अन्य सभी प्रमुख मानकों के संदर्भ में ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बीएसएल पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अधिकारियों ने उपस्थित ग्राहकों को बताया कि सेल एवं बीएसएल अपनी उत्पादन क्षमता के व्यापक विस्तार की दिशा में अग्रसर हैं तथा बाजार की बदलती एवं उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूर्ण रूप से तैयार हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह विस्तार ग्राहकों को बेहतर उत्पाद, अधिक उपलब्धता तथा उन्नत सेवाएं प्रदान करने में सहायक होगा। अपने संबोधन में अधिकारियों ने कहा कि कस्टमर मीट का कार्यक्रम ग्राहकों को बीएसएल की टीम के साथ प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने, अपने सुझाव एवं फीडबैक साझा करने तथा पारस्परिक हितों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करेगा। कस्टमर मीट के दौरान बीएसएल के विभिन्न विभागों द्वारा तैयार मॉडलों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी के माध्यम से ग्राहकों को संयंत्र की कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रक्रिया तथा विभिन्न विभागों की भूमिका एवं योगदान की जानकारी प्रदान की गई। अपराहन, ग्राहकों ने बीएसएल की प्रमुख उत्पादन इकाइयों का भ्रमण किया तथा इस्पात निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा। इस दौरान उन्हें संयंत्र की उत्पादन क्षमताओं, तकनीकी उत्कृष्टता तथा गुणवत्ता नियंत्रण प्रणालियों से भी अवगत कराया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी, सेल के निदेशक (वाणिज्य) टी. एन. नटराजन तथा सम्मेलन में भाग ले रहे ग्राहकों ने सहभगिता उद्यान में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। दो दिवसीय ग्राहक सम्मेलन का समापन 6 जून को ग्राहकों तथा सेल एवं बीएसएल के अधिकारियों के मध्य आयोजित एक विशेष संवाद सत्र के साथ होगा, जिसमें व्यवसाय, उत्पाद गुणवत्ता, आपूर्ति व्यवस्था तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com